ICSE 2023 EXAMINATION

SPECIMEN QUESTION PAPER

HINDI

(SECOND LANGUAGE)

Maximum Marks: 80

Time allowed: Three hours

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

***Section A** is compulsory – **All** questions in **Section A** must be answered.*

*Attempt **any four** questions from **Sections B,** answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and **any two** questions from the same books you have studied.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A

*(Attempt **all** questions from this **Section**.)*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

(i) जीवन में खेलकूद मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ सुख समृद्धि भी देते हैं। विद्यार्थी जीवन में इसकी उपयोगिता बहुत अधिक है। अपने किसी प्रिय खेल का वर्णन करें तथा यह खेल भविष्य में आपको कैसे लाभान्वित कर सकता है, निबंध में अपनी भविष्य की योजनाएं भी बताइए।

(ii) 'परोपकार की भावना लोक-कल्याण से पूर्ण होती है।' हमें भी परोपकार से भरा जीवन ही जीना चाहिए। विषय को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिए।

(iii) 'स्वच्छता अभियान में सरकारी तंत्र की अपेक्षा नागरिकों की जागरूकता अधिक प्रभावपूर्ण मानी जाती है' जनता के सहयोग से ही देश स्वच्छ सुन्दर बन सकता हैं, आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट करें।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखो, जिसके अंत में ये स्पष्ट हो "'जाको राखे साइयाँ। मार सके न कोय।"

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिये।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए:

(i) आपका छोटा भाई अपना अधिकांश समय मोबाइल फोन के उपयोग में बिताता है। मोबाइल फोन के अधिक उपयोग से होने वाली हानियों का उल्लेख करते हुए उसे पत्र लिखिए।

(ii) आपके क्षेत्र में मलेरिया तथा डेंगू का प्रकोप बढ़ गया है। इसकी रोकथाम के लिए नगर-निगम के अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

सन्त कबीर ने स्थान-स्थान पर जाकर पर्याप्त भ्रमण किया था। घुमक्कड़ होने के कारण ही उनकी भाषा में अरबी, फारसी, भोजपुरी, मगही, पंजाबी, राजस्थानी आदि अनेक भाषाओं के शब्द आ गये हैं। उनकी बोलचाल की अनपढ़ भाषा विविध आंचलिक शब्दों, उक्तियों तथा अपभ्रंश शब्दों से युक्त है। इसलिए आचार्य रामचन्द्र शुक्ल इसे सधुक्कड़ी भाषा कहकर पुकारते हैं। वैसे उनकी भाषा किसी प्रकार की हो, परन्तु उन्हें भाषा पर पूर्ण अधिकार था। वे जानते थे कि किस भाव को व्यक्त करने के लिए कौन-सा शब्द उपयुक्त

होगा। यही कारण है कि भाषा चुपचाप उसी भाव को प्रकट करने लगती है। इसी ओर संकेत करते हुए आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लिखा है—"भाषा पर कबीर का जबरदस्त अधिकार था। वे वाणी के डिक्टेटर थे। जिस बात को उन्होंने जिस रूप में प्रकट करना चाहा, उसे उसी रूप में भाषा से करवा दिया है — बन आया है तो सीधे-सीधे नहीं तो दविश देकर, भाषा कबीर के सामने कुछ लाचार सी नजर आती है। उसमें मानो हिम्मत नहीं है कि इस लापरवाह फक्कड़ को इन्कार कर सके। जैसी ताकत कबीर की भाषा में है, वैसी बहुत कम लेखकों में पायी जाती है। इस प्रकार बोलचाल की चलताऊ तथा विविध भाषाओं के शब्दों से युक्त तथा व्याकरण के बन्धनों से मुक्त भाषा के माध्यम से कबीर ने गम्भीर विषय का अत्यन्त सरल रूप प्रस्तुत किया है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का कथन सत्य ही है। सच पूछा जाए तो आज तक हिन्दी में ऐसा जबदस्त व्यंग्य लेखक पैदा ही नहीं हुआ। उसकी साफ चोट करने वाली भाषा, बिना कहे भी सब कुछ कह देने वाली शैली अत्यन्त सही, किन्तु अत्यन्त तेज प्रकाशन अनन्य असाधारण है।

(i) कबीर का स्वभाव कैसा था और उसके कारण उन्हें क्या कहा जाता था ? [2]

(ii) कबीर की भाषा में कौन सी विशेषताएं पायी जाती हैं ? [2]

(iii) आचार्य शुक्ल ने कबीर की भाषा के विषय में क्या कहा है ? [2]

(iv) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने कबीर की भाषा के सम्बन्ध में क्या कहा है ? [2]

(v) कबीर की भाषा को मुक्त भाषा क्यों कहा गया है ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given: [8]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

(i) 'निश्चेष्ट' का विलोम बताइए :

(a) सतर्क

(b) प्रवेष्ट

(c) सचेष्ट

(d) सजग

(ii) 'तालाब' का पर्यायवाची बताइए :

(a) सरि-सरिता

(b) सर-सरोवर

(c) तड़ाग-पराग

(d) पोखर-पाथर

(iii) 'काला' की भाववाचक संज्ञा बताइए :

(a) काली

(b) कलिमा

(c) कलात्मक

(d) कालिमा

(iv) 'भारत' का विशेषण बताइए :

(a) भारतीयता

(b) भारतवर्ष

(c) भारती

(d) भारतीय

(v) 'अभिलासा' का शुद्ध रूप बताइए :

(a) अभिलासा

(b) अभलाषा

(c) अभीलाषा

(d) अभिलाषा

(vi) 'घी के दिये जलाना' मुहावरे का अर्थ बताइए :

(a) दिवाली मनाना

(b) पूजा-अर्चना करना

(c) खुशी मनाना

(d) बहुत प्रसन्न होना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :

धर्म का मानव मन पर प्रभाव पड़ता है। (वाक्य में 'प्रभावित' शब्द का प्रयोग कीजिए)

(a) धार्मिक मानव सबको प्रभावित करता है।

(b) धर्म मानेव मन को प्रभावित करता है।

(c) मानव के मान को धर्म प्रभावित करता है।

(d) मन को प्रभावित करने वाला मानव धर्म लें

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :

रोम का राजा भीषण–रोग से पीड़ित हो गया। (वाक्य में 'कर दिया' का प्रयोग कीजिए)

(a) रोम के राजा को भीषण रोग ने पीड़ित कर दिया।

(b) रोम के राजा को एक भीषण रोग ने पीड़ित कर दिया।

(c) रोम के राजा को एक भयानक रोग ने पीड़ित कर दिया।

(d) रोम के राजा को एक रोग ने भयानक पीड़ित कर दिया।

SECTION B

*(Attempt **four** questions from this Section.)*

*(You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.)*

साहित्य सागर–संक्षिप्त कहानियाँ

(SAHITYA SAGAR–SHORT STORIES)

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

'दोनों घंटों साथ बैठते, बातें करते'।

['बात अठन्नी की'—सुदर्शन]

['Baat Athanni Ki'—Sudarshan]

(i) 'दोनों' — शब्द से किस-किस की ओर संकेत हैं ? [2]

(ii) वे दोनों किस-किस के यहाँ काम करते थे ? [2]

(iii) वे दोनों जिन लोगों के यहां काम करते थे, उनमें कौन-सी बात समान थी ? [3]

(iv) किस घटना से स्पष्ट होता है कि दोनों में बहुत मैत्री थी ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

उन दिनों एक प्रथा प्रचलित थी। यज्ञ के फल का क्रय-विक्रय हुआ करता था।

[महायज्ञ का पुरस्कार—यशपाल]

[Mahayagya Ka Puraskar—Yashpal]

(i) क्रय-विक्रय शब्द का अर्थ लिखें। [2]

(ii) यज्ञों के क्रय-विक्रय का क्या आशय है ? [2]

(iii) सेठ जी यज्ञ बेचने कहाँ गये थे और क्यों ? [3]

(iv) सेठानी द्वारा अपना यज्ञ बेचने का सुझाव दिए जाने पर सेठ की क्या प्रतिक्रिया हुई ? [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

'उस भीड़.भाड़ में अचानक उसकी भेंट अरुणा से हो गई।' 'रूनी कहकर चित्रा भीड़ की उपस्थिति कां भूलकर अरुणा के गले लिपट गई'।

[दो कलाकार—मन्नू भंडारी]

[Do Kalakaar—Mannu Bhandari]

(i) अरुणा और चित्रा कहां पर मिली है और यहां क्यों आई है ? [2]

(ii) अरुणा के साथ कौन खड़े थे? चित्रा के पूछने पर अरुणा ने क्या बताया ? [2]

(iii) अरुणा ने बच्चों से क्या कहा? क्या चित्रा ने उन्हें प्यार किया? [3]

(iv) बच्चों के बारे में अरुणा की बात सुनकर चित्रा क्या सोचने लगी ? [3]

साहित्य सागर–पद्य भाग

(SAHITYA SAGAR–POEMS)

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रित है दासी,

है जन्मता समान परस्पर, इसके सभी निवासी।

सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण,

बाधा रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।

[स्वर्ग बना सकते हैं—रामधारी सिंह 'दिनकर']

[Swarg Bana Sakate Hai—Ramdhari Singh 'Dinkar']

(i) यह कविता किसने किसको सुनाई है ? [2]

(ii) कवि ने 'मुक्त प्रकाश' और 'मुक्त समीरण' की इच्छा किसके लिए प्रकट की है ? [2]

(iii) कवि ने मातृभूमि के बारे में क्या कहा है ? [3]

(iv) इस धरती पर शांति लाने के लिए क्या आवश्यक है ? [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

सात समंद की मसि करौं, लेखनी सब बनराय।

सब धरती कागद करौं , हरि गुण लिखा न जाए॥

['सखी'—कबीरदास]

['Sakhi'—Kabirdas]

(i) ' सात समंद' कहकर कवि क्या स्पष्ट करना चाहते हैं? [2]

(ii) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें:

मसि, बनराय, कागद, लेखनी। [2]

(iii) 'हरि गुण लिखा ना जाए' - कबीर ने ऐसा क्यों कहा ? [3]

(iv) कबीर दास जी का संक्षिप्त परिचय लिखें। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

साईं सब संसार में, मतलब का व्यवहार।

जब लग पैसा गांठ में, तब लग ताको यार॥

तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोल।

पैसा रहे ना पास , यार मुख से नहीं बोले।

कह' गिरधर कविराय' जगत यही लेखा भाई।

करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साईं॥

[गिरधर की कुंडलियां- गिरिधर कविराय]

(Girdhar ki Kundliyan – Giridhar Kavirai)

(i) संसार में लोग कैसा व्यवहार करते हैं ? [2]

(ii) लोग मित्र किसे बनाते हैं और क्यों ? [2]

(iii) लोग किन से बातें करना पसंद नहीं करते और क्यों ? [3]

(iv) किस प्रकार के लोग बिरला होते हैं ? समझाइए। [3]

नया रास्ता–सुषमा अग्रवाल

(NAYA RAASTA–SUSHMA AGARWAL)

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

मीनू के हृदय में हीन भावना के कारण जो दुख के भाव थे, खुशी में परिवर्तित हो गए। प्रथम श्रेणी में पास होने पर फूली नहीं समाई।

(i) मीनू के हृदय में हीन- भावना ने क्यों स्थान बना लिया था ? [2]

(ii) मीनू को अपने परीक्षा परिणाम की सूचना कहां मिली थी ? [2]

(iii) नीलिमा और मीनू के बीच क्या संबंध थे ? मीनू नीलिमा को किस बात की सूचना देने आई थी और क्यों ? [3]

(iv) मीनू के मन में प्रसन्नता, उदासी और पुन: प्रसन्नता के भाव कब और किस प्रकार जागृत हुए ? [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए:

आशा को देखने के लिए इंजीनियर आलोक, उसके मम्मी- पापा व उसकी बड़ी भाभी आए।

(i) आशा कौन है ? क्या लड़के वालों ने उसे पसंद कर लिया ? [2]

(ii) लड़के वालों को आशा की बड़ी बहन के बारे में क्या बात बताई गई ? [2]

(iii) बुआ ने इस लड़के की बात पहले किसके लिए चलाई थी ? उस लड़की ने क्या कहा ? [3]

(iv) उस लड़की की बात सुनकर पिताजी क्यों दुखी हुए ? समझाइए। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

' इतने में नीलिमा के पति सुरेंद्र जी ने कमरे में प्रवेश किया उन्हें देखकर मीनू आश्चर्यचकित रह गई'।

(i) मीनू इस समय कहां पर है ? नीलमा के पति को देखकर वह आश्चर्यचकित क्यों हो गई ? [2]

(ii) क्यों, क्या हुआ नीलिमा को ? मीनू के इस प्रश्न का सुरेंद्र ने क्या उत्तर दिया ? [2]

(iii) यह शुभ समाचार सुनकर मीनू की क्या प्रतिक्रिया हुई ? [3]

(iv) मीनू नीलिमा के घर जाने से पहले क्या तैयारी की ? वहां किसे देखकर मीनू आश्चर्यचकित रह गई ? [3]

एकांकी संचय

(EKANKI SANCHAY)

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

मैं जानती हूं, मेरे ही तो बेटे हैं। माया ममता किसी को छू नहीं गई है। हर बात में देश, धर्म, और कर्तव्य की दुहाई देना उन्होंने सीखा है।

[संस्कार और भावना—विष्णु प्रभाकर]

[Sanskar Aur Bhavna—Vishnu Prabhakar]

(i) वक्ता अपने बेटों के विषय में क्या जानती है ? [2]

(ii) ' माया ममता किसी को छू नहीं गई है'। इस कथन का क्या आशय है ? [2]

(iii) बेटे हर बात में किस की दुहाई देते हैं और यह उन्होंने किस से सीखा है ? [3]

(iv) अतुल के पिता का चरित्र चित्रण करें। [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

' मुझे और लज्जित ना करो'। मेरी चोट का इलाज बेटी की ससुराल वालों ने दूसरी चोट से कर दिया है।

[बहू की विदा—विनोद रस्तोगी]

[Bahu Ki Vida—Vinod Rastogi]

(i) 'मुझेऔर लज्जित ना करो'- किसने कहा ? उस का संक्षिप्त परिचय लिखिए। [2]

(ii) 'मेरी चोट' से क्या आशय है ? उसने ऐसा क्यों कहा ? [2]

(iii) जीवन लाल के मन में पश्चाताप का भाव कब पैदा हुआ ? [3]

(iv) इस अवतरण के आधार पर एकांकी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :

ना बेटा, मैं अपने जीते जी यह सब ना होने दूंगा। तुम चिंता ना करो। मैं सबको समझा दूंगा।

[सूखी डाली- उपेंद्र नाथ' अश्क']

(Sookhi Daali – Upendra Nath 'Ashk')

(i) वट वृक्ष को देखकर दादा जी के मन में कौन- सी कल्पनाएं जाग जाती हैं ? [2]

(ii) दादाजी का मन क्या सोच कर सिहर उठता है ? वे किस चिंता में डूबे हैं ? [2]

(iii) दादा जी कैसे विचारों के व्यक्ति हैं ? उनकी क्या अभिलाषा है ? [3]

(iv) अपनी छोटी बहू के विषय में दादा जी के क्या विचार हैं ? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

This Paper comprises of two sections ; ***Section A*** *and* ***Section B.***

Attempt ***All*** *the questions from* ***Section A.***

Attempt any ***four*** *questions from* ***Section B****, answering at least* ***one*** *question each from the* ***two*** *books you have studied and any* ***two*** *other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. आज-कल लोगों में त्योहारों के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव का बढ़ता जा रहा है इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

   भारत में विभिन्न धर्म विद्यमान हैं। इस कारण यहाँ उनसे जुड़े विभिन्न त्योहार विद्यमान है। त्योहार या उत्सव हमारे सुख और हर्षोल्लास के

प्रतीक है जो परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रुप और आकार में भिन्न होते हैं। सभी त्योहारों से कोई न कोई पौराणिक कथा अवश्य जुड़ी हुई है और इन कथाओं का संबंध तर्क से न होकर अधिकतर आस्था से होता है। ये त्योहार भारत की एकता, अखंडता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ये त्योहार हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं और हमारी पहचान भी हैं। भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदिकाल से ही काफी महत्त्व रहा है। परंतु आज यह देखकर दुख होता है कि लोग त्योहार के प्रति नीरसता दिखाने लगे है। इसके कई कारण है - आज की जीवनशैली, बढ़ता काम का तनाव, महँगाई आदि।

आज के युग में मनुष्य बहुत अधिक व्यस्त रहता है। उसे समय ही नहीं कि त्योहार के लिए तैयारी करे। इसके अलावा आज महँगाई इतनी बढ़ गई है कि दो वक्त का खाना भी कई लोग मुश्किल से पाते हैं उसमें त्योहार का खर्च कहाँ करेंगे। आज के युग में मनुष्य संयुक्त परिवार में नहीं रहता जिससे भी त्योहार मनाने का उत्साह फीका पड़ जाता है।

2. किसी 'पुस्तक की आत्मकथा' लिखें।

बहुत दिनों से अपने मन की दशा किसी के सामने व्यक्त करना चाह रही थी। अच्छा, हुआ जो मैं आपके हाथ लगी। मैं आपको को अपनी आत्मकथा सुनाना चाहती हूँ। मैं आज जिस रूप मैं हूँ, वैसे ही मैं अपने प्रारंभिक रूप में कतई नहीं थी। प्राचीन काल में जब तक मेरा आविष्कार नहीं हुआ था तब तक मौखिक ज्ञान द्वारा ही शिक्षा प्रदान की जाती थी परंतु धीरे-धीरे जब ज्ञान को सुरक्षित रखने की समस्या उत्पन्न हुई तो पेड़ की छालों से बने भोजपत्रों पर लिखना आरंभ हुआ। उसके बाद कागज का आविष्कार हुआ और लोगों ने मुझ पर लिखना आरंभ किया। कवियों, लेखकों, साहित्यकारों, अन्वेषणकर्ताओं आदि द्वारा मुझ पर लिखने के पश्चात मुझे प्रेस में मुद्रण के लिए भेजा जाता है। वहाँ पर छापे खाने में मशीनों के अंदर मुझे असहनीय कष्टों से गुजरना पड़ता है। उसके बाद जिल्द बनाने

वालों हाथों से मुझे गुजरना पड़ता है और इस तरह कई सारी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद में पुस्तक विक्रेताओं के पास पहुँचती हूँ और अंत में आप जैसे पाठकों के हाथ मैं पहुँचती हूँ। पर यहीं पर मेरी कहानी समाप्त नहीं होती है। कुछ अच्छे पाठक होते हैं जो मुझे बेहद संभालकर रखते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो पढ़ने के बाद मुझे कहीं भी कोने में फेंक देते हैं। इन सब अनुभवों से गुजरने के बाद आज मैं आपके हाथ में हूँ। मैं पाठकों से केवल यही कहना चाहती हूँ कि पढ़ने के बाद मुझे फेंके नहीं और न ही फाड़े। यदि वे मुझे पढ़ना न भी चाहते हो तो घर में कहीं संभालकर रख दें या किसी अन्य पुस्तक प्रेमी या जरूरतमंद को दे दें।

3. स्वच्छता हम सभी के लिए लाभदायक है, यदि आपको स्वच्छ भारत अभियान में सहयोग देने के लिए कोई तीन कार्य करने के लिए कहा जाए तो आप किन कार्यो को करना पसन्द करेंगे तथा क्यों? अपने विचारों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

   स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। स्वच्छता अपनाने से व्यक्ति रोग मुक्त रहता है और एक स्वस्थ राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। अत: हर व्यक्ति को जीवन में स्वच्छता अपनानी चाहिए और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। लोगों व बच्चों को खुले में शौच नहीं जाना चाहिए क्योंकि इससे अनेक बीमारियाँ जैसे हैजा, पेचिस, पोलियों, टाइफाईड जैसी घातक बीमारियाँ फैलती हैं। खाने से पहले हाथों को साबुन से धोने जैसी छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। व्यक्तिगत व सामुदायिक स्तरों पर रोग मुक्त रहने के लिए उचित स्वच्छता बहुत जरूरी है। भारत में, विशेषकर गरीबों व ग्रामीणों में, स्वच्छता की उचित सुविधाएँ न होने के कारण बहुत से रोग होते हैं। लोगों को उचित स्वच्छता सुविधाएँ

उपलब्ध कराकर, इन रोगों की रोकथाम की जा सकती है, तथा कइयों को मरने से बचाया जा सकता है।

किसी भी देश के निर्माण तथा विकास में वहाँ के विद्यार्थी वर्ग का विशेष योगदान होता है।अत: यदि मुझे स्वच्छ भारत अभियान से सहयोग देने के लिए कोई तीन कार्य करने के लिए कहा जाए तो मैं निम्न तीन कार्यों को चुनूँगा ।

1. अपने घर में हर संभव स्वच्छता का ख़याल रखूँगा। हर कार्य की शुरुआत घर से ही होती है अत:मैं अपने घर में सबसे पहले इसकी शुरुआत करना चाहूँगा मैं सबसे पहले अपने से स्वच्छता का ख्याल रखूँगा और घरवालों को भी इसके लिए प्रेरित करूँगा।
2. मैं जहाँ रहता हूँ उस इमारत के आस-पास की स्वच्छता की ओर मोहल्ले वालों का ध्यान आकर्षित करूँगा। मैं अपने इन विचारों का प्रचार और प्रसार करूँगा जिससे मेरे साथ अन्य लोग भी जुड़ें और इस अभियान में अपना सहयोग दें।
3. मैं जिस विद्यालय में पढ़ता हूँ वहाँ पर मैं अपनी कक्षा से इसकी शुरुआत करूँगा। मैं स्वयं न गंदगी होने दूँगा और न करने दूँगा। मैं अपनी कक्षा के सहपाठियों को इसका महत्त्व समझाऊँगा। इस अभियान में मैं अपनी कक्षा-अध्यापक की भी सहायता लूँगा जिससे सभी बच्चे इस अभियान में शामिल हो जाए।

इस तरह स्व च्छ ता की तरफ बढ़ाए गए ये छोटे से कदम पूरे भारत देश को स्वतच्छव बनाने में मदद करेंगें।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -

'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।'

जीवन में सफलता-असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय के अवसर मौसम के समान है, कभी कुछ स्थिर नहीं रहता। मनुष्य के जीवन में पल-पल परिस्थितियाँ बदलती रहती है। जीवन में कई बार असफलता का सामना करना पड़ता है। असफलता में निराश होने की बजाए उत्साह से कार्य किये जाये तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। अब्राहम लिंकन भी अपने जीवन में कई बार असफल हुए और अवसाद में भी गए, किन्तु उनके साहस और सहनशीलता के गुण ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ सफलता दिलाई। आशावान व्यक्ति के आगे भाग्य भी घूटने टेक देता है।

मुझे आज भी विद्यालय में हमारी शिक्षिका निर्मला वर्मा द्वारा इसी विषय पर सुनाई गई कहानी याद है। हुआ यूँ था कि हमारा फुटबॉल मैच था और हम सभी इसके लिए कुछ ज्यादा ही चिंतित थे। शिक्षिका ने जब हम सब बच्चों को इतना निरुत्साहित देखा तो उन्होंने हमें 1971 में हुए युद्ध की कहानी सुनाई कि किस तरह एक अकेले अफसर ने दुश्मनों से लोहा लिया। उस बहादुर अफसर ने दुश्मनों के दो विमानों को ध्वस्त कर दिया और बाकि बचे चार विमानों को लौटने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने हमें हरिवंशराय बच्चन की चींटी कविता वाली यह पंक्तियाँ भी बताई कि “लहरों के डर से नौका पार नही होती, कोशिश करने वालों की हार नही होती।”

उनकी इस कहानी और कविता की पंक्तियों ने हमारे अन्दर एक नए उत्साह का संचार हुआ और हम दुगुने उत्साह और उस अफसर को याद कर अपनी तैयारी में लग गए। जब भी खिलाड़ी एक-दूसरे से मिलते तो वे यही कहते थे कि नामुमकिन कुछ भी नहीं। खेल का दिन नजदीक आया गया और हम सबने तन-मन से खेल को न केवल खेला बल्कि अच्छे स्कोर से जीत भी लिया।

इस प्रकार कह सकते हैं कि यह उक्ति 'मन के हारे हार है मन के जीते जीत' पूर्णतया सत्य है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र पल्स पोलियो अभियान का लग रहा है। इस चित्र में पुरुष में एक नन्हें बच्चे को अपनी गोद में थाम रखा है और एक अधेड़ महिला उसे पोलियों की दवाई पिला रही है। पुरुष के कंधे पर उसका अन्य बालक, साथ में पास खड़ी बालिका और कार्ड हाथ में थामे उसकी पत्नी भी है। पोलियो ऐसी बीमारी है जिसका कोई उपचार नहीं हो सकता। इसे केवल मुँह द्वारा दिये जानेवाले वैक्सिन यानी ओपीवी से रोका जा सकता है। इस ओरल पोलियो वैक्सिन या ओपीवी का विकास 1961 में डॉ अल्बर्ट सैबिन ने किया था।

संयुक्त राष्ट्र ने 1988 में विश्व को पोलियो मुक्त करने का अभियान आरंभ किया था। भारत में दिल्ली सरकार में 1993 से 1998 तक स्वास्थ्य मंत्री रहने के दौरान डॉ हर्षवर्धन ने दिल्ली में पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत की थी। यह 1995 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना में शामिल होकर देशव्यापी अभियान में परिणत हुआ।

भारत का स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और रोटरी इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं ने इनमें अहम भूमिकाएँ निभायीं। इसके अलावा अनेक नेता, मंत्री, कलाकार, खिलाड़ी, नामचीन लोगों ने इसका प्रचार किया। इस दौरान 'दो बूंद जिंदगी की' वाकई एक मुहावरे की तरह सबकी जुबान पर रहता था। स्थानीय स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने भी इसमें भूमिका निभायीं और सामाजिक संगठनों ने भी। यदि पूरा देश इसमें एक होकर नहीं लगता, तो हम आज इस स्थिति में नहीं पहुँचते।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

28, नटेशन स्ट्रीट
विजय नगर
नई दिल्ली
दिनाँक : 15 अप्रैल, 20

सेवा में
मुख्य अधिकारी
नगर निगम
नई दिल्ली

विषय - अपने क्षेत्र की सड़कों की दुव्र्यवस्था

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं विजय नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, जिसमें पानी भर जाने की वजह से मच्छर बढ़ की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटना भी बढ़ने लगी है।

आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

किशोर सान्याल

2. रुपये मँगवाने के लिए पिताजी को पत्र लिखिए।

कमरा नं 221

छात्रावास

नव विद्या मंदिर

नई दिल्ली -110022

दिनाँक -3/05 /2013

पूज्य पिता जी

सादर प्रणाम

आपका पत्र प्राप्त हुआ। सभी की कुशलता जानकर प्रसन्नता हुई। मैं मन लगाकर पढ़ाई कर रहा हूँ। अर्धवार्षिक परीक्षा में मुझे 90 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मैं वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना चाहता हूँ। मुझे कुछ सहायक पुस्तकों की आवश्यकता है तथा अगले महीने शुल्क भी जमा करना है। इस सबके लिए मुझे 3000 रुपये की आवश्यकता है। आप कृपया उक्त राशि भिजवा दें। मैं पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखता हूँ। दीदी व माताजी को प्रणाम। शेष कुशल।

आपका पुत्र

अभिषेक

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गयी के जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकडियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता

था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा, तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, "भाइयो ! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।" नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकटठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बड़ा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोड़ा। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम मे पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है। मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

1. नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था?

   उत्तर : नगर में यह अफवाह फैल गई थी कि जंगल में एक 'घंटाकरण नाम भूत रहता है। उसके कान घंटे के समान हैं। जब वह हिलता है, तो उसके कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह का कारण यह था कि एक बंदर के हाथ में घंटा आ गया था। जब वह हिलता है, तो उसके कानो से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह का कारण यह था कि एक बंदर के हाथ में घंटा आ गया था। जब

वह उसे बजाता था, तो लोगों को घंटाकरण भूत का भ्रम हो जाता था।

2. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पडा?

उत्तर : जंगल किसी कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया था। नगर निवासी भयभीत हो गए थे। लकडहारे जंगल से लकडी नहीं लाते थे और चरवाहे पशुओं को चराने वहाँ नहीं जाते थे, इस प्रकार से सारे आवश्यक कार्य ठप्प हो गए थे।

3. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए?

उत्तर : राजा की चिंता का यह कारण था कि जंगल से होने वाली हजारों रुपए की सालाना आमदनी बंद हो गई थी। भयवश कोई भी जंगल में नहीं जाता था तथा जंगल के सारे कार्य रुक गए थे।

जंगल से भूत को भगाने के लिए मुस्लिमों ने कुरान का पाठ किया, पीर-पैगंबर को मनाया गया, भैरों तथा काली माता को भी मनाया गया, जादू-टोना किया गया, पर कोई भी सफल न हुआ। पंडितों ने चंडी कर जाप तथा हनुमान चालीसा का पाठ किया।

4. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई?

उत्तर : चतुर मनुष्य का स्पष्ट मत था कि जंगल में कोई भूत हो ही नहीं सकता, क्योंकि भूत केवल कल्पना में होते हैं। उसका अनुमान था कि या तो यह किसी डाकू का षडयंत्र है या फिर किसी बंदर के हाथ में घंटा आ गया है। उसने साधु के वेश में जंगल में जाकर

बंदर की बात को सत्य पाया। उसने बहुत सारे चने ले जाकर जंगल में बिखेर दिए। जब बंदर चने खाने लगे, तो उसने घंटा उठा लिया और नगरवासियों को भूत के भ्रम से मुक्ति दिलाई।

5. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली?

उत्तर : प्रस्तुत गद्यांश से हमें यह शिक्षा मिली कि हमें अंधविश्वासी नहीं होना चाहिए। जनता में जागरूकता लानी चाहिए ताकि वे ऐसे अंध विश्वास से बचे।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - कुल - कुलीन
   - वर्ष - वार्षिक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - आँख - दृग, लोचन,
   - गृह - धर, सदन

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - उपकार - अपकार
   - कृतज्ञ - कृतध्न

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - ईमान - ईमानदारी
   - अहं - अहंकार

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
मन नहीं लगना, राहत की साँस लेना
   1. विद्यार्थी ने किताब खोली, पर पढ़ने में उसका <u>मन नहीं लग रहा था।</u>
   2. सालभर की आय पर ईमानदारी से आयकर भरकर रमेश ने <u>राहत की साँस ली</u>।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
   1. पढ़ने-लिखने में अमर इतना तेज नहीं था। (तेज के स्थान पर मंदबुद्धि का प्रयोग कीजिए)
      उत्तर : पढ़ने-लिखने में अमर मंदबुद्धि नहीं था।

   2. अब बच्चे घर पहुँचे। (वचन बदलिए)
      उत्तर : अब बच्चा घर पहुँचा।

   3. कल आप कहाँ गया था। (वाक्य शुद्ध कीजिए)
      उत्तर : कल आप कहाँ गए थे।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहले तो रसीला छिपाता रहा।फिर रमजान ने कहा, "कोई बात नहीं है,तो खाओ सौगंध।"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. उपर्युक्त वाक्य के वक्ता तथा श्रोता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य का वक्ता ज़िला मजिस्ट्रेट शेख सलीमुद्दीन का चौकीदार मियाँ रमजान हैं और वक्ता उनके पड़ोसी इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर रसीला है। दोनों बड़े ही अच्छे मित्र थे।

2. वक्ता श्रोता को सौगंध खाने के लिए क्यों कहता है? [2]

उत्तर : एक दिन रमजान ने रसीला को बहुत ही उदास देखा। रमजान ने अपने मित्र रसीला की उदासी का कारण जानना चाहा परंतु रसीला उससे छिपाता रहा तब रमजान ने उसकी उदासी का कारण जानने के लिए उसे सौगंध खाने के लिए कहा।

3. श्रोता की उदासी का कारण क्या था? [3]

उत्तर : श्रोता रसीला का परिवार गाँव में रहता था। उसके परिवार में बूढ़े पिता, पत्नी और तीन बच्चे थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था और रसीला को मासिक तनख्वाह मात्र दस रुपए मिलती थी पूरे पैसे भेजने के बाद भी घर का गुजारा नहीं हो पाता था उसपर गाँव से ख़त आया था कि बच्चे बीमार है पैसे भेजो। रसीला के पास गाँव भेजने के लिए पैसे नहीं थे और यही उसकी उदासी का कारण था।

4. वक्ता ने श्रोता की परेशानी का क्या हल सुझाया? [3]

उत्तर : वक्ता ने श्रोता की परेशानी का यह हल सुझाया कि वह सालों से अपने मालिक के यहाँ काम कर रहा है तो वह अपने मालिक से कुछ रुपए पेशगी के क्यों नहीं माँग लेता।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions thatfollow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“लेकिन भाई ! एक बात समझ नहीं आई।” हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, “नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?”

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से क्या तात्पर्य है? [2]

   उत्तर : प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से तात्पर्य नेताजी के बार-बार बदलने वाले फ्रेम से है। मूर्तिकार ने नेताजी की मूर्ति बनाते समय चश्मा नहीं बनाया था। नेताजी बिना चश्मे के यह बात एक गरीब देशभक्त चश्मेवाले कैप्टन को पसंद नहीं आती थी इसलिए वह नेताजी की मूर्ति पर उसके पास उपलब्ध फ्रेमों से एक फ्रेम लगा देता था।

2. मूर्तिकार कौन था और उसने मूर्ति का चश्मा क्यों नहीं बनाया था? [2]

   उत्तर : मूर्तिकार उसी कस्बे के स्थानीय विद्यालय का मास्टर मोतीलाल था। मूर्ति बनाने के बाद शायद वह यह तय नहीं कर पाया होगा कि पत्थर से पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाये या फिर उसने पारदर्शी चश्मा बनाने की कोशिश की होगी मगर उसमें असफल रहा होगा।

3. कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। [3]

   उत्तर : पानवाले ने कैप्टन को लँगड़ा तथा पागल कहा है। जो कि अति गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण वक्तव्य है। कैप्टन में एक सच्चे देशभक्त के वे सभी गुण मौजूद हैं जो कि पानवाले में या समाज के अन्य किसी वर्ग में नहीं है। वह भले ही लँगड़ा है पर उसमें इतनी शक्ति है कि वह कभी भी नेताजी को बग़ैर चश्मे के नहीं रहने देता है। अत: कैप्टन पानवाले से अधिक सक्रिय तथा विवेकशील तथा देशभक्त है।

4. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? [3]

उत्तर : चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं रहा परन्तु चश्मेवाला एक देशभक्त नागरिक था। उसके हृदय में देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान था। वह अपनी ओर से एक चश्मा नेताजी की मूर्ति पर अवश्य लगाता था उसकी इसी भावना को देखकर लोग उसे कैप्टन कहते थे।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अजी ये पहाड़ी बड़े शैतान होते हैं। बच्चे-बच्चे में अवगुण छिपे रहते हैं-आप भी क्या अजीब हैं उठा लाए कहीं से-लो जी यह नौकर लो।"

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. उपर्युक्त अवतरण में किस की बात की जा रही है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण में एक दस-बारह वर्षीय पहाड़ी बालक की बात की जा रही है।

2. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन के वक्ता लेखक के वकील मित्र हैं और साथ ही होटल के मालिक भी हैं।

3. लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास क्यों ले गए? [3]

उत्तर : लेखक को रास्ते में एक दस-बारह वर्षीय बालक मिला जिसके पास कोई काम और रहने की जगह नहीं थी। लेखक के एक वकील मित्र थे जिन्हें अपने होटल के लिए एक नौकर की आवश्यकता थी इसलिए लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास ले गए।

4. वकील साहब उस बच्चे को नौकर क्यों नहीं रखना चाहते थे? [3]

उत्तर : वकील उस बच्चे को नौकर इसलिए नहीं रखना चाहते थे क्योंकि वे और लेखक दोनों ही उस बच्चे के बारे में कुछ जानते नहीं थे। साथ ही वकील साहब को यह लगता था कि पहाड़ी बच्चे बड़े शैतान और अवगुणों से भरे होते हैं। यदि उन्होंने ने किसी ऐरे गैरे को नौकर रख लिया और वह अगले दिन वह चीजों को लेकर चंपत हो गया तो। इस तरह भविष्य में चोरी की आशंका के कारण वकील साहब ने उस बच्चे को नौकरी पर नहीं रखा।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जाके प्रिय न राम वैदेही
तजिए ताहि कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही।
सो छोड़िये
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषन बंधु, भरत महतारी।
बलिगुरु तज्यो कंत ब्रजबनितन्हि, भये मुद मंगलकारी।
नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहां लौं।
अंजन कहां आंखि जेहि फूटै, बहुतक कहौं कहां लौं।
तुलसी सो सब भांति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो।
जासों हाय सनेह राम-पद, एतोमतो हमारो।।

कविता - विनय के पद

कवि - तुलसीदास

1. कवि के अनुसार हमें किसका त्याग करना चाहिए? [2]

उत्तर : कवि के अनुसार जिन लोगों के प्रिय राम-जानकी जी नहीं है उनका त्याग करना चाहिए।

2. उदाहरण देकर लिखिए किन लोगों ने भगवान के प्यार में अपनों को त्यागा। [2]

उत्तर : प्रह्लाद ने अपने पिता हिरण्यकशिपु को, विभीषण ने अपने भाई रावण को, बलि ने अपने गुरु शुक्राचार्य को और ब्रज की गोपियों ने अपने-अपने पतियों को भगवान प्राप्ति को बाधक समझकर त्याग दिया।

3. जिस अंजन को लगाने से आँखें फूट जाएँ क्या वो काम का होता है? [3]

उत्तर : नहीं जिस अंजन को लगाने से आँखें फूट जाएँ वो किसी काम का नहीं होता है।

4. उपर्युक्त पद द्वारा तुलसीदास क्या संदेश दे रहे हैं? [3]

उत्तर : उपर्युक्त पद द्वारा तुलसीदास श्री राम की भक्ति का संदेश दे रहे है। तथा भगवान प्राप्ति के लिए त्याग करने को भी प्रेरित कर रहे हैं।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय॥
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।

ताते ये चाकी भली,पीस खाय संसार॥
सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बरनाय।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय।।

कविता - साखी

कवि - कबीरदास

1. 'पाहन पूजे हरि मिले' - दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : इस दोहे द्वारा कवि ने मूर्ति-पूजा जैसे बाह्य आडंबर का विरोध किया है। कबीर मूर्ति पूजा के स्थान पर घर की चक्की को पूजने कहते है जिससे अन्न पीसकर खाते है।

2. "ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय" - पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में कबीरदास ने मुसलमानों के धार्मिक आडंबर पर व्यंग्य किया है। एक मौलवी कंकड़-पत्थर जोड़कर मस्जिद बना लेता है और रोज़ सुबह उस पर चढ़कर ज़ोर-ज़ोर से बाँग (अजान) देकर अपने ईश्वर को पुकारता है जैसे कि वह बहरा हो। कबीरदास शांत मन से भक्ति करने के लिए कहते हैं।

3. कबीर की भाषा पर टिप्पणी कीजिए कीजिए। [3]

   उत्तर : कबीर साधु-सन्यासियों की संगति में रहते थे। इस कारण उनकी भाषा में अनेक भाषाओँ तथा बोलियों के शब्द पाए जाते हैं। कबीर की भाषा में भोजपुरी, अवधी, ब्रज, राजस्थानी, पंजाबी, खड़ी बोली, उर्दू और फ़ारसी के शब्द घुल-मिल गए हैं। अत: विद्वानों ने उनकी भाषा को सधुक्कड़ी या पंचमेल खिचड़ी कहा है।

4. शब्दों के अर्थ लिखिए : [3]

- पाहन - पत्थर
- पहार - पहाड़
- मसि - स्याही
- बनराय - वन
- काँकर - कंकड़
- खुदाय - ईश्वर

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गति प्रबल पैरों में भरी
फिर क्यों रहूँ दर दर खड़ा
जब आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पड़ा
जब तक न मंज़िल पा सकूँ,
तब तक मुझे न विराम है, चलना हमारा काम है।
कुछ कह लिया, कुछ सुन लिया
कुछ बोझ अपना बँट गया
अच्छा हुआ, तुम मिल गईं
कुछ रास्ता ही कट गया
क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. कवि के पैरों में कैसी गति भरी पड़ी है? [2]

उत्तर : कवि के पैरों में प्रबल गति भरी पड़ी है।

2. कवि दर-दर क्यों खड़ा नहीं होना चाहता? [2]

उत्तर : कवि के पैरों में प्रबल गति है, तो फिर उसे दर-दर खड़ा होने की क्या आवश्यकता है।

3. कवि का रास्ता आसानी से कैसे कट गया? [3]

उत्तर : कवि को रस्ते में एक साथिन मिल गई जिससे उसने कुछ कह लिया और कुछ उसकी बातें सुन लीं जिसके कारण उसका बोझ कुछ कम हो गया और रास्ता आसानी से कट गया।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- गति - चाल
- प्रबल - रफ्तार
- विराम - आराम
- मंज़िल - लक्ष्य
- रास्ता - मार्ग
- बोझ - भार

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभारा है, उसकी लपटों में साथी तो स्वाहा हो गए! उसके घेरे से तू क्यों बचना चाहता है? अच्छी तरह समझ ले, ये तेरी आहुति लिए बिना शांत न होगा।

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने उत्तर दिया कि वह सभी बातों को भली-भाँति जानता है लेकिन वह थककर चूर हो चुका है। उसकी सेना भी तितर-बितर हो गई है, उसका कवच फट गया है और उसके सारे शस्त्रास्त्र चूक गए हैं। उसे समय चाहिए और उसने भी पांडवों को तेरह वर्ष का समय दिया था।

2. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन भीम का है। प्रस्तुत कथन का संदर्भ दुर्योधन को सरोवर से बाहर निकालने का है। दुर्योधन महाभारत के युद्ध में घायल हो जाता है और भागकर द्वैतवन के सरोवर में छिप जाता है। वह उसमें से बाहर नहीं निकलता है। तब उसे सरोवर से बाहर निकालने के लिए भीम उसे उपर्युक्त कथन कहकर ललकारता है।

3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने उत्तर दिया कि वह सभी बातों को भली-भाँति जानता है लेकिन वह थककर चूर हो चुका है। उसकी सेना भी तितर-बितर हो गई है, उसका कवच फट गया है और उसके सारे शस्त्रास्त्र चूक गए हैं। उसे समय चाहिए और उसने भी पांडवों को तेरह वर्ष का समय दिया था।

4. 'घृत देकर उभारा है' से क्या तात्पर्य है स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : घृत उभारा है से तात्पर्य दुर्योधन की ईर्ष्या से है। भीम दुर्योधन से कहता है कि वर्षों से तुमने इस ईर्ष्या का बीज बोया है तो

अब फसल तो तुम्हें ही काटनी होगी। कितनों को उसने इस ईर्ष्या रूपी अग्नि में जलाया है लेकिन आज स्वयं उन आग की लपटों से बचना चाहता है।

Q. 12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी,बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे, जीवन का प्रवाह होगा, उमंगों की लहरें होंगी, जो उठने में गीत गाएँगी, गिरने में नाच नाचेंगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. यहाँ किसे पहाड़ कहा गया है? क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ धाय माँ पन्ना को पहाड़ कहा गया है क्योंकि उनमें ईमानदारी और देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी है। जैसे एक पहाड़ अपने देश की सुरक्षा करता है वैसे ही पन्ना धाय भी अपने स्वर्गीय राजा के उत्तराधिकारी कुँवर उदय सिंह की रक्षा के लिए पहाड़ बनकर खड़ी है।

2. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा? इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन रावल सरूप सिंह की पुत्री सोना ने धाय माँ पन्ना से कहा। इसका अर्थ यह है कि धाय माँ पन्ना बनवीर सिंह के साथ मिल जाए तथा अपने कर्तव्य कुँवर उदयसिंह की रक्षा से मुँह मोड़ ले।

3. 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' का क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है।

4. दीपदान उत्सव का आयोजन किसने और क्यों किया? [3]

उत्तर : दीपदान उत्सव उत्सव का आयोजन महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर ने किया जिसे राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया था। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा।

अरे, खड़ी-खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रहो हो? अन्दर जाकर तैयारी क्यों नहीं करती है? बहू की विदा नहीं करनी है क्या?

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता का क्या अभिप्राय है? [2]

उत्तर : 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता जीवन लाल का यह अभिप्राय है कि बहू भी बेटी होती है और इस बात का उन्हें अहसास हो गया है।

2. वक्ता की बेटी के ससुराल वालों के किस काम से उनकी आँखें खुलीं? [2]

उत्तर : वक्ता जीवन लाल अपनी बेटी गौरी के ससुरालवालों को दहेज देने के बावजूद उसके ससुराल वालों ने उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल की आँखें खुलीं।

3. उपर्युक्त कथन का श्रोता और उसकी बहन पर क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन को सुनकर प्रमोद मुस्करा कर अपने जीजा रमेश की ओर देखने लगा तथा उसकी बहन कमला खुशी के आँसू पोंछती हुई अंदर चली गई।

4. क्या स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है? अपने विचार लिखिए। [3]

उत्तर : जी हाँ, स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है। शिक्षा से बेटियाँ खुद आत्मनिर्भर बनेंगी। समाज में बेटा-बेटी का फर्क मिट जाएगा तथा वे अपने अधिकार एंव अत्याचारों के प्रति सजग रहेंगी।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब लड़का लड़की को देखने आए तो यह समय एक परीक्षा का समय होता है। लड़की के मन में एक अन्तर्द्वन्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेगी या नहीं।

1. दयाराम के घर तैयारियाँ क्यों चल रही थी? [2]

उत्तर : दयाराम की बेटी मीनू का फोटो लड़के वालों को पसंद आ गया था और वे आज लड़की को देखने आने वाले थे इसलिए दयाराम के घर तैयारियाँ चल रही थी।

2. दयाराम के घर की तैयारी का वर्णन कीजिए। [2]

उत्तर : घर की सारी चीजें झाड़ पोंछकर यथा स्थान लगा दी गई थीं। अपनी हैसियत के अनुसार बैठक के कमरे को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया था। घर में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के अलावा बाज़ार से भी कई प्रकार की मिठाईयाँ लाई गई थीं। सब बेसब्री से मेहमानों का इंतजार कर रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके घर कोई देवता आने वाले हैं।

3. किसके मन में क्यों अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था? [3]

उत्तर : मीनू के मन में लड़के वालों को लेकर अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था। मीनू साधारण सी सांवली लड़की थी और इस रिश्ते से पूर्व अनेक बार अपने रंग के कारण ठुकराई जा चुकी थी और वैसे भी लड़का लड़की देखते समय लड़की के मन में यह अन्तर्द्वन्द्व तो चलता ही रहता है कि क्या वह इस परीक्षा को पास कर लेगी।

4. आशा कौन है? [3]

उत्तर : आशा मीनू की छोटी बहन है। वह दिखने में अपनी बहन मीनू से कई ज्यादा सुंदर थी।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके ह्रदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

आप समाज की इतनी चिंता क्यों करते हैं? क्या करता है यह समाज हमारे लिए?

1. घर में सभी लोग पोस्ट मैन का इंतजार क्यों कर रहे थे? [2]

उत्तर : मीनू को देखने के लिए लड़के वाले आए थे और उन्होंने घर जाकर पत्र के द्वारा रिश्ते की हाँ या ना का जवाब भेजने को कहा था। इसलिए घर के सभी सदस्य पोस्ट मैन का इंतजार कर रहे थे।

2. मेरठ से क्या जवाब आया? [2]

उत्तर : मेरठ से यह ज़वाब आया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन आशा पसंद है यदि वे अपनी छोटी बेटी का विवाह अपनी बड़ी बेटी के विवाह से पहले अमित से करवाने के लिए राजी हैं तो बात आगे बढ़ सकती है।

3. मीनू के क्या निर्णय लिया? [3]

उत्तर : मेरठ से जब मीनू के रिश्ते के बदले उसकी छोटो बहन का प्रस्ताव आया तो मीनू यह बात अच्छे से समझ गई कि उसे नापसंद किया गया है उसमें हीन भावना और बढ़ गई और उसने निर्णय ले लिया कि वह विवाह नहीं करेगी।

4. उपर्युक्त कथन का उद्धेश्य स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : मीनू ने जब अपने विवाह न करने का निर्णय लिया और अपने पिता से कहा कि वे छोटी बहन का रिश्ता अमित के साथ कर दें। इस पर पिताजी गुस्सा हो जाते हैं और मीनू से कहते हैं कि उन्हें इस बात पर समाज क्या कहेगा। तब मीनू इस बात का उत्तर देते हर प्रस्तुत कथन कहती है कि वे किस समाज की बात कह रहे हैं। यह वही समाज है जो इस प्रकार की परिस्थिति उनके सामने उपस्थित कर रहा है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि कई बार समाज के कारण ही हमें कई अनचाहे निर्णय लेने पड़ते हैं।

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections; ***Section A*** *and* ***Section B.***

Attempt ***All*** *the questions from* ***Section A.***

Attempt any ***four*** *questions from* ***Section B****, answering at least* ***one*** *question each from the* ***two*** *books you have studied and any* ***two*** *other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. भ्रष्टाचार ने भयानक रोग की तरह हमारे समाज को खोखला कर रहा है इस आधार पर 'भ्रष्टाचार मुक्त समाज' पर अपने विचार प्रकट कीजिए। भ्रष्टाचार अर्थात् भ्रष्ट + आचार। भ्रष्ट यानी बुरा या बिगड़ा हुआ तथा आचार का मतलब है आचरण। अर्थात् भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो। आज भारत में ऐसे कई व्यक्ति मौजूद हैं जो भ्रष्टाचारी है।

आज हम अपने चारों ओर भ्रष्टाचार के अनेक रुप देख सकते हैं जैसे रिश्वत, काला-बाजारी, जान-बूझकर दाम बढ़ाना, पैसा लेकर काम करना, सस्ता सामान लाकर महँगा बेचना आदि।

'भष्ट्राचार की लगी अगन है,
जिसने कर दिया मूल्यों का दहन है।'

भ्रष्टाचार ने भयानक रोग की तरह हमारे समाज को खोखला कर दिया है। आज के आधुनिक युग में व्यक्ति का जीवन अपने स्वार्थ तक सीमित होकर रह गया है। प्रत्येक कार्य के पीछे स्वार्थ प्रमुख हो गया है। असमानता, आर्थिक, सामाजिक या सम्मान, पद-प्रतिष्ठा के कारण भी व्यक्ति अपने आपको भ्रष्ट बना लेता है। भारत के अंदर तो भ्रष्टाचार का फैलाव दिन-भर-दिन बढ़ रहा है।

भष्ट्राचार को तीन प्रमुख वर्गो में विभक्त कर सकते हैं : राजनीतिक, प्रशासनिक और व्यावहारिक। आज सरकारी व गैरसरकारी विभाग से लेकर शिक्षा के मंदिर माने जाने वाले स्कूल व कॉलेज भी इस भ्रष्टाचार से अछूते नहीं है। भ्रष्टाचार हमारे नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है।

भ्रष्टाचार के कारण भारतीय संस्कृति का पतन हो रहा है। भ्रष्टाचार दूर करने के लिए हमें शिक्षण द्वारा व्यक्ति के मनोबल को उँचा उठाना होगा। सबके लिए उचित रोज़गार की तक उपलब्ध करानी होगी। समाज में विभिन्न स्तरों पर फैले भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर दंड-व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपने को इस भ्रष्टाचार से बाहर निकालना होगा। हमें प्रशासन व शासन की व्यवस्था को पूरी तरह स्वच्छ व पारदर्शी बनाना होगा।

2. स्वास्थ्य मानव का अमूल्य धन है इस आधार पर 'स्वास्थ की रक्षा' किस प्रकार की जाए इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।

स्वास्थ्य मानव का अमूल्य धन है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को चुस्त, फुर्तीला और स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। मनुष्य के जीवन में आरंभ से ही व्यायाम का

महत्त्व रहा है। व्यायाम से जहाँ स्वास्थ्य बढ़ता है, वहीं शारीरिक सुंदरता भी बढ़ती है। मनुष्य को चाहिए कि वह नियमित रूप से व्यायाम करे। ऐसा करने से शरीर में रक्त-संचार सही रहता है, स्फूर्ति तथा उत्साह भी बढ़ता है। इसके साथ ही मनुष्य को अपने आहार, खान-पान में भी ध्यान रखना चाहिए। उसे चाहिए कि वह रोज संतुलित भोजन करे। उसके आहार में सभी पोषक तत्व हो। भोजन में यदि पोषक तत्व न होगें तो हमारा शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है। वैसे भी कहा जाता है जैसा हम भोजन करते हैं हम वैसा बनते हैं। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को खान-पान और आहार के साथ नियमित व्यायाम करते हुए अपने स्वास्थ्य की और ध्यान देना चाहिए।

3. आज विज्ञापन हमारी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है इस आधार पर विज्ञापन की दुनिया के हानि-लाभ की चर्चा करते हुए प्रस्ताव लिखें।

   आज के युग में विज्ञापनों का महत्त्व स्वयंसिद्ध है। आज विज्ञापन हमारी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है, सुबह आँख खुलते ही अख़बार में सबसे पहले नज़र विज्ञापन पर ही जाती है। जूते से लेकर रूमाल तक हर चीज विज्ञापित हो रही है। विज्ञापन अपने छोटे से संरचना में बहुत कुछ समाए होते है। वह बहुत कम बोलकर भी बहुत कुछ कह जाते है। विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। निर्माता कंपनियों के लिए यह लाभकारी है। विज्ञापन अनेक प्रकार के होते हैं। सामाजिक व्यावसायिक आदि।

   विज्ञापन के लाभ की बात करें तो हम यह कह सकते हैं कि आज विज्ञापन ने हमारे जीवनस्तर को ही बदल डाला है। आज विज्ञापन के लिए विज्ञापनगृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गई हैं। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। कोई भी विज्ञापन टीवी पर प्रसारित होते ही वह हमारे जेहन में छा जाता है और हम उस उत्पाद के प्रति खरीदने को लालयित हो जाते है।बाज़ार में आई नई वस्तु की जानकारी देता है। परंतु

इस विज्ञापन पर होनेवाले खर्च का बोझ अप्रत्यक्ष रुप से खरीददार पर ही पड़ता है। विज्ञापन के द्वारा उत्पाद का इतना प्रचार किया जाता है कि लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे उत्पादों का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। इन विज्ञापनों में सत्यता लाने के लिए बड़े-बड़े खिलाड़ियों और फ़िल्मी कलाकारों को लिया जाता है। हम इन कलाकारों की बातों को सच मानकर अपना पैसा पानी की तरह बहाते हैं। विज्ञापन हमारी सहायता अवश्य कर सकते हैं परन्तु कौन-सा उत्पाद हमारे काम का है या नहीं ये हमें तय करना चाहिए।

विज्ञापन से अनेक लोगों को रोजगार भी मिलता है। यह रोजगार एक विज्ञापन की शूटिंग में स्पॉट ब्वायज से लेकर बाजार में सेल्समेन तक उपलब्ध हो जाता है। अगर कोई कंपनी बाहरी देशों के लिए विज्ञापन बनाती है तो उसे विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जिससे देश की विदेशी मुद्रा कोष में इजाफा होता है और देश की आर्थिक स्थिति बेहतर बनती है। विज्ञापन के लाभ व हानि दोनों है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसका लाभ किस तरह ले और हानि से कैसे बचे।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :
“मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना”

“मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना”

यह कवि इकबाल द्वारा लिखी गई पंक्तियाँ है। यह पंक्तियाँ उन्होंने साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने के उद्देश्य से लिखा था। आज लेकिन परिवेश बदलता जा रहा है। लोग धर्म और जाति के नाम पर इंसानों को आपस में बाँट रहे हैं। बिना वजह दूसरों की बातों में आकर दंगे और फसादों में शामिल होकर स्वयं का ही नुकसान करते हैं।

इसी पर आधारित यह छोटी-सी कहानी है कि एक गाँव में दो मित्र की दोस्ती के बड़े चर्चे थे। उनके नाम थे अमर और असीम। एक हिंदू था और एक मुसलमान। दोनों में बचपन से ही बड़ा प्यार था। उनके घरवालों ने कई बार उनकी दोस्ती पर आपत्ति दिखाई पर इन्होंने किसी की न सुनी।

दोनों बड़े होकर अपने घरवालों का कारोबार सँभालने लगे। एक दिन गाँव में कुछ राजनैतिक कारणों तथा आपसी मतभेद से हिंदू तथा मुसलमानों में मनमुटाव हो गया। लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए। अचानक किसी ने अली के घर आग लगा दी। अमर ने जैसे ही सुना वह अपने दोस्त की मदद के लिए भागा परंतु सभी ने उसे रोकने का प्रयास किया कि यदि वह वहाँ जाएगा तो वे लोग तुम्हें मार देंगे। लेकिन अमर ने किसकी नहीं सुनी और अली के घर, परिवार और सामान को जलने से बचा दिया। फिर दोनों ने मिलकर गाँव वालों को समझाया कि - 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना'।

दुनिया के सभी मजहब आपस में प्यार मोहब्बत और भाई चारे की शिक्षा देते है। सभी धर्मग्रंथ भी मानवता और आपसी प्यार की ही शिक्षा देते हैं। दान-धर्म एवं जरूरत मंदों की सहायता करना मानो यह तो सभी धर्मों का संदेश है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करना चाहिए परंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारा देश धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक सिद्धांत का पालन करते हुए सभी मतों का आदर एवं सन्मान करता है। आज विश्व में धर्म के नाम पर खून खराबा हो रहा है। कुछ लोग अपने व्यक्तिगत एवं राजनैतिक फायदे के लिए भोले-भाले लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करते है।

आज भी हम देश में कई ऐसे स्थान देख सकते हैं जहाँ जाति-पाति को लेकर कोई झगड़ा नहीं है सभी लोग मिलजुलकर एक साथ सभी धर्मों के त्योहार और खुशियों में शामिल होते हैं। हमें इस प्रकार की खबरों को को देश के कोने कोने तक पहुँचाना चाहिए जिससे लोग अपनी संकुचित धार्मिक और जातीय विचारधाराओं से ऊपर उठे और देश के हित में काम करें। और कवि इकबाल की पंक्तियों को हमेशा याद रखें।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र जनसंख्या विस्फोट से संबंधित है। चित्र में हमें लोग ही लोग दिखाई दे रहे हैं। यहाँ पर धरती लोगों के बोझ तले दब गई है और रो रही है। ये चित्र हमें आने वाले खतरे की ओर संकेत कर रहा है कि यदि इसी तरह जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो लोगों की आने वाले दिनों में अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा।

बढ़ती हुई जनसँख्या हमारे देश में एक विकराल रूप लेती जा रही है। किसी जी देश की जनसंख्या यदि उस देश के संसाधनों की तुलना में अधिक हो जाती है तो वह देश पर अनचाहा बोझ बन जाती है। जनसंख्या बढ़ने से जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएँ - भोजन, वस्त्र और मकान भी पूरे नहीं पड़ते।

बढ़ती हुई जनसँख्या किस तरह से संसाधनों को निगलती जा रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है बढ़ती हुई महँगाई। बढ़ती जनता को रोजगार देने के लिए, जंगलों को खत्म करने के बाद बढता औद्योगिकरण अब हमारे गाँव में पैर पसार रहा है! फलस्वरूप कम्पनियों की फैक्ट्रियों अब गाँव की शुद्ध जलवायु में जहर घोल रही है वहाँ की उपजाऊ जमीन पर बसी फैक्ट्री अब गेहूँ के दाने नहीं वो काँच के गोलियाँ पैदा कर रही है! आबादी बढ़ने से

स्थिति और भी अधिक भयावह हो जाएगी, तब जलापूर्ति, आवास, परिवहन, गंदे पानी का निकास, बेरोजगारी का अतिरिक्त भार, महँगाई, बिजली जैसी आधारभूत संरचना पर अत्यधिक दबाव पड़ता नजर आएगा। सरकार को चाहिए कि वो कुछ गंभीर और सख्त नियम बनाए। जिससे जनसँख्या नियंत्रित की जा सके। आज जनसंख्या के मामले मे राष्ट्र को सही शिक्षा देने की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा, राष्ट्र की सबसे सस्ती सुरक्षा मानी जाती रही है। जन जागरण अभियान, पुरुष नसबंदी, गर्भ निरोधक गोलियाँ, देर से विवाह जनसंख्या को रोकने के उपाय है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. परीक्षा में असफल होने पर मित्र को सांत्वना पत्र लिखिए।

नरेश शर्मा
12-बी, जवाहर नगर
दिल्ली - 110007

प्रिय सागर
नमस्ते
तुम्हारा पत्र मिला। पत्र पढ़कर बहुत दुख हुआ, मैं सपने में भी नहीं सोच सकता था कि तुम जैसा मेधावी छात्र कभी परीक्षा में असफल होगा। अब अफ़सोस करने से अच्छा है कि तुम अधिक परिश्रम करो। बीते समय पर पछताना व्यर्थ है। ठोकर पाकर ही मनुष्य सभँलता है। असफलता से ही सफलता की ओर बढ़ता है। अपनी दिनचर्या में पढ़ाई का समय बढ़ाओ तथा पढ़ने में मन लगाओ। वार्षिक परीक्षा के लिए समय-सारिणी बनाकर हर विषय पर उचित ध्यान दो।
मुझे आशा है कि तुम बहुत अच्छे अंक प्राप्त कर सकोगे।
तुम्हारा मित्र
नरेश

2. अपने मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायत करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए :

संगीता खरे
45, शिवनेरी
शाहूनगर, खासबाग मैदान
कोल्हापुर
दिनाँक : 10 जुलाई 2015

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी
नगर परिषद
कोल्हापुर
विषय : मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायती पत्र।
माननीय महोदय,
सविनय निवेदन है कि पिछले एक सप्ताह से हमारे मोहल्ले में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नहीं आई है, जिसके कारण सर्वत्र कूड़े के ढेर फैले हुए हैं। भयंकर गंदगी चारों ओर फैली हुई है और दुर्गन्ध के मारे साँस लेना भी दूभर होगया है, साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। बरसात के कारण तो स्थिति और भी बुरी हो गई है सारा कूड़ा सड़क तक फ़ैल चूका है।
अतः आपसे निवेदन है कि जितनी जल्दी हो सके हमें इस गंदगी से छुटकारा दिलाएँ।
धन्यवाद
भवदीय
संगीता खरे

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था। काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या में सम्मिलित निर्भीक महान देशभक्त व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहम् स्थान रखता है।

आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। मां जगरानी से काशी में संस्कृत पढ़ने की आज्ञा लेकर घर से निकले। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया। उन्हें अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई। हर कोड़े की मार पर, 'वन्दे मातरम्' और 'महात्मा गाँधी की जय' का उच्च उद्घोष करने वाले बालक चन्द्रशेखर सीताराम तिवारी को इस घटना के पश्चात् सार्वजनिक रूप से चंद्रशेखर 'आज़ाद' कहा जाने लगा।

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

   उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था।

2. चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में किस से प्रभावित थे? दिसंबर 1921 में आज़ाद कौन-से आंदोलन में सहभागी हुए?

   उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

3. चंद्रशेखर गिरफ्तार हुए तब उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना परिचय कैसे दिया?

उत्तर : चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया।

4. चंद्रशेखर को मजिस्ट्रेट ने क्या सज़ा सुनाई?
   उत्तर : मजिस्ट्रेट ने अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई।

5. चंद्रशेखर को गिरफ्तार के किसके समक्ष उपस्थित किया गया?
   उत्तर : चंद्रशेखर को गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - दिन - दैनिक
   - माया - मायावी

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - भाग्य - किस्मत, प्रारब्ध
   - पवित्र - पावन, शुचि

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - साकार - निराकार
   - क्षणिक - शाश्वत
   - विस्तृत - संक्षिप्त
   - कीर्ति - अपकीर्ति

4. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित मुहावरा शब्द का प्रयोग करें : [1]

i. चार-चार रुपए में तो ये कलम <u>मिट्टी</u> के मोल बिक रहे हैं। (मिट्टी/पत्थर)

ii. जलेबियों को देखकर रामनारायण के <u>मुँह</u> में पानी भर आया। (आँख/मुँह)

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए। [1]

- एक - एकता
- उड़ना - उड़ान

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]

1. उसे अपने धर्म का अंग समझो। ('आप' का उपयोग कीजिए।)
   उत्तर : आप उसे अपने धर्म का अंग समझिए।
2. इन फूलों का रंग कितना निराला है। (वचन बदलिए।)
   उत्तर : इस फूल का रंग कितना निराला है।
3. शिवाजी महाराज के साहस की <u>तुलना नहीं की जा सकती</u>। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)
   उत्तर : शिवाजी महाराज का साहस अतुलनीय है।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बेनी माधव बाहर से आ रहे थे। दोनों भाईयों को गले मिलते देखकर आनंद से पुलकित हो गए और बोल उठे, बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं। बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं।"

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. आनंदी की शिकायत का क्या परिणाम हुआ? [2]

उत्तर : आनंदी का अपने देवर के साथ दाल में घी न डालने पर झगड़ा हो गया था और गुस्से में उसके देवर ने आनंदी पर खड़ाऊँ फेंककर दे मारी थी। आनंदी ने इस बात की शिकायत जब अपने पति श्रीकंठ से की तो वह गुस्से से आग-बबूला हो गया और पिता के सामने जाकर घर से अलग होने की बात कह डाली।

2. आनंदी को अपनी बात का पछतावा क्यों हुआ? [2]

उत्तर : आनंदी ने गुस्से में आकर अपने पति से शिकायत तो कर दी परंतु दयालु व संस्कारी स्वभाव की होने के कारण मन-ही-मन अपनी बात पर पछताने भी लगती है कि क्यों उसने अपने पर काबू नहीं रखा और व्यर्थ में घर में इतना बड़ा उपद्रव खड़ा कर दिया।

3. बेनी माधव ने ने आनंदी को बड़े घर की बेटी क्यों कहा? [3]

उत्तर : आनंदी का देवर जब घर छोड़कर जाने लगा तो स्वयं आनंदी ने आगे बढ़कर अपने देवर को रोक लिया और अपने किए पर पश्चाताप करने लगी। आनंदी ने अपने अपमान को भूलकर दोनों भाईयों में सुलह करवा दी थी। अत: बिगड़े हुए काम को बना देने के कारण बेनी माधव ने आनंदी को बड़े घर की बेटी कहा।

4. 'बड़े घर की बेटी' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : इस कहानी के माध्यम से लेखक ने स्पष्ट किया है कि किसी भी घर में पारिवारिक शांति और सामंजस्य बनाए रखने में घर की स्त्रियों की अहम् भूमिका होती है। घर की स्त्रियों अपनी समझदारी से टूटते और बिखरते परिवारों को भी जोड़ सकती है।

साथ की लेखक ने संयुक्त परिवारों की उपयोगिता को भी इस कहानी के माध्यम से सिद्ध किया है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"तुमसे अपराध होगा? यह क्या कह रही हो? मैं रोता हूँ, इसमें मेरी ही भूल है। प्रायश्चित करने का यह ढंग नहीं, यह मैं धीरे-धीरे समझ रहा हूँ, किंतु करूँ क्या? यह मन नहीं मानता।"

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता तथा श्रोता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता श्यामा एक विधवा, समझदार और चरित्रवान महिला है।

श्रोता रामनिहाल है। जो कि श्रोता के यहाँ ही रहता है।

2. श्रोता के वक्ता के बारे में क्या विचार हैं? [2]

उत्तर : श्रोता अर्थात् रामनिहाल के वक्ता श्यामा के बारे में बड़े उच्च विचार है।

रामनिहाल श्यामा के स्वभाव से अभिभूत है। वह जिस प्रकार से अपने वैधव्य का जीवन जी रही है। वह रामनिहाल की नज़र में काबिले तारीफ़ है। वह श्यामा की सहृदयता और मानवता के कारण उसे अपना शुभ चिंतक, मित्र और रक्षक समझता है।

3. क्या वाकई में वक्ता से कोई अपराध हो गया था? [3]

उत्तर : नहीं, वक्ता से कोई अपराध नहीं हुआ था।

रामनिहाल अपना सामान बांधें लगातार रोये जा रहा था। अत: वक्ता यह जानना चाह रही थी कि कहीं उससे तो कोई भूल नहीं हो गई जिसके कारण रामनिहाल इस तरह से रोये जा रहा था।

4. रामनिहाल के रोने का कारण क्या है? [3]

उत्तर : रामनिहाल को लगता है कि उससे कोई बड़ी भूल हो गई है और जिसका उसे प्रायश्चित करना पड़ेगा और इसी भूल के संदर्भ में वह रो रहा है।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पर बतलाने वालों ने बताया कि गरीब के मुँह पर छाती, मुट्ठियों और पैरों पर बर्फ की हल्की-सी चादर चिपक गई थी, मानो दुनिया की बेहयाई ढँकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफ़ेद और ठंडे कफ़न का प्रबंध कर दिया था।

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. यहाँ पर गरीब किसे और क्यों संबोधित किया गया है? [2]

उत्तर : यहाँ पर गरीब उस पहाड़ी बालक को संबोधित किया गया, जो कल रात ठंड के कारण मर गया था। उस बालक के कई भाई-बहन थे। पिता के पास कोई काम न था घर में हमेशा भूख पसरी रहती थी इसलिए वह बालक घर से भाग आया था यहाँ आकर भी दिनभर काम के बाद जूठा खाना और एक रूपया ही नसीब होता था।

2. लड़के की मृत्यु का क्या कारण था? [2]

उत्तर : लड़का अपनी घर की गरीबी से तंग आकर काम की तलाश में नैनीताल भाग कर आया था। यहाँ पर आकर उसे एक दुकान में काम मिल गया था परंतु किसी कारणवश उसका काम छूट जाता है

और उसके पास रहने की कोई जगह नहीं रहती है। उस दिन बहुत अधिक ठंड थी और उसके पास कपड़ों के नाम पर एक फटी कमीज थी इसी कारण उसे रात सड़क के किनारे एक पेड़ के नीचे बितानी पड़ी और अत्यधिक ठंड होने के कारण उस लड़के की मृत्यु हो गई।

3. 'दुनिया की बेहयाई ढँकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफ़ेद और ठंडे कफ़न का प्रबंध कर दिया था' - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय सामान्य जनमानस की संवेदन-शून्यता और स्वार्थ भावना से है। एक पहाड़ी बालक गरीबी के कारण ठंड से ठिठुरकर मर जाता है। परंतु प्रकृति ने उसके तन पर बर्फ की हल्की चादर बिछाकर मानो उसके लिए कफ़न का इंतजाम कर दिया। जिसे देखकर ऐसा लगता था मानो प्रकृति मनुष्य की बेहयाई को ढँक रही हो।

4. 'अपना अपना भाग्य' कहानी के उद्देश्य पर विचार कीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य आज के समाज में व्याप्त स्वार्थपरता, संवेदनशून्यता और आर्थिक विषमता को उजागर करना है। आज के समाज में परोपकारिता का अभाव हो गया है। निर्धन की सहायता करने की अपेक्षा सब उसे अपना-अपना भाग्य कहकर मुक्ति पा लेते हैं। हर कोई अपनी सामजिक जिम्मेदारी से बचना चाहता है। किसी को अन्य के दुःख से कुछ लेना-देना नहीं होता।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कलेजा माँ का, मैं संतान
करेगी दोषों पर अभिमान।

मातृ-वेदी पर हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।
सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार
कभी भी उस वेदी पर देव,
न होने दूँगी अत्याचार।
न होने दूँगी अत्याचार
चलो, मैं हो जाऊँ बलिदान।
मातृ-मंदिर में हुई पुकार, चढ़ा दो मुझको हे भगवान।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. 'कलेजा माँ का, मैं संतान करेगी दोषों पर अभिमान।' - का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : कवयित्री कहती है कि माँ का हृदय उदार होता है वह अपने संतान के दोषों पर ध्यान नहीं देती। उसे अपने संतान पर गर्व होता है।

2. कवयित्री किसके लिए तैयार है? [2]

   उत्तर : कवयित्री अपनी मातृभूमि के लिए मरने के लिए तैयार है।

3. कवयित्री किस पथ पर बढ़ना चाहती है? [3]

   उत्तर : कवयित्री मातृभूमि की रक्षा में बलिदान के पथ पर बढ़ना चाहती है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

   - अत्याचार - जुल्म
   - मातृ-मंदिर - माता का मंदिर
   - बलिदान - कुर्बानी
   - संतान - औलाद

- पुकार - बुलाना
- अभिमान - गर्व

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैं पूर्णता की खोज में
दर-दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ न कुछ
रोडा अटकता ही रहा
निराशा क्यों मुझे?
जीवन इसी का नाम है,
चलना हमारा काम है।
साथ में चलते रहे
कुछ बीच ही से फिर गए
गति न जीवन की रूकी
जो गिर गए सो गिर गए
रहे हर दम,
उसी की सफलता अभिराम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. प्रस्तुत कविता में कवि दर-दर क्यों भटकता है? [2]
उत्तर : प्रस्तुत कविता में कवि पूर्णता की चाह रखता है और इसी पूर्णता को पाने के लिए वह दर-दर भटकता है।

2. 'जीवन इसी का नाम है से क्या तात्पर्य है? [2]

उत्तर : जीवन इसी का नाम से तात्पर्य आगे बढ़ने में आने वाली रुकावटों से है। कवि के अनुसार इस जीवन रूपी पथ पर आगे बढ़ते हुए हमें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है परंतु हमें निराश या थककर नहीं बैठना चाहिए। जीवन पथ पर आगे बढ़ते हुए बाधाओं का आना स्वाभाविक है क्योंकि जीवन इसी का नाम होता है जब हम इन बाधाओं को पार कर आगे बढ़ते हैं।

3. जो गिर गए सो गिर गए रहे हर दम, उसी की सफलता अभिराम है,चलना हमारा काम है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय निरंतर गतिशीलता से है। जीवन के पड़ाव में कई मोड़ आते हैं, कई साथी मिलते है, कुछ साथ चलते हैं तो कुछ बिछड़ भी जाते हैं। पर इसका यह अर्थ नहीं कि जीवन थम जाए जो भी कारण हो लेकिन जीवन को अबाध गति से चलते ही रहना चाहिए।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- रोड़ा - बाधा
- निराशा - दुःख
- अभिराम - सुंदर
- गति - चाल, रफ़्तार
- जीवन - जिंदगी
- निराशा - आशा का अभाव

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

रहिए लटपट काटि दिन, बरु घामे माँ सोय।
छाँह न बाकी बैठिये, जो तरु पतरो होय॥
जो तरु पतरो होय, एक दिन धोखा देहैं।
जा दिन बहै बयारि, टूटि तब जर से जैहैं॥

कह गिरिधर कविराय छाँह मोटे की गहिए।
पाती सब झरि जायँ, तऊ छाया में रहिए॥

पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम॥
यही सयानो काम, राम को सुमिरन कीजै।
पर-स्वारथ के काज, शीश आगे धर दीजै॥
कह गिरिधर कविराय, बड़ेन की याही बानी।
चलिए चाल सुचाल, राखिए अपना पानी॥

राजा के दरबार में, जैये समया पाय।
साँई तहाँ न बैठिये, जहँ कोउ देय उठाय॥
जहँ कोउ देय उठाय, बोल अनबोले रहिए।
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए॥
कह गिरिधर कविराय समय सों कीजै काजा।
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. कैसे पेड़ की छाया में रहना चाहिए और कैसे पेड़ की छाया में नहीं? [2]
   उत्तर : कवि के अनुसार हमें हमें सदैव मोटे और पुराने पेड़ों की छाया में आराम करना चाहिए क्योंकि उसके पत्ते झड़ जाने के बावज़ूद भी वह हमें शीतल छाया प्रदान करते हैं। हमें पतले पेड़ की छाया में कभी नहीं बैठना चाहिए क्योंकि वह आँधी-तूफ़ान के आने पर टूट कर हमें नुकसान पहुँचा सकते हैं।

2. 'पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़े दाम। दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम॥' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि जिस प्रकार नाव में पानी भरने से नाव डूबने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में हम दोनों हाथ से नाव का पानी बाहर फेंकने लगते है। ठीक वैसे ही घर में धन बढ़ जाने पर हमें दोनों हाथों से दान करना चाहिए।

3. कवि कैसे स्थान पर न बैठने की सलाह देते हैं? [3]

उत्तर : कवि हमें किसी स्थान पर सोच समझकर बैठने की सलाह देते है वे कहते है कि हमें ऐसे स्थान पर नहीं बैठना चाहिए जहाँ से किसी के द्वारा उठाए जाने का अंदेशा हो।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- बयारि - हवा
- घाम - धूप
- जर - जड़
- दाय - रुपया-पैसा
- राजा - नृप, नरेश
- तरु - वृक्ष, पेड़

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य बनवीर धाय पन्ना से कहता है जब वह कुँवर को मारने जाता है और पन्ना उन्हें रोकने का प्रयास करती है। पन्ना उसे कहती है कि मैं कुँवर को लेकर संन्यासिनी बन जाऊँगी, तुम ताज रख लो कुँवर के प्राण बक्श दो।

2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]

उत्तर : पन्ना धाय को जैसे ही बनवीर के षडयंत्र का पता चला वैसे ही पन्ना ने सोये हुए कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया।

3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]

उत्तर : पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

उत्तर : महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा।

पन्ना धाय स्वर्गीय महाराणा साँगा की स्वामिभक्त सेविका है। वह कर्तव्यनिष्ठ तथा आदर्श भारतीय नारी है। वह हमेशा कुँवर की सुरक्षा का ध्यान रखती है। सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है। परंतु वह नहीं मानती।

बनवीर ने दीपदान उत्सव का आयोजन किया। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है। तभी किसी ने पन्ना को यह खबर दी और पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

एकांकी - बहू की विदा
लेखक - विनोद रस्तोगी

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा? संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन जीवनलाल ने प्रमोद से कहा है। प्रमोद अपनी बहन को विदा करवाने आया है परंतु जीवनलाल बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहते क्योंकि विवाह में प्रमोद में उन्हें मुँह माँगा दहेज़ नहीं दिया।

2. 'मरहम' का क्या अर्थ है? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने कहते हैं।

3. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]

उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची और असंवेदनशील व्यक्ति है। वह अपनी बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहता क्योंकि दहेज़ में उसे मुँहमाँगे रुपये नहीं मिले। उसे पैसों का भी बहुत घमंड है और अपनी तारीफ़ खुद ही करते हुए कहता है कि उसने अपनी बेटी का विवाह बड़े धूमधाम से किया।

4. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? अपने विचार दीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी में दहेज़ की समस्या को उठाया गया है। दहेज़ प्रथा को रोकने के लिए सरकार द्वारा कई कानून बनाए गए हैं इसकी शिकायत मिलने पर कड़ा जुर्माना और करावास का प्रावधान है। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कह नहीं सकता संजय किसके पापों का परिणाम है, किसकी भूल थी जिसका भीषण विष फल हमें मिला। ओह ! क्या पुत्र-मोह अपराध है, पाप है? क्या मैंने कभी भी...कभी भी..

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता कौन है? उनका परिचय दें। [2]

   उत्तर : उपर्युक्त अवतरण के वक्ता धृतराष्ट्र हैं। धृतराष्ट्र जन्म से ही नेत्रहीन थे। वे कौरवों के पिता हैं। दुर्योधन उनका जेष्ठ पुत्र हैं। इस समय वे अपने मंत्री संजय के सामने अपनी व्यथा को प्रकट कर रहे हैं।

2. यहाँ पर श्रोता कौन है? वह वक्ता को क्या सलाह देता है और क्यों? [2]

   उत्तर : यहाँ पर श्रोता धृतराष्ट्र का मंत्री है। उन्हें दिव्य दृष्टि प्राप्त थी। अपनी दिव्य दृष्टि की सहायता से वे धृतराष्ट्र को महाभारत के युद्ध का वर्णन बताते रहते हैं। इस समय वे धृतराष्ट्र को शांत रहने की सलाह देते हैं। संजय के अनुसार जो हो चुका है उस पर शोक करना व्यर्थ है।

3. यहाँ पर भीषण विष फल किस ओर संकेत करता है स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : यहाँ पर धृतराष्ट्र के अति पुत्र-मोह से उपजे महाभारत के युद्ध की ओर संकेत किया गया है। पुत्र-स्नेह के कारण दुर्योधन की हर अनुचित माँगों और हरकतों को धृतराष्ट्र ने उचित माना। धृतराष्ट्र ने पुत्र-मोह में बड़ों की सलाह, राजनैतिक कर्तव्य आदि सबको नकारते हुए अपने पुत्र को सबसे अहम् स्थान दिया और जिसकी परिणिति महाभारत के भीषण युद्ध में हुई।

4. पुत्र-मोह से क्या तात्पर्य है? [3]

   उत्तर : पुत्र-मोह से यहाँ तात्पर्य अंधे प्रेम से है। धृतराष्ट्र अपने जेष्ठ पुत्र दुर्योधन से अंधा प्रेम करते थे इसलिए वे उसकी जायज नाजायज सभी माँगों को पूरा करते थे। इसी कारणवश दुर्योधन बचपन से दंभी और अहंकारी होता गया।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे ! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके ह्रदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

   उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

   उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

   उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी नीलिमा ने मीनू को शादी के बारे में पूछ लिया, "मीनू, तू शादी नहीं कर रही है अभी? मैंने सुना है आशा का रिश्ता हो गया है।"

"हाँ नीलिमा! आशा का रिश्ता हो गया है। लड़का इंजीनियर है। घर भी अच्छा है।"

"पर मीनू, तू शादी के लिए तैयार क्यों नहीं है?" "नीलिमा ने पूछा।

"नीलिमा, अब मैं कुछ निराश सी हो गई हूँ। कौन करेगा मुझसे शादी?"

1. नीलिमा कौन है? वह मीनू को राय क्यों दे रही है? [2]

उत्तर : नीलिमा मीनू की हमउम्र और उसकी अभिन्न मित्र है। वह मीनू को विवाह करने की सलाह दे रही है। नीलिमा को जब पता चलता है कि मीनू की छोटी बहन का रिश्ता तय हो गया है और मीनू ने शादी न करने का निर्णय लिया है तो उसे विवाह समय पर करने की राय देती है।

2. शादी के नाम से मीनू उदास क्यों हो जाती है? [2]

उत्तर : मीनू का रिश्ता कई बार साधारण रंग-रूप होने के कारण ठुकराया जा चुका है इसलिए जब उसकी सहेली नीलिमा उसकी शादी के विषय में पूछताछ करती है तो वह उदास हो जाती है।

3. नीलिमा उसकी शादी के लिए उत्साहित क्यों है? [3]

उत्तर : नीलिमा और मीनू हमउम्र सहेलियाँ हैं। नीलिमा की शादी हो चुकी है और वह चाहती है कि उसकी सहेली मीनू का भी विवाह हो जाय इसलिए वह उसकी शादी के लिए उत्साहित है।

4. "कौन करेगा मुझसे शादी?" भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर नीलिमा के प्रश्न के उत्तर में मीनू के मुँह से यह उद्‌गार निकलते हैं। मीनू का रिश्ता बहुत बार ठुकराया जा चुका था उसे अब अपने विवाह की कोई उम्मीद नहीं बची थी ऐसे मैं अपनी सहेली के इस प्रश्न से वह निराश हो जाती है और कहती है कि अब कौन उसके साथ शादी करेगा।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्‌यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में दयाराम जी के घर उनकी बेटी मीनू को देखने मेरठ से मायाराम जी का परिवार आ रहा है।

2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [2]

उत्तर : दयाराम जी की बेटी मीनू साँवली होने के कारण अभी तक उसे कोई पसंद नहीं कर पाया था लेकिन मेरठ वालों को उसकी फोटो पसंद आ गई थी। अत: सभी को लगता था कि इस बार मीनू का

रिश्ता हो ही जाएगा इसीलिए आने वाले मेहमान को महत्त्व दिया जा रहा था।

3. "विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ...." विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर भी दयाराम जी बेटी मीनू को देखने के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ का उल्लेख किया गया है।
आज भी हमारे यहाँ लड़की वालों के यहाँ रिश्ता लेकर आना उत्सव से कम नहीं होता इसलिए वे अपनी तरफ़ से कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। अपनी हैसियत के मुताबिक या उससे भी बढ़ चढ़ कर मेहमानों को खुश करने का प्रयास करते हैं।

4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

उत्तर : अभी तक मीनू के रंग-रूप के कारण उसका कहीं रिश्ता नहीं हो पाया था परंतु इस बार मेरठ में रहने वाले मायाराम जी के परिवार वालों को मीनू का फोटो पसंद आ गया था अत: परिवार वालों को इस बार पूरी उम्मीद थी कि इस बार मीनू का रिश्ता पक्का हो ही जाएगा।

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

This Paper comprises of two sections ; ***Section A*** *and* ***Section B.***
Attempt ***All*** *the questions from* ***Section A.***
Attempt any ***four*** *questions from* ***Section B****, answering at least* ***one*** *question each from the* ***two*** *books you have studied and any* ***two*** *other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'भारतीय नारी' इस विषय पर अपने विचार प्रकट करें।

भारत में नारियों को हर दृष्टि से पूज्य माना जाता रहा है- 'नारी तू नारायणी' कहा जाता है। संस्कृत में एक श्लोक है - 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता: (भावार्थ - जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।)

इतिहास के कुछ अंधकारमय कालखण्ड को छोड़कर सदा ही नारी के शिक्षा एवं संस्कार को महत्त्व प्रदान किया गया।

भारत में 19 वीं शताब्दी में प्राय: सभी शैक्षिक संस्थाएँ जनता में नेतृत्व करनेवाले व्यक्तियों द्वारा संचालित थीं। इनमें कुछ अँग्रेज व्यक्ति भी थे। उस समय राजा राममोहन राय ने बाल विवाह तथा सती की प्रथा को दूर करने का अथक परिश्रम किया। इन कुप्रथाओं के दूर होने से नारी शिक्षा को प्रोत्साहन मिला। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बंगाल में कई स्कूल लड़कियों की शिक्षा के लिए खोले। स्त्री को अबला माना जाता था। परन्तु आज की नारी अबला नहीं। बीते समय में स्त्री का घर से निकलकर नौकरी करना बहुत बुरा माना जाता था। उसे घर में रखी वस्तु के समान ही समझा जाता है। लेकिन जबसे वह शिक्षित हुई है, उसने इस धारणा के खण्ड-खण्ड कर दिया हैं।

बीसवीं सदी के अन्तिम दशक में समाज में आर्थिक सामाजिक बदलाव आए तब नारी के लिए भी नौकरी और शिक्षा के अवसर कंप्यूटर, मिडिया, पत्रकारिता, सेना, डाक्टर, विज्ञान आदि जगह पर भी अपना सिक्का जमा लिया अब नारी कि दुनिया बदल रही है हर क्षेत्र में उसकी योग्यता को सराहा जाता है। नौकरी के साथ आज वह अपना परिवार भी बहुत अच्छी तरह से संभाल रही है। वह एक माँ भी है पत्नी भी प्रेमिका भी पर आज उसका अपना कैरियर भी है वह अब खुले आकाश में अपनी उड़ान भरना चाहती है।

2. वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इस आधार पर ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) पर अपने विचार लिखें।

ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) का अर्थ धरती के वातावरण के तापमान में लगातार बढ़ोतरी है। ग्लोबल वॉर्मिंग पृथ्वी की निकटस्थक-सतह वायु और महासागर के औसत तापमान में 20वीं शताब्दीं से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित निरंतरता है। वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त और परेशान है।

वायु मंडल में प्राकृतिक क्रियाओं के फलस्वरुप गैसों का संतुलन बना रहता है ; किंतु आज मनुष्य ने अपने कार्य-कलापों से वायुमंडल को असंतुलित बना दिया है। मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है।
यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है।
भूमंडलीय तापमान बढ़ने से हिम, नदियों और पहाड़ों की बर्फ़ तेजी से पिघल रही है। इससे महासागर का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लैशियरों की बर्फ के पिघलने से समुद्रों में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी जिससे साल-दर-साल उनकी सतह में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। मौसम चक्र में भी बदलाव आ रहा है। गरमी में अधिक गरमी तथा सरदी में अधिक सरदी पड़ रही है। बिना मौसम के बरसात तथा तूफ़ान आ रहे है।
ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए हम सब को एकजुट होकर इस दिशा कदम बढ़ाने होगे। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने होगे। पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं। धुआँ निकालने वाली मशीनों का प्रयोग बंद करना होगा।

3. आज आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है इस आधार पर 'आतंकवाद की समस्या' पर प्रस्ताव लेखन करें।
आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है। तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते है। जहाँ तक हमारा देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि स्वतंत्रता के

पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों कि वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है।

आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है। आतंकवादी घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को-और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।

भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गया। किसी तरह सख्ती करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया,पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

आतंकवाद जीवन के सही बोध के अभाव से जन्म लेता है। जब तक मानव जाति को वह बोध उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, मानव जाति को आतंकवाद से मुक्ति मिलने वाली नहीं है। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक, सामाजिक आदि सभी स्तरों से प्रयास किए जाने चाहिए।

4. 'मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे' इस सूक्ति पर आधारित अपने विचार प्रकट करें।

धर्मशास्त्रों में धर्म का बड़ा महत्त्व है, धर्महीन मनुष्य को शास्त्रकारों ने पशु बतलाया है। मनुष्यता ऐसा धर्म है जिस मार्ग पर चलकर मनुष्य महान कहलाता है और सही मायने में मनुष्य कहलाने का अधिकारी भी होता है। विश्व में प्रेम, शांति, व संतुलन के साथ-साथ मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए मनुष्य में मानवीय गुणों का होना अति आवश्यक है।

यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

मैथिलीशरण गुप्त

'मनुष्यता' कविता में कवि कर्ण, दधीचि ऋषि, रंतिदेव, राजा उशीनर आदि महानुभूतियों का उदाहरण देकर मनुष्य को लोकहित के लिए प्रेरित करते हैं। वह कहते हैं, जो मनुष्य इस संसार में दूसरों की सेवाभाव में अपना जीवन समर्पित करते हैं, वे इस संसार के द्वारा ही नहीं अपितु भगवान के द्वारा भी पूज्यनीय होते हैं।

जो मनुष्य अपने लिए जीता है, वह पृथ्वी में पशु के समान है। क्योंकि पशु के जीवन का उद्देश्य खाना और सोना होता है। भगवान ने मनुष्य को सामर्थ्यवान बनाया है। मनुष्य दूसरों की सेवा करने के स्थान पर पूरा जीवन स्वयं का भरण-पोषण करने में व्यर्थ करता है, तो वह मनुष्य कहलाने लायक नहीं है। प्राचीनकाल से ही ऋषि-मुनियों द्वारा लोगों को परोपकार करने के लिए कहा जाता है। वही मनुष्य परोपकार कर सकता है, जिसके अंदर इंसानियत या मानवता का गुण विद्यमान है। दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। सब पर दया करना। मनुष्यता एक इंसान का दूसरे इंसान पर विश्वास बनाती है। प्रेम, भाईचारे का भाव फैलाती है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र सहायता से संबंधित है। यहाँ पर चार अलग-अलग चित्र है। पहले में दो लोग मिलकर तीसरे की सहायता कर रहे हैं तो दूसरे चित्र में एक व्यक्ति धन देकर दूसरे की सहायता कर रहा है। तीसरे चित्र में व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को ऊपर चढ़ने में सहायता कर रहा है तो चौथे चित्र में एक व्यक्ति अपना छाता दूसरे को देकर बरसात में उसकी सहायता कर रहा है। इस चित्र में एक दूसरे की सहायता का पाठ पढ़ाया गया है। परोपकार एक सर्वश्रेष्ठ भावना है। परोपकार से तात्पर्य दूसरों की सहायता करने से है। हमें प्रकृति से परोपकार का संदेश लेना चाहिए। सूर्य, चंद्रमा, तारे, आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी, पेड़ आदि दिन-रात मनुष्य के कल्याण में लगे हुए हैं। ये सभी दूसरों के उपकार के लिए कुछ न कुछ देते हैं। सेवा या परोपकार की भावना चाहे देश के प्रति हो या किसी व्यक्ति के प्रति, वह मानवता है। परोपकार से ही ईश्वर प्राप्ति का मार्ग खुलता है। व्यक्ति जितना परोपकारी बनता है, उतना ही ईश्वर की समीपता प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा और महिमा बढ़ती है। सच्चा परोपकारी सदा प्रसन्न रहता है। वह दूसरे का कार्य करके हर्ष की अनुभूति करता है।" दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश

फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। परोपकार की भावना से ही हम एक उत्तम राष्ट्र और विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. माताजी की बीमारी की सूचना अपनी बहन को पत्र द्वारा दीजिए।

लाला लाजपत राय भवन
दिल्ली।
दिनाँक : 5 फरवरी, 20- -
प्रिय बहन
मधुर प्यार
तुम्हारी कुशलता की कामना करते हुए यह पत्र लिखना आरंभ कर रही हूँ। तुम्हें यह बताना था कि पिछले कुछ दिनों से माता जी की तबियत कुछ ठीक नहीं है। कल दूसरे डाक्टर को दिखाया, तो खून की कमी बताई। डाक्टर के कहे अनुसार इलाज़ शुरु का दिया है।
तुम चिंता न करना। आशा है कि माता जी कुछ दिनों में बिल्कुल ठीक हो जाएँगी।
तुम्हारी बड़ी बहन
मीरा व्यास

2. नेशनल बुक ट्रस्ट के प्रबंधक को पत्र लिखकर हिन्दी में प्रकाशित नवीनतम साहित्य की पुस्तकें भेजने हेतु अनुरोध कीजिए।

राम भवन
सोलापुर
दिनाँक - 15 मार्च 2015

सेवा में,
प्रबंधक
नेशनल बुक ट्रस्ट
दरियागंज
नई दिल्ली

विषय : पुस्तकें मँगवाने हेतु प्रार्थना पत्र।
महोदय,
मुझे हिन्दी में प्रकाशित इस महीने की नवीनतम पुस्तकें जल्दी ही चाहिए। मैंने पुस्तकों की अग्रिम राशि रूपए 2500 भी दिनाँक 10 मार्च को मनी आर्डर से भेज दी है। अत: आपसे निवेदन है कि मुझे जल्द-से-जल्द पुस्तकों वी.पी.पी से भेजने का प्रयास करें।
धन्यवाद।
भवदीय
सौरभ चटर्जी

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :
हमारे देश को आज़ादी दिलाने के लिये कई स्त्रियों ने कडा संघर्ष किया उनमें सरोजनी नायडू का अपना अलग ही स्थान है। उनकी आवाज बेहद मधुर थी, इसी वजह से वह पूरे विश्व में भारत कोकिला के नाम से विख्यात थी। बचपन में वह बेहद मेधावी छात्रा थी। 1905 में गोल्डेन थ्रेशोल्ड शीर्षक से उनकी कविताओं का पहला संग्रह प्रकाशित हुआ था। इसके बाद उनके दूसरे और तीसरे कविता संग्रह 'बर्ड आफ टाइम' तथा 'ब्रोकन विंग्स' ने उन्हे सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया। 1914 मे इंग्लैंड मे वे पहली बार गाँधी जी से मिली और उनके विचारों से प्रभावित होकर देश के लिये समर्पित हो गई। एक कुशल सेनापति की भाँति उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय आंदोलन, समाज सुधार और कांग्रेस पार्टी के संगठन में दिया। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय आंदोलन का

नेत्तृत्व किया और कई बार जेल भी गई। पहली महिला राजपाल होने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने अपना सारा जीवन देश को समर्पित कर दिया था।

1. अपनी मधुर आवाज़ के कारण सरोजनी नायडू कौन से नाम से विख्यात थी?

   उत्तर : अपनी मधुर आवाज़ के कारण सरोजनी नायडू 'भारत कोकिला' के कौन से नाम से विख्यात थीं।

2. सरोजनी नायडू ने अपनी प्रतिभा का परिचय कब दिया?

   उत्तर : सरोजनी नायडू ने अपनी प्रतिभा का परिचय आंदोलन, समाज सुधार और कांग्रेस पार्टी के संगठन में दिया।

3. सरोजनी नायडू ने कौन- कौन से कविता संग्रह ने उन्हें सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया?

   उत्तर : 1905 में गोल्डेन थ्रेशोल्ड शीर्षक से उनकी कविताओं का पहला संग्रह प्रकाशित हुआ था। इसके बाद उनके दूसरे और तीसरे कविता संग्रह 'बर्ड आफ टाइम' तथा 'ब्रोकन विंग्स' ने उन्हे सुप्रसिद्ध कवियत्री बना दिया।

4. सरोजनी नायडू को कौन सा गौरव प्राप्त हुआ?

   उत्तर : सरोजनी नायडू को पहली महिला राजपाल होने का गौरव प्राप्त हुआ।

5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

   उत्तर : 'भारत कोकिला' सरोजनी नायडू इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - विचार - वैचारिक
   - मंगल - मांगलिक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - अहंकार - अभिमान, दंभ
   - आज्ञा - आदेश, निर्देश

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - अग्रज - अनुज
   - सामिष - निरामिष
   - उदय - अस्त
   - उन्नति - अवनति

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - दास - दासता
   - मित्र - मित्रता

5. निम्नलिखित मुहावरों मे से किसी एक मुहावरे का वाक्य मे प्रयोग कीजिए :

   बल्लियाँ उछलना, लाल-पीला होना [1]

   i. इंजीनियर की प्रवेश परीक्षा में सफल होने की खबर सुनकर रोहन <u>बल्लियों उछलने लगा</u>।

   ii. इतनी साधारण बात पर इतने <u>लाल-पीले</u> क्यों हो रहे हो?

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]

1. तकदीर गई उसकी फूट। (शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए।)

   उत्तर : उसकी तकदीर फूट गई।

2. उनका जीवन सुरक्षित था। ('नहीं' प्रयोग कीजिए लेकिन वाक्य का अर्थ न बदले।)

   उत्तर : उनका जीवन असुरक्षित नहीं था।

3. वह अपना काम ईमानदारी से कर रहा है। ('बेईमानी' शब्द का प्रयोग करें।)

   उत्तर : वह अपना काम बेईमानी से नहीं कर रहा है।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

मनोरमा घबरा उठी। उसने कहा - "चुप रहिए, आपकी तबीयत बिगड़ - रही है, शांत हो जाइए!"

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. कौन, किसे और क्यों शांत रहने के लिए कह रहा है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर मनोरमा अपने पति मोहनबाबू को शांत रहने के लिए कह रही है। नाव पर घूमते समय बातों ही बातों में मोहनबाबू उत्तेजित हो जाते हैं और अजनबी रामनिहाल के सामने कुछ भी

कहने लगते हैं इसलिए उनकी पत्नी मनोरमा चाहती है कि उसके पति शांत रहे।

2. मोहनबाबू कौन हैं और वे क्यों परेशान हैं? [2]

उत्तर : मोहनबाबू रामनिहाल के दफ़्तर के मालिक थे।
मोहनबाबू को संदेह था कि उनकी पत्नी मनोरमा और दफ़्तर में काम करने वाले उनके निकट संबंधी बृजकिशोर मिलकर उसके खिलाफ़ षडयंत्र रच रहे और उन्हें पागल साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए मोहनबाबू परेशान थे।

3. मोहनबाबू का किससे और क्यों मतभेद था? [3]

उत्तर : मोहनबाबू का अपनी पत्नी से वैचारिक स्तर पर मतभेद था।
मोहनबाबू किसी भी विचार को दार्शनिक रूप से प्रकट करते थे जिसे उनकी पत्नी समझ नहीं पाती थी और यही उनके मतभेद का कारण था।

4. मोहनबाबू मनोरमा से माफ़ी क्यों माँगते हैं? [3]

उत्तर : नाव पर घूमते समय बातों ही बातों में मोहनबाबू का अपनी पत्नी से मतभेद हो जाता है और जिसके परिणास्वरूप वे अपनी पत्नी पर संदेह करते हैं ये बात अजनबी रामनिहाल के सामने प्रकट कर देते हैं। जब मोहनबाबू थोड़ा शांत हो जाते हैं तो उन्हें अपनी गलती का अहसास हो जाता है तब वे अपनी पत्नी से माफ़ी माँगते हैं।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह इसलिए नहीं कि उसे अपने सास-ससुर, देवर या जेठ आदि से घृणा थी बल्कि उसका विचार था कि यदि बहुत कुछ सहने पर भी परिवार के साथ

निर्वाह न हो सके तो आए दिन के कलह से जीवन को नष्ट करने की अपेक्षा अच्छा है कि अपनी खिचड़ी अलग पकाई जाय।

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. बेनी माधव के कितने पुत्र थे उनका परिचय दें। [2]

उत्तर : बेनी माधव के दो बेटे थे बड़े का नाम श्रीकंठ था। उसने बहुत दिनों के परिश्रम और उद्योग के बाद बी.ए. की डिग्री प्राप्त की थी और इस समय वह एक दफ़्तर में नौकर था। छोटा लड़का लाल बिहारी सिंह दोहरे बदन का सजीला जवान था।

2. श्रीकंठ कैसे विचारों के व्यक्ति थे? [2]

उत्तर : श्रीकंठ बी.ए. इस अंग्रेजी डिग्री के अधिपति होने पर भी पाश्चात्य सामजिक प्रथाओं के विशेष प्रेमी न थे, बल्कि वे बहुधा बड़े जोर से उसकी निंदा और तिरस्कार किया करते थे। वे प्राचीन सभ्यता का गुणगान उनकी प्रकृति का प्रधान अंग था। सम्मिलित कुंटुब के तो वे एक मात्र उपासक थे। आजकल स्त्रियों में मिलजुलकर रहने में जो अरुचि थी श्रीकंठ उसे जाति और समाज के लिए हानिकारक समझते थे।

3. गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक क्यों थीं? [3]

उत्तर : श्रीकंठ स्त्रियों में मिलजुलकर रहने में जो अरुचि थी उसे जाति और समाज के लिए हानिकारक समझते थे। वे प्राचीन सभ्यता का गुणगान और सम्मिलित कुंटुब के उपासक थे। इसलिए गाँव की स्त्रियाँ श्रीकंठ की निंदक थीं। कोई-कोई तो उन्हें अपना शत्रु समझने में भी संकोच नहीं करती थीं।

4. आनंदी की सम्मिलित कुंटुब के बारे में राय अपने पति से अलग क्यों थी? [3]

उत्तर : आनंदी स्वभाव से बड़ी अच्छी स्त्री थी। वह घर के सभी लोगों का सम्मान और आदर करती थी परंतु उसकी राय संयुक्त परिवार के बारे में अपने पति से ज़रा अलग थी। उसके अनुसार यदि बहुत कुछ समझौता करने पर भी परिवार के साथ निर्वाह करना मुश्किल हो तो अलग हो जाना ही बेहतर है।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अगर पेड़ नहीं काटा जा सकता तो इस आदमी को ही काटकर निकाल लिया जाए।"

पाठ - जामुन का पेड़
लेखक - कृष्ण चंदर

1. प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगा पेड़ आँधी के कारण रात में गिर पड़ा और उसके नीचे एक आदमी दब गया। और उस पेड़ को हार्टीकल्चर विभाग ने काटने से मना कर दिया तब उपर्युक्त संवाद वहाँ पर खड़े एक मनचले और असंवेदनशील आदमी द्वारा कहा गया है।

2. हार्टीकल्चर विभाग ने जामुन के पेड़ काटने से मना क्यों किया? [2]

उत्तर : हार्टीकल्चर विभाग के सेक्रेटेरी का कहना था कि उनका विभाग आज जहाँ पेड़ लगाओ की स्कीम ऊँचें स्तर पर चला रही है वहाँ पर जामुन के इस फलदार पेड़ को काटने की अनुमति उसके विभाग द्वारा कभी भी नहीं दी जा सकती।

3. जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग तक कैसे पहुँचा? [3]

उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगा पेड़ आँधी के कारण रात में गिर पड़ा और उसके नीचे एक आदमी दब गया। वह पेड़ कृषि विभाग के

जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग को भेज दिया।

4. उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की संवेदनशून्य होती मानसिकता का पता चलता है। जामुन के पेड़ के पास खड़ी भीड़ को उसके नीचे दबे व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं होती उल्टे वे उस व्यक्ति का मजाक उड़ाते हैं। वे ये भी नहीं सोचते कि इस तरह के मजाक से व्यक्ति को कितनी तकलीफ हो रही होगी कि जब आप किसी जिंदा व्यक्ति को काटने की बात कर रहे हो।

साहित्य सागर

पद्य

Q. 8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी,
हैं जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी।
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण,
बाधा-रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।
लेकिन विघ्न अनेक सभी इस पथ पर अड़े हुए हैं,
मानवता की राह रोककर पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं जब तक मानव-मानव को,
चैन कहाँ धरती पर तब तक शांति कहाँ इस भव को।

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. कवि ने भूमि के लिए किस शब्द का प्रयोग किया हैं और क्यों? [2]

   उत्तर : कवि ने भूमि के लिए 'क्रीत दासी' शब्द का प्रयोग किया हैं क्योंकि किसी की क्रीत (खरीदी हुई) दासी नहीं है। इस पर सबका समान रूप से अधिकार है।

2. धरती पर शांति के लिए क्या आवश्यक है? [2]

   उत्तर : धरती पर शांति के लिए सभी मनुष्य को समान रूप से सुख-सुविधाएँ मिलनी आवश्यक है।

3. भीष्म पितामह युधिष्ठिर को किस नाम से बुलाते है? क्यों? [3]

   उत्तर : भीष्म पितामह युधिष्ठिर को 'धर्मराज' नाम से बुलाते है क्योंकि वह सदैव न्याय का पक्ष लेता है और कभी किसी के साथ अन्याय नहीं होने देता।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

   - क्रीत - खरीदी हुई
   - जन्मना - जन्म से
   - समीरण - वायु
   - भव - संसार
   - मुक्त - स्वतंत्र
   - सुलभ - आसानी से प्राप्त

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जीवन अपूर्ण लिए हुए
पाता कभी खोता कभी
आशा निराशा से घिरा,
हँसता कभी रोता कभी

गति-मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है,
चलना हमारा काम है।

इस विशद विश्व-प्रहार में
किसको नहीं बहना पड़ा
सुख-दुख हमारी ही तरह,
किसको नहीं सहना पड़ा
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ, मुझ पर विधाता वाम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. मनुष्य जीवन में किससे घिरा रहता है? [2]
   उत्तर : मनुष्य जीवन में आशा और निराशा से घिरा रहता है।

2. कवि ने जीवन को अपूर्ण क्यों कहा है? [2]
   उत्तर : मनुष्य जीवन में कभी सुख तो कभी दुःख आते है। कभी कुछ पाता है तो कभी खोता है। आशा और निराशा से घिरा रहता है। इसलिए कवि ने जीवन को अपूर्ण कहा है।

3. फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ, मुझ पर विधाता वाम है' - का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]
   उत्तर : कवि के अनुसार इस संसार में हर व्यक्ति को सुख और दुख सहना पड़ता है और ईश्वर के आदेश के अनुसार चलना पड़ता है। इसीलिए कवि कहता है कि दुःख आने पर में क्यों कहता फिरूँ के मुझसे विधाता रुष्ट है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - अपूर्ण - जो पूरा न हो

- आठों याम - आठ पहर
- विशद - बड़े
- वाम - विरुद्ध
- व्यर्थ - बेकार में
- अवरुद्ध - रुका हुआ

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

ऐसो कौ उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवे दीन पर, राम सरस कोउ नाहीं॥
जो गति जोग बिराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुत जिय जानी॥
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित हरि दीन्ही॥
तुलसीदास सब भांति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करहि कृपानिधि तेरो॥

कविता - विनय के पद

कवि - तुलसीदास

1. तुलसीदासजी किसके भजन के लिए कह रहे हैं? [2]

   उत्तर : तुलसीदासजी भगवान श्री राम के भजन के लिए कह रहे हैं।

2. श्री राम ने परम गति किस-किस को प्रदान की? [2]

   उत्तर : श्री राम ने जटायु जैसे सामान्य गीध पक्षी और शबरी जैसी सामान्य स्त्री को परम गति प्रदान की।

3. रावण को कैसे वैभव प्राप्त हुआ? [3]

उत्तर : रावण ने भगवान शंकर को अपने दस सिर अर्पण करके वैभव की प्राप्ति की।

4. राम ने कौन-सी संपत्ति विभीषण को दे दी? [3]

उत्तर : रावण ने जो संपत्ति अपने दस सिर अर्पण करके प्राप्त की थी उसे श्री राम ने अत्यंत संकोच के साथ विभीषण को दे दी।

एकांकी संचय

Q. 11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। इसलिए माँ संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रही।

2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]

उत्तर : माँ ने अपने रूढ़ीवादी विचारों के कारण अपने बेटे-बहू से बिछड़ने का पश्चाताप किया है।

3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]

उत्तर : जब माँ को अविनाश की पत्नी की बीमारी की सूचना मिलती है तब उसका हृदय मातृत्व की भावना से भर उठता है। उसे इस बात का आभास है कि यदि बहू को कुछ हो गया तो अविनाश नहीं बचेगा। माँ को पता है कि अविनाश को बचाने की शक्ति केवल उसी में है। इसलिए वह प्राचीन संस्कारों के बाँध को तोड़कर अपने बेटे के पास जाना चाहती है।

4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : अविनाश की वधू बहुत भोली और प्यारी थी, जो उसे एक बार देख लेता उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो जाता। बड़ी-बड़ी काली आँखें उनमें शैशव की भोली मुस्कराहट उसके रूप तथा बड़ों के प्रति आदर के भाव ने अतुल और उमा को प्रभावित किया।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वंशज मैं लाखा प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा क्यों ली? [2]

उत्तर : मेवाड़ नरेश महाराणा लाखा ने सेनापति अभी सिंह से बूँदी के राव हेमू के पास यह संदेश भिजवाया कि बूँदी मेवाड़ की अधीनता स्वीकार करे ताकि राजपूतों की असंगठित शक्ति को संगठित करके एक सूत्र में बाँधा जा सके, परंतु राव ने यह कहकर प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया कि बूँदी महाराणाओं का आदर तो करता है,

पर स्वतंत्र रहना चाहता है। हम शक्ति नहीं प्रेम का अनुशासन करना चाहते हैं। यह सुन कर राणा लाख प्रतिज्ञा करते हैं।

2. किसका वंशज क्या प्रतिज्ञा करता है? [2]

उत्तर : महारावल बाप्पा का वंशज महाराणा लाखा प्रतिज्ञा करते है कि 'जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।'

3. किसके पौरुष की परीक्षा का दिन आ गया? [3]

उत्तर : मेवाड़ के सैनिकों के लिये युद्ध-भूमि में वीरता दिखाने की परीक्षा का दिन आ गया।

4. महाराणा लाखा जनसभा में क्यों नहीं जाना चाहते? [3]

उत्तर : मेवाड़ के शासक महाराणा लाखा को नीमरा के युद्ध के मैदान में बूँदी के राव हेमू से पराजित होकर भागना पड़ा, इसलिए अपने को धिक्कारते हैं, और आत्मग्लानि अनुभव करने के कारण जनसभा में भी नहीं जाना चाहते।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"आज कुसमय नाच-रंग की बात सुनकर मेरे मन में शंका हुई थी। इसलिए मैंने कुँवर को वहाँ जाने से रोक दिया था। संभव था कि कुँवर वहाँ जाते और बनवीर अपने सहायकों से कोई काण्ड रख देता।"

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन की वक्ता पन्ना धाय माँ है। वक्ता स्वर्गीय महाराणा साँगा का सबसे छोटे पुत्र उदयसिंह की धाय माँ है। उसकी माँ की मृत्यु के पश्चात से पन्ना धाय जो कि महाराज की सेविका थी उसने उसे माँ की तरह पाला।

2. नाच-रंग का आयोजन किसने और किस उद्धेश्य से किया था? [2]

उत्तर : नाच रंग का आयोजन बनवीर द्वारा किया गया था। बनवीर महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र था जिसे महाराणा साँगा की मृत्यु के पश्चात राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। बनवीर का इस नाच-गाने की आड़ में राज्य के असली उतराधिकारी कुंवर उदयसिंह को अपने रास्ते से हटाना उसका उद्देश्य था।

3. बनवीर कौन है? उसका परिचय देते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : बनवीर महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज का दासी पुत्र था। महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। बनवीर अति महत्त्वाकांक्षी था। जिस राज्य की देखभाल का जिम्मा उसे सौंपा गया था उसी पर अपनी सत्ता कायम करने के लिए कुटिल योजनाएँ बनाने लगा यहाँ तक कि वह रास्ते में आने वाले है हर व्यक्ति को समाप्त करने लगा। उसने कुंवर उदयसिंह को मारने की योजना को पूरा करने के लिए राज्य के विश्वासपात्रों को भी अपनी ओर मिलाने का भरसक प्रयास किया। इन सब बातों से पता चलता है कि बनवीर अत्यंत क्रूर, निर्दयी, स्वार्थी और कपट से परिपूर्ण व्यक्ति था।

से एकांकीकार ने क्या शिक्षा दी है? [3]

उत्तर : इस कहानी की शुरुवात में दीपदान की बात आती है। राज्य में एक अनोखा दीपोत्सव मनाया जाता है जिसकी आड़ में कुँवर की हत्या करना था। स्वामिभक्त पन्ना धाय अपने बेटे का बलिदान कर एक दीपदान करती है। उसका यह दीपदान सर्वोच्च कोटि का होता है। जहाँ वह राज्य के उत्तराधिकारी को बचाने के लिए अपनी ममता को भी ताक पर रख देती है। पूरी कहानी बनवीर और पन्ना धाय के दीपदान पर केन्द्रित होने के कारण यह शीर्षक सर्वथा उचित है।

इस एकांकी के माध्यम से एकांकीकार देशप्रेम, त्याग, बलिदान और कर्तव्यपरायणता की शिक्षा दी है। स्वामिभक्ति के सामने अपने निजी स्वार्थों की भी बलि देनी पड़ती है यह पन्ना धाय के माध्यम से बताया गया है जो एकांकी की मूल शिक्षा है।

नया रास्ता
(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

उत्तर : यहाँ पर मीनू की अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण आया है।

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

उत्तर : मीनू को जब उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है तब वह उसे अतीत की बातें याद आने लगती है कि किस प्रकार अतीत में कई बार उसे कई लड़के ना-पसंद कर चुके थे। उन बातों को याद कर मीनू उदास हो जाती है।

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : मीनू साधारण नैन-नक्श की साँवले रंग-रूप की लड़की थी जिसके कारण उसे कोई भी पसंद नहीं कर रहा था। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि मीनू गुणों से भरी हुई लड़की थी पर सभी ऊपरी चमक-दमक को ही महत्त्व दे रहे थे।

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

उत्तर : मीनू को उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है। तब वह अतीत की यादों में खो जाती है और उदास हो जाती है परंतु फिर अपनी स्थिति को संभाल कर अपनी सहेलियों के साथ पूर्वनियोजित योजनानुसार बाहर चली जाती है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।” बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]

उत्तर : वह महिला मीनू की बुआ है। वह अपने भइया को बेटियों के विवाह का महत्त्व समझा रही है। बुआ के अनुसार बेटियों के शादी हो जाने से माता-पिता को बहुत बड़े कामों से मुक्ति मिल जाती है।

2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]

उत्तर : बुआ अपनी भतीजी मीनू और आशा की विवाह की चिंता कर रही है। मीनू और आशा के पिता की तबियत भी खराब खराब रहती थी और ऊपर से अभी तक मीनू और आशा का विवाह भी न हुआ था अत: बुआ इनके विवाह की चिंता कर रही है।

3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]

उत्तर : हमारे समाज में स्त्री को दोयम दर्जे का समझा जाता है। माता-पिता बेटी को एक भार और बोझ समझते हैं। बेटी को पराया धन समझा जाता है। उसके विपरीत बेटे को घर का चिराग और कुलदीपक समझा जाता है। और यही कारण है कि लड़की के विवाह को हमारे समाज में इतना अधिक महत्त्व दिया जाता है। माता-पिता को लगता है कि बेटी के विवाह से उनके सिर से एक बड़ी भारी जिम्मेदारी उतर जाएगी।

4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ यह है कि बेटियाँ माता-पिता की बड़ी जिम्मेदारियाँ होती है। वे उनका विवाह करके ही इस जिम्मेदारी से मुक्त हो सकते हैं।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़-प्यार करते हैं, उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों में सौंप देते हैं। हर पल रहने वाली बिटिया के लिए वह घर पराया हो जाता है। घर ही क्या, बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

1. यहाँ विचित्र घड़ी से क्या उद्देश्य है? [2]

उत्तर : यहाँ पर विचित्र घड़ी से उद्देश्य बेटी के विवाह से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि जिस बेटी का माता-पिता लालन-पालन बड़े ही प्यार से करते हैं अंत में एक दिन वे उसे किसी दूसरे के हाथों कैसे सौंप पाते हैं।

2. किसका विवाह हो रहा है? [2]

उत्तर : यहाँ पर मीनू की छोटी बहन आशा का विवाह हो रहा है।

3. वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना क्यों पड़ता है? [3]

उत्तर : हमारे समाज में बेटी पराया धन मानी जाती है। प्रत्येक माता-पिता एक अमानत के तौर पर बेटी की देखभाल करते हैं। इसलिए वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना पड़ता है।

4. 'बेटी पराया धन होती है' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : बेटी पराया धन होती है इसका अर्थ यह है कि बेटियों का बड़े प्यार से लालन-पालन किया जाता है और एक दिन उनका विवाह होकर वे दूसरों के घर चली जाती है इसलिए उन्हें पराया धन कहा जाता है।

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ;**Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव से फैशन एवं प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जिसके कारण अनेक प्रकार की समस्याओं का जन्म हो रहा है तथा नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है' इस विषय पर निबंध लिखिए।

   नित नए-नए परिधानों से अपने को सँवारना और अपने आपको अति आकर्षक दिखाना ही फैशन है। फैशन के पीछे मूलभूत कारण आकर्षकता और प्रभावशीलता की होड़ है। फैशन किया ही इसलिए जाता है लोग उसे देखें और आश्चर्यचकित हों। वैसे तो प्रत्येक युग में फैशन का बोलबाला रहा है। पर आधुनिक युग में तो यह अपने चरम पर है। आज समय और परिस्थितियाँ इतनी परिवर्तित हुई हैं कि इस बदलाव का सीधा और साफ असर युवाओं पर नजर आ रहा है। अतिश्योक्ति नहीं होगी अगर यह कहा

जाये कि न सिर्फ युवा बल्कि बच्चे भी इस फैशन से अछूते नहीं हैं। आज हम बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में फैशन के प्रति सजगता देख सकते हैं। जिस तीव्रता से फैशन के प्रति लोगों में आकर्षण बढ़ा है और हर बात को फैशन के नाम पर सहजता से लेने का प्रयास होता वह निश्चित रूप से शुभ संकेत तो कतई नहीं है। फैशन को बढ़ावा देने के अनेकों कारण हो सकते हैं। परंतु हमारे देश में पश्चिमी सभ्यता के कुछ ज्यादा ही प्रभाव है। हम पश्चिम की देखा देखी में अपने वास्तविक परिधानों और वेशभूषा को भूलते जा रहे हैं।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर एक देश की जलवायु, भौगोलिक परिस्थिति आदि पर उस देश का पहनावा निर्भर करता है। फैशन एक प्रकार का मीठा विष है जिसकी चपेट में हमारी युवा पीढ़ी अंधकार की गर्त में डूबी जा रही है। फैशन अवश्य करो परंतु उसके शिकार मत बनो। आज हमारी खासकर युवा पीढ़ी फैशन की इस अंधी होड़ में अपने संस्कार,सभ्यता व संस्कृति को शने-शने भूलती जा रही। शालीनता और सादगी से उन्हें परहेज होता जा रहा है। अब तो हद यह हो गई है कि परिधानों से आप लड़का और लड़की में अंतर भी नहीं कर पाते। आज तो लड़के भी कान छिदवाने और लंबे बाल रखने लगे हैं। लड़कियाँ भी लड़कों के समान ही वेशभूषा धारण करने लगी है। भारतीय परिधानों को आउट डेटेट कहकर नकार देते हैं।

फैशन की इस प्रवृत्ती के कारण कई तरह के अपराध भी होते है और हमारे नैतिक मूल्यों का भी ह्रास होता है। आज बड़े-बड़े व्यापारिक संस्थान लाभ कमाने हेतु विभिन्न प्रकार के फैशन से संबंधित विज्ञापन देते हैं। इसके प्रचार-प्रसार में पत्रिकाएँ, टेलीविजन आदि भी पीछे नहीं रहते। चैनलों पर प्रसारित होने वाले फैशन संबंधित कार्यक्रमों में आपत्तिजनक वेशभूषा में मॉडलों को रैंप पर कैटवाक करते हुए दिखाया जाता है। फिल्मों में कहानी से ज्यादा फैशन को प्रमुखता से दिखाया जाना है। एक तरफ जहाँ महिलाओं में धारावाहिकों के पात्रों के परिधान और डिजाइनर के कपड़े चर्चा का केन्द्र बनते तो दूसरी तरफ युवाओं के बीच हर उस नई आने वाली फिल्मों में इस्तेमाल किये गये फैशनेबल कपड़ें से लेकर जूते या फिर कोई

नई तकनीक के इलेक्ट्रोनिक आइटम चर्चा का केन्द्र बनते। ये कुछ कारण है जिससे हमारी सामजिक और नैतिकमूल्यों का पतन होता है।
ये भी सर्वविदित सत्य है कि इस फैशन से छुटकारा पाना सरल नहीं है लेकिन यदि फैशन को मर्यादा में रहकर किया जाय तो यह बुरा भी नहीं है। अत: हमें चाहिए कि हम गलत और सही की पहचान कर ऐसे फैशन को अपनाए जिससे हमारी सभ्यता, संस्कृति और संस्कार न छूटे। सभ्यता और संस्कृति के अनुसार बदलने वाले रंग-ढंग, सुंदर दिखने के लिए अपनाए गये नए शालीन तरीके ही फैशन हैं।

2. 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्व है? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय उसमें किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे? अपने विचार स्पष्टतः लिखिए।
मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में हर व्यक्ति के अनेक सम्बन्ध होते हैं। परस्पर सहयोग से रहना मानव का स्वभाव है। उसका सही स्वभाव मित्रता को जन्म देता है।
मित्रता एक अनमोल धन है। आज के युग में युग में सच्चा मित्र पाना स्वर्ग को पा लेने के समान है। सच्चा मित्र वह होता है, जो हमें अच्छे व बुरे का अहसास करवाए, साथ ही हमें कुमार्ग से सुमार्ग पर ले जाए। मित्रता में वह शक्ति है, जो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। मित्रता में मनुष्य एक-दूसरे का साथ देता है।
हर व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता होती है। वह अपने दिल की हर बात निर्भयता से केवल अपने मित्र से कह सकता है। सच्चा मित्र अपने मित्र के सुख-दुख को अपना सुख-दुख मानता है।
रहीम जी ने कहा है -

"कह रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत
बिपत्ति-कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।"

अंग्रेजी कहावत के अनुसार सच्चा मित्र वही है, जो समय पर काम आए। कृष्ण-सुदामा की मित्रता नि:स्वार्थ एवं पवित्र थी। यह सच्ची मित्रता का अनुपम उदाहरण है।

हमें चाहिए कि जब भी किसी को अपना मित्र बनाए तो सोच-विचार कर बनाए क्योंकि जहाँ एक सच्चा मित्र आपका साथ देकर आपको ऊँचाई तक पहुँचा सकता है, वहीं कपटी मित्र अपने स्वार्थ के लिए आपको पतन के रास्ते पर ले जाता है।

संत कबीर कहते हैं कि -

"कपटी मित्र न कीजिए, पेट पैठि बुधि लेत।
आगे राह दिखाय के, पीछे धक्का देति।।"

कपटी आदमी से मित्रता कभी न कीजिए क्योंकि वह पहले पेट में घुस कर सभी भेद जान लेता है और फिर आगे की राह दिखाकर पीछे से धक्का देता है।

'कबीर तहां न जाईय, जहां न चोखा चीत।
परपूटा औगुन घना, मुहड़े ऊपर मीत।'

ऐसे व्यक्ति या समूह के पास ही न जायें जिनमें निर्मल चित्त का अभाव हो। ऐसे व्यक्ति सामने मित्र बनते हैं पर पीठ पीछे अवगुणों का बखान कर बदनाम करते हैं।

अत:मित्र का सही चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि सच्चा मित्र हमारी सफलता की कुँजी होता है।

3. कल्पना कीजिए कि आप स्वास्थ्य मंत्री है और इस नाते आप देश में कौन-से और क्या परिवर्तन करेंगे।

यदि मैं अपने देश का स्वास्थ्य मंत्री होता तो अपने आपको, सचमुच बड़ा भाग्यशाली मानता, क्योंकि देश-सेवा का ऐसा सुनहरा अवसर और कोई हो ही नहीं सकता क्योंकि स्वस्थ लोगों से ही एक सबल राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है।

बचपन से ही मेरे मन में स्वास्थ्य मंत्री बनने की इच्छा थी इसका कारण यह था कि मैं बचपन में जिस कस्बे में पला बढ़ा वहाँ पर प्राथमिक

उपचार की भी सुविधा नहीं थी। इस कारण कई बार लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। खुद मेरे दादाजी को सही उपचार न मिलने के कारण उनकी मृत्यु मेरी ही आँखों के सामने हुई।

मैं अपने कार्यकाल के दौरान देश में आम नागरिकों को सस्ती और उचित स्वास्थ्य सेवाओं को पहुँचाने हेतु सरकारी अस्पताल का अधिक से अधिक निर्माण करता। जहाँ जनता को मुफ्त जाँच मुफ्त, इलाज, दवाईंयाँ आदि मिलती। मैं जेनेरिक दुकानों में भी वृद्धि करता जिसके फलस्वरूप महँगी दवाई बेचने वालों पर मैं लगाम कस सकता। महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए संसद में एक अलग बजट पेश करता।

भारत वासियों के स्वास्थ्य सुधार के लिए ठोस कदम उठाता, गाँवों की स्वास्थ्य प्रगति के लिए पंचायतों को विशेष अधिकार देता, समाजसुधारकों और ग्राम सेवकों को भी प्रोत्साहित करता।

स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते मैं प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर प्रतिबंध लगाता। पर्यावरणीय स्वच्छता के लिए प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा देता और दूसरी और वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए गाँव-गाँव और नगर-नगर नागरिक समितियों का गठन करता और पूरे देश को इसमें सह भागी करता। गंदगी करनेवालों, प्रदूषण फैलाने वाले, नियम और कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्यवाही करता।

मैं स्वयं अपनी सेवा कर्तव्यनिष्ठा से एक आदर्श प्रस्तुत करने का प्रयत्न करता। मैं विरोधी पक्षों के दृष्टिकोण को समझने की पूरी कोशिश करता और देश की स्वास्थ्य समस्याओं को हल करने के लिए उनका सहयोग लेता। अपने सहयोगी के सदस्यों को मैं उनकी योग्यता के अनुसार उचित जिम्मेदारी सौंपता, उस सब के प्रति मेरा व्यवहार सहानुभूतिपूर्ण तथा निष्पक्ष होता, फिर भी किसी तरह भ्रष्टाचार को बर्दाश्त न करता।

स्वास्थ्य मंत्री के नाते में अपना लक्ष्य देश को हर तरह से सुखी और समृद्ध और स्वस्थ बनाने की ओर ही केंद्रित करता।

4. 'दैव-दैव आलसी पुकारा' इस उक्ति पर आधारित 'भाग्य और पुरुषार्थ' पर निबंध लिखें।

भाग्य और पुरुषार्थ। कभी लगता है भाग्य श्रेष्ठ है। कभी लगता है कि पुरुषार्थ श्रेष्ठ है। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी धारणा होती है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता कठिन परिश्रम से ही मिलती है। अकर्मण्य व्यक्ति देश, जाति, समाज और परिवार के लिए एक भार बन जाते हैं। जो व्यक्ति दूसरों का मुँह ताकते रहते हैं, वह पराधीन हैं - दास हैं। कुछ लोग यह समझते हैं कि 'वही होगा जो मंजूरे खुदा होगा' और अकर्मण्य बन जाते हैं। ऐसे लोग भाग्यवाद में विश्वास करते हैं और प्रयत्न से कोसों दूर रह जाते हैं। आलसी कभी सफलता नहीं पाता। केवल आलसी लोग ही हमेशा 'दैव-दैव' करते रहते हैं और कर्मशील लोग 'दैव-दैव आलसी पुकारा' कहकर उनका उपहास करते हैं।

यह संसार कर्म करने वालों की पूजा करता है। कर्मशील व्यक्ति भाग्य को अपने वश में कर लेते हैं। पर्वत भी इनके आगे शीश झुकाते हैं। मनुष्य परिश्रम के द्वारा कठिन से कठिन कार्य सिद्ध कर सकता है। परिश्रम अर्थात् मेहनत के ही द्वारा मनुष्य अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। कोई भी कार्य केवल हमारी इच्छा मात्र से ही नहीं सिद्ध होता है, उसके लिये हमें कठिन परिश्रम का सहारा लेना पड़ता है। जैसे सोए हुए शेर के मुख में पशु स्वयं ही प्रवेश नही करता उसे भी परिश्रम करना पड़ता है, वैसे ही केवल मन की इच्छा से काम सिद्ध नही होते उनके लिये परिश्रम करना पड़ता है। प्राचीन ग्रंथ, महाभारत में भी गुरू द्रोण के शिष्य अर्जुन, कठिन परिश्रम के ही द्वारा सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर बन सके। भारत देश की स्वतंत्रता भी गांधी जी और नेहरू जी जैसे महापुरुषों के परिश्रम का फल है। परिश्रम ही सफ़लता की कुंजी है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र भूकंप से संबंधित है। चित्र में चारों ओर ध्वस्त इमारतें और उनका मलबा दिखाई दे रहा है। चित्र भूकंप के थम जाने के बाद का है। चित्र में बचाव दल के साथ लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

भूकम्प अर्थात् भूमि का कम्पन ! पृथ्वी का अपनी धुरी पर हिलना डुलना, कम्पन करना भूकम्प या भूचाल कहलाता है। सामान्यतः भूमि अपनी धुरी पर हिलती है तो उससे भूकम्प नहीं आते मगर जब धरती के नीचे सब कुछ अधिक पैमाने पर होता है तो पृथ्वी का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह प्रभावित होता है।

भूकम्प पीड़ितों के दुखों का अनुमान नहीं लगा सकते। किन्तु दूरदर्शन पर देखकर और समाचार पत्र पढ़ कर हमें ज्ञात होता है कि उनके साथ क्या घटित हुआ। सब अपने परिवारों से बिछुड़ जाते हैं। घरबार, धन दौलत सब कुछ समाप्त हो जाता है।

जापान में प्रायः भूकम्प आते रहते हैं अतः वहाँ लकड़ी के मकान बनाए जाते हैं जिससे जान माल का नुकसान कम हो।

भूकंप के आने पर हमें कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए जैसे भूकंप महसूस होते ही घर से बाहर निकलकर खुली जगह पर चले जाना चाहिए, कमरे से बाहर न निकल पाने की स्थिति में कमरे के किसी कोने या किसी मजबूत फर्नीचर के नीचे छिप जाना चाहिए,घर के बाहर निकलकर कभी भी

बिजली, टेलीफोन के खंभे या पेड़-पौधों के नीचे न खड़े नहीं होना चाहिए कमरे मौजूद सभी बिजली के उपकरणों को बंद कर देना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में लिखिए।

रामदेवी छात्रालय
सुभाष मार्ग
नागपुर।
22 फरवरी 20..
आदरणीय माताजी
सादर प्रणाम।
मैं यहाँ ठीक हूँ। आशा करती हूँ, आप सब वहाँ सकुशल होगे।
आप सबको छोड़कर पहली बार अकेली रह रही हूँ। मुझे आप सभी की बहुत याद आती है। पहले दो-तीन दिन जरा भी मन नहीं लगा परंतु अब बहुत-सी लड़कियाँ मेरी सहेलियाँ बन गई है। यहाँ के शिक्षक भी बहुत अच्छे है। कपड़े धोना, बिस्तर लगाना, सभी वस्तुएँ ठीक जगह पर रखना मैं सीख रही हूँ।
मैं यहाँ मन लगाकर पढ़ रही हूँ।
पिताजी को मेरा प्रणाम और छोटी को प्यार देना।
तुम्हारी लाड़ली
मीना

2. अंग्रेजी शिक्षक न होने के कारण हो रही कठिनाई की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर शीघ्र व्यवस्था करने का अनुरोध कीजिए।

सेवा में,

प्रधानाचार्य
आदर्श शिशु विहार
जयपुर
दिनाँक : 1 जुलाई 2015
विषय : अंग्रेजी शिक्षक शीघ्र व्यवस्था करने हेतु अनुरोध पत्र।
महोदय
मैं विद्यालय का हेड बॉय होने के कारण आपका ध्यान कक्षा दसवीं में एक महीने बीत जाने पर भी अंग्रेजी शिक्षक न होने की ओर दिलाना चाहता हूँ। गत एक महीने से हमारी नियमित रूप से अंग्रेजी की कक्षाएँ नहीं हो रही है। कभी-कभी अन्य श्रेणी के अंग्रेजी अध्यापक हमें आकर पढ़ाते जरुर हैं लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। आप को तो पता ही होगा कि हमारे लिए यह वर्ष कितना महत्त्वपूर्ण है।
अत: आपसे निवेदन है कि आप हमारी इस समस्या की ओर ध्यान देकर अति शीघ्र इसे सुलझाने का प्रयास करेंगे।
आपका आज्ञाकारी छात्र
सौरभ गुप्ता
हेड बॉय
कक्षा - दसवीं 'अ'

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। इस जीवन का आधार यज्ञ

होता है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। चारों वेदों में कहा गया है धरती का केंद्र या आधार यज्ञपूर्ण जीवन ही है, यानी सत्कर्मों पर ही यह धरती टिकी हुई है। इसलिए कहा गया है कि यदि पृथ्वी को बचाना है तो श्रेष्ठ कर्मों की तरफ़ समाज को लगातार प्रेरित करने के लिए कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है। अपकारी यानि दूसरों को परेशान और दुख देने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन या शैतानी ज़िदगी कही जाती है। इस तरह के जीवन से ही समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। इस धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा। सत्कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब हम सोच-विचार कर कर्म करेंगे। विचार के साथ किया हुआ कर्म ही अपना हित तो करता है परिवार, समाज और दुनिया का भी इससे भला होता है। जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्‌गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

1. यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है?

   उत्तर : जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन कहा जाता है।

2. सामान्य जीवन क्या है?

उत्तर : सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है।

3. धरती को सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?

उत्तर : धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा।

4. जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या ज़रूरी है?

उत्तर : जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्‌गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

5. शास्त्र में यज्ञ किसे कहा गया है?

उत्तर : शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए : [2]

आर्दश, महाअन, परिस्थित, हस्ताक्षेप

उत्तर : आदर्श, महान, परिस्थिति, हस्तक्षेप

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखें : [1]

- वरदान - अभिशाप
- सज्जन - दुर्जन

3. निम्नलिखित मुहावरों को उचित शब्दों से पूरा कीजिए : [2]

i. दाँतों तले उँगली दबाना

ii. बहती गंगा में हाथ धोना।

4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तनकीजिए : [3]

1. तुम्हें मुझसे क्यों मिलना है? ('तुम्हें' के स्थान पर 'तुम' का प्रयोग करें।)

उत्तर : तुम मुझसे क्यों मिलना चाहते हो?

2. एक हाथी जंगल में बाघ को देखकर भगाने लगा। (रेखांकित शब्दों का लिंग बदलकर वाक्य पुन: लिखें।)

उत्तर : एक हथिनी जंगल में बाघिन को देखकर भागने लगी।

3. हमें अपनी जान से नहीं,देश से प्रेम है। ('हम' से वाक्य प्रारंभ कीजिए।)

उत्तर : हम अपनी जान से नहीं देश से प्रेम करते हैं।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मगर एक आदमी की जान का सवाल है।"

पाठ - जामुन का पेड़
लेखक - कृष्ण चंदर

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : जब फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के आदमी आरी, कुल्हाड़ी लेकर पहुँचे तो उन्हें पेड़ काटने से रोक दिया गया। मालूम हुआ कि विदेश-विभाग से हुक्म आया था कि इस पेड़ को न काटा जाए करण यह था, कि इस पेड़ को दस वर्ष पूर्व पिटोनिया राज्य के प्रधानमंत्री ने लगाया था। अब यदि इस पेड़ को काटा गया तो पिटोनिया सरकार से हमारे देश के संबंध सदा के लिए बिगड़ सकते थे। इसी बात के संदर्भ में एक क्लर्क ने चिल्लाते हुए इस कथन को कहा।

2. विदेश विभाग ने पेड़ न काटने का हुक्म क्यों दिया? [2]

उत्तर : पेड़ को दस वर्ष पूर्व पिटोनिया राज्य के प्रधानमंत्री ने सेक्रेटेरियट के लॉन में लगाया था। अब यदि इस पेड़ को काटा गया तो पिटोनिया सरकार से हमारे देश के संबंध सदा के लिए बिगड़ सकते थे। इस कारण विदेश विभाग ने पेड़ न काटने का हुक्म दिया।

3. अंत में पेड़ काटने की अनुमति कैसे मिलती है? [3]

उत्तर : विदेश विभाग अंत में फाइल लेकर प्रधानमंत्री के पास पहुँचते हैं। प्रधानमंत्री सारी अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारी अपने सिर पर लेते हुए उस पेड़ को काटने की अनुमति दे देते हैं। अत: इस प्रकार फाइलें कई विभागों से गुजरते हुए अंत में जाकर प्रधानमंत्री द्वारा स्वीकृत होती है।

4. क्या अंत में उस व्यक्ति को पेड़ के नीचे से निकाल लिया जाता है? यदि नहीं तो क्यों स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : नहीं, अंत में उस व्यक्ति को पेड़ के नीचे से निकाल लिया जाता है क्योंकि सरकारी विभाग के अधिकारी जामुन के पेड़ को हटाने तथा उस व्यक्ति को बचाने की बजाए फाइलें बनाने तथा उन फाइलों को अलग-अलग विभागों में पहुँचाने में लगे हुए थे और अंत में जब तक फैसला आया तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उस व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भेड़ों ने देखा तो वह बोली, "अरे भागो, यह तो भेड़िया है।"

पाठ - भेड़ें और भेड़िए

लेखक - हरिशंकर परसाई

1. बूढ़े सियार ने सियारों को क्यों रंगा? **[2]**

उत्तर : बूढ़े सियार ने भेड़ियों का चुनाव-प्रचार तथा भेड़ों को भ्रमित और गुमराह करने के लिए सियारों को रंगा था।

वन-प्रदेश में प्रजातंत्र की स्थापना से भेड़िये डर गए थे तब भेड़ियों की रक्षा करने के लिए बूढ़े सियार ने एक योजना बनाई जिसके अंतर्गत उसे भेड़ियों का प्रचार करना था और भेड़ों को यह विश्वास दिलाना था कि भेड़ों के लिए उपयुक्त उम्मीदवार भेड़िये ही है अपनी इस योजना को सफल बनाने के लिए ही उसने सियारों को रंगा था।

2. तीनों सियारों का परिचय किस प्रकार दिया गया? **[2]**

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए सियार ने तीन सियारों को क्रमशः पीले, नीले और हरे में रंग दिया और भेड़ों के सामने उनका परिचय इस प्रकार दिया कि पीले रंगवाला सियार विद्वान, विचारक, कवि और लेखक है, नीले रंगवाले सियार को नेता और स्वर्ग का पत्रकार बताया गया और वहीँ हरे रंगवाले सियार को धर्मगुरु का प्रतीक बताया गया।

3. बूढ़े सियार ने भेड़िये का रूप क्यों बदला और उसे क्या सलाह दी? **[3]**

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए बूढ़े सियार ने अपने साथियों को रंगने के बाद भेड़िये के रूप को भी बदला।

भेड़िये का रूप बदलने के बाद बूढ़े सियार ने उसे तीन बातें याद रखने की सलाह दी कि वह अपनी हिंसक आँखों को ऊपर न उठाए, हमेशा जमीन की ओर ही देखें और कुछ न बोलें और सब से जरुरी बात सभा में बहुत-सी भेड़ें आएगी गलती से उनपर हमला न कर बैठना।

4. पहले भेड़ें क्यों भागने लगीं? **[3]**

उत्तर : बूढ़े सियार ने एक संत के आने की खबर पूरे वन-प्रदेश में फैला रही थी इसलिए उसको देखने के लिए भेड़ें बड़ी संख्या में सभा-स्थल पर मौजूद थीं। पर जब उन्होंने अपने सामने संत के रूप में भेड़िये को देखा तो वे डर के मारे भागने लगीं।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट इस बात को न समझ सका। उसे डिबेटिंग - क्लब में अपनी बात पर अड़ने की आदत थी, इन हथकंडों की उसे क्या खबर?

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. यहाँ पर इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट किसे संबोधित किया जा रहा है और वह क्या नहीं समझ पा रहा था? [2]

उत्तर : यहाँ पर बेनी माधव सिंह के के बड़े पुत्र श्रीकंठ को अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट संबोधित किया जा रहा है।

श्रीकंठ अपनी पत्नी की शिकायत पर अपने पिता के सामने घर से अलग हो जाने का प्रस्ताव रखता है।जिस समय वह ये बातें करता

है वहाँ पर गाँव के अन्य लोग भी उपस्थित होते हैं। बेनी माधव अनुभवी होने के कारण घर के मामलों को घर में ही सुलझाना चाहते थे और यही बात श्रीकंठ को समझ नहीं आ रही थी। पिता के समझाने पर भी वह लोगों के सामने घर से अलग होने की बात दोहरा रहा था।

2. बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए क्या किया?

उत्तर : अनुभवी बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए कहा कि वे उसकी बातों से सहमत है श्रीकंठ जो चाहे कर सकते हैं क्योंकि उनके छोटे बेटे से अपराध तो हो ही गया है साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बुद्धिमान लोग मूर्खों की बात पर ध्यान नहीं देते। लालबिहारी बेसमझ लड़का है उससे जो भी भूल हुई है उसे श्रीकंठ बड़ा होने के नाते माफ़ कर दे।

3. गाँव के लोग बेनी माधव सिंह के घर आकर क्यों बैठ गए थे?

उत्तर : गाँव में कुछ कुटिल मनुष्य ऐसे भी थे जो बेनी माधव सिंह के संयुक्त परिवार और परिवार की नीतिपूर्ण गति से जलते थे उन्हें जब पता चला कि अपनी पत्नी की खातिर श्रीकंठ अपने पिता से लड़ने चला है तो कोई हुक्का पीने, कोई लगान की रसीद दिखाने के बहाने बेनी माधव सिंह के घर जमा होने लगे।

4. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें।

उत्तर : श्रीकंठ क्रोधित होने के कारण अपने पिता से सबके सामने लड़ पड़ते हैं। पिता नहीं चाहते थे कि घर की बात बाहर वालों को पता चले परंतु श्रीकंठ अनुभवी पिता की बातें नहीं समझ पाता और लोगों के सामने ही पिता से बहस करने लगता है। उपर्युक्त कथन श्रीकंठ की इसी नासमझी को बताने के लिया कहा गया है।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन॥
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के॥
साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥
कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. 'गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय' - पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में गिरिधर कविराय ने मनुष्य के आंतरिक गुणों की चर्चा की है। गुणी व्यक्ति को हजारों लोग स्वीकार करने को तैयार रहते हैं लेकिन बिना गुणों के समाज में उसकी कोई महत्ता नहीं। इसलिए व्यक्ति को अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

2. कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि क्या स्पष्ट करते हैं? [2]

उत्तर : कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि कहते है कि जिस प्रकार कौवा और कोयल रूप-रंग में समान होते हैं किन्तु दोनों की वाणी में ज़मीन-आसमान का फ़र्क है। कोयल की वाणी मधुर होने के कारण वह सबको प्रिय है। वहीं दूसरी ओर कौवा अपनी कर्कश वाणी के कारण सभी को अप्रिय है। अत: कवि कहते हैं कि बिना गुणों के समाज में व्यक्ति का कोई नहीं। इसलिए हमें अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3. संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है? [3]

उत्तर : कवि कहते हैं कि संसार में बिना स्वार्थ के कोई किसी का सगा-संबंधी नहीं होता। सब अपने मतलब के लिए ही व्यवहार रखते हैं। अत:इस संसार में मतलब का व्यवहार प्रचलित है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- काग - कौवा
- बेगरजी - नि:स्वार्थ
- विरला - बहुत कम मिलनेवाला
- सहस - हजार
- व्यवहार - बर्ताव
- प्रीति - प्यार, प्रेम

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी

‘क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की’
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए
कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. 'क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि नायिका को यह भ्रम था कि उसके प्रिय अर्थात् मेघ नहीं आएँगे परन्तु बादल रूपी नायक के आने से उसकी सारी शंकाएँ मिट जाती है और वह क्षमा याचना करने लगती है।

2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]

   उत्तर : लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में से देखा क्योंकि एक तो वह बादल को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी और दूसरी ओर वह बादलों के देरी से आने के कारण रूठी हुई भी थी।

3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]

   उत्तर : कवि ने पीपल के पेड़ के लिए 'बूढ़े' शब्द का प्रयोग किया है क्योंकि पीपल का पेड़ दीर्घजीवी होता है। जिस प्रकार गाँव में मेहमान आने पर बड़े-बूढ़े आगे बढ़कर उसका अभिवादन करते हैं वैसे ही मेघ रूपी दामाद के आने पर गाँव के बुजुर्ग पीपल का पेड़ आगे बढ़कर उनका स्वागत करते हैं।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

   - बरस - वर्ष
   - सुधि - सुध

- अकुलाई - व्याकुल
- ढरके - ढलकना
- क्षमा - माफ़ी
- भरम - संदेह, संशय

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
झरने अनेक झरते जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़िया चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है, तन मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि ने भारत के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया है? [2]
उत्तर : कवि ने भारत के लिए जन्मभूमि, मातृभूमि, धर्मभूमि तथा कर्मभूमि विशेषणों का प्रयोग किया है।

2. झरने कहाँ झरते हैं? [2]
उत्तर : झरने भारत माता की पवित्र पहाड़ियों पर झरते हैं।

3. भारत की हवा कैसी है? उसका हम पर क्या प्रभाव होता है? [3]
उत्तर : भारत में बहने वाली हवा सुगंधित है। यह हमारे तन-मन को सँवारती है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
- अमराइयाँ - आम के पेड़ों के बाग

- मलय - पर्वत का नाम
- पवन - हवा
- तन - शरीर, काया
- कोयल - कोकिल
- चिड़िया - खग

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त अवतरण का वक्ता परेश है जो कि तहसीलदार है। इस समय वह अपनी पत्नी बेला से फ़र्नीचर के बाबत बहस कर रहा है।

   बेला पढ़ी-लिखी और आधुनिक विचारधारा को मानने वाली स्त्री है। वह घर के पुराने फ़र्नीचर को बदलना चाहती है और इसलिए वह इस बात पर अपने पति परेश से बहस करती है।

2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]

   उत्तर : बेला जो की घर की छोटी बहू है, बड़े घर से ताल्लुक रखती है। घर की इकलौती लड़की होने के कारण उसे अपने घर में बहुत अधिक लाड़-प्यार, मान सम्मान और स्वच्छंद वातावरण मिला था। उसके विपरीत उसका ससुराल एक संयुक्त परिवार था जो

घर के दादाजी की छत्रछाया में जीता था। यहाँ के लोग सभी पुराने संस्कारों में ढले हैं।

3. बेला की फ़र्नीचर के बारे क्या राय थी? [3]

उत्तर : बेला बड़ी घर की एकलौती बेटी होने के कारण अपने मायके में लाड़-प्यार से पली-बढ़ी थी। यहाँ ससुराल में सभी पुराने संस्कारों को मानने वाले थे अत:घर की कोई भी चीज को बदलना नहीं चाहते थे। बेला की राय में कमरे का फ़र्नीचर सड़ा-गला और टूटा-फूटा है और वह इस प्रकार के फ़र्नीचर को अपने कमरे में रखने की बिल्कुल भी इच्छुक नहीं थी।

4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

उत्तर : वक्ता परेश पढ़ा-लिखा और तहसीलदार पद को प्राप्त किया युवक है परंतु संयुक्त परिवार में रहने के कारण उसे घर के माहौल के साथ ताल-मेल बिठाकर कार्य करना होता है। उसकी पत्नी बेला को कमरे का फ़र्नीचर टूटा-पुराना और सड़ा-गला लगता है तो इस पर वक्ता कहता है कि यह वही फ़र्नीचर है जिस पर उसके दादा, पिता और चाचा बैठा करते थे। उन्होंने तो कभी फ़र्नीचर की ऐसी शिकायत नहीं की और यदि इस फ़र्नीचर को वह कमरे में न रखे तो उसके परिवार इसे ठीक नहीं समझेंगे। अत:वक्ता अपने कमरे का फ़र्नीचर बदलना नहीं चाहता था।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य बनवीर धाय पन्ना से कहता है जब वह कुँवर को मारने जाता है और पन्ना उन्हें रोकने का प्रयास करती है। पन्ना उसे कहती है कि वह कुँवर को लेकर संन्यासिनी बन जाएगी, वह चाहे तो ताज रख लें परंतु कुँवर के प्राण बक्श दें।

2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]

उत्तर : पन्ना धाय को जैसे ही बनवीर के षडयंत्र का पता चला वैसे ही पन्ना ने सोये हुए कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया।

3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]

उत्तर : पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

उत्तर : महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा।

पन्ना धाय स्वर्गीय महाराणा साँगा की स्वामिभक्त सेविका है। वह कर्तव्यनिष्ठ तथा आदर्श भारतीय नारी है। वह हमेशा कुँवर

की सुरक्षा का ध्यान रखती है।

सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है। परंतु वह नहीं मानती।

बनवीर ने दीपदान उत्सव का आयोजन किया। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है।

तभी किसी ने पन्ना को यह खबर दी और पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान को जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी की विदा करना चाहती हो तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. वक्ता और श्रोता कौन है? [2]

उत्तर : वक्ता जीवन लाल, कमला के ससुर है और श्रोता प्रमोद है जो अपनी बहन कमला की विदा के लिए उसके ससुराल आया है।

2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]

उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची

और असंवेदनशील व्यक्ति है।

3. जीवनलाल के अनुसार किस वजह से उनके नाम पर धब्बा लगा है? [3]

उत्तर : जीवनलाल के अनुसार बेटे की शादी में बहू कमला के परिवार वालों ने उनकी हैसियत के हिसाब से उनकी खातिरदारी नहीं की तथा कम दहेज दिया। इससे उनके मान पर धब्बा लगा है।

4. 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने कहते हैं।

नया रास्ता
(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

माँ ने उसे सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया, "बेटी, एक देदीप्यमान नक्षत्र बनकर तुम जग को प्रकाशमय कर दो। जीवन की सारी खुशियाँ तुम्हारे पास हों, तुम अपने उद्धेश्य प्राप्ति में सफल हो, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।"

1. मीनू के मन में किस प्रकार के भाव उभरते रहते थे? [2]

उत्तर : मीनू अपनी जीवन की परिस्थितियों से विवश होकर कई बार वह हीन भावना से ग्रसित हो जाती थी उसे ऐसा आभास होने लगता था कि उसका जीवन व्यर्थ है जल्द की वह अपनी भावनाओं पर काबू भी पा लेती थी कि उस जैसी होनहार युवती के लिए इस तरह की भावना उचित नहीं है।

2. मीनू को वकालत करने की आज्ञा किस तरह मिली? [2]

उत्तर : बचपन से मीनू की इच्छा वकील बनने की थी परंतु मीनू के माता-पिता उसे होस्टल नहीं भेजना चाहते थे। पर मीनू की वकील बनने के प्रति लगन ने उन्हें आज्ञा देने के लिए मजबूर कर दिया।

3. किस कल्पना से मीनू सिहर उठती थी? [3]

उत्तर : मीनू पहली बार आपने माता-पिता से अलग हो रही थी अभी तक हमेशा अपने भाई-बहन के साथ मिलकर पढ़ाई करते हुए बड़ी हुई थी अचानक उन सबसे दूर हो जाने की कल्पना से ही मीनू सिहर उठती थी।

4. होस्टल पहुँचने के बाद शुरू में मीनू को कैसा लगा? [3]

उत्तर : होस्टल में पहुँचने के बाद कई दिनों तक मीनू का दिल बिल्कुल भी नहीं लगा। उसे कुछ नया और अजीब सा प्रतीत होता रहता था। शुरू में वहाँ उसकी अधिक सहेली भी नहीं बन पाई थी। वह अपना अधिकतर समय पुस्तकों के साथ ही बिताती थी।

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे ! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके हृदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर

नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर मीनू की अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण आया है।

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

   उत्तर : मीनू को जब उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है तब वह उसे अतीत की बातें याद आने लगती है कि किस प्रकार अतीत में कई बार उसे कई लड़के ना-पसंद कर चुके थे। उन बातों को याद कर मीनू उदास हो जाती है।

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : मीनू साधारण नैन-नक्श की साँवले रंग-रूप की लड़की थी जिसके कारण उसे कोई भी पसंद नहीं कर रहा था। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि मीनू गुणों से भरी हुई लड़की थी पर सभी ऊपरी चमक-दमक को ही महत्त्व दे रहे थे।

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

   उत्तर : मीनू को उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है। तब वह अतीत की यादों में खो जाती है और उदास हो जाती है परंतु फिर अपनी स्थिति को संभाल कर अपनी सहेलियों के साथ पूर्वनियोजित योजनानुसार बाहर चली जाती है।

Solution

I.C.S.E

कक्षा : X (2017)

हिन्दी

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections ; ***Section A*** *and* ***Section B.***
Attempt ***All*** *the questions from* ***Section A.***
Attempt any ***four*** *questions from* ***Section B****, answering at least* ***one*** *question each from the* ***two*** *books you have studied and any* ***two*** *other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION - A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं तथा हमारी सच्ची मित्र एवम् गुरु भी होती है। हाल ही में पढ़ी गई अपनी किसी पुस्तक के विषय में बताते हुए लिखिए कि वह आपको पसंद क्यों आई आपने उससे क्या सीखा?

   पुस्तक ज्ञान का अकूत भंडार ही नहीं हमारे सच्चे मित्र भी हैं। पुस्तक के बगैर ज्ञान की कल्पना नहीं की जा सकती है। पुस्तकें तो सर्वत्र सहजता से उपलब्ध हो जाती हैं। ज्ञान का महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं- पुस्तकें। आज संसार की प्राचीनतम पुस्तकें भी हमें उपलब्ध हैं। प्रत्येक भाषा में विपुल

साहित्य उपलब्ध है। प्रत्येक मनुष्य अपनी क्षमता के अनुसार अध्ययन करके अपने ज्ञान क्षितिज का विस्तार कर सकता है।
हाल ही मैं मैंने बेबी हालदार की जीवनी पढ़ी कि किस तरह अपने पति के अत्याचारों से तंग आकर वह अपना घर अपने नन्हें-नन्हें बच्चों के साथ छोड़ देती है और घरेलु नौकरानी बन जाती है। अलग हो जाने के बाद अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष, बच्चों का पालन-पोषण वह कैसे करती है। वहीँ एक घर में काम करने पर उसे घर के मालिक उसे हर प्रकार की सहायता देते हैं और लिखने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्हीं के कारण दिन-भर काम में जुटी रहने के बावजूद जितना भी समय उसे मिलता वह अपने बचपन से लेकर वर्तमान तक कि बातों का लेखा-जोखा लिखती रहती। बेबी हालदार की कहानी अपने आप में एक मिसाल है कि मनुष्य चाहे तो क्या नहीं कर सकता। बेबी हालदार के जीवन में कई कठिनाइयाँ आईं पर उसने अपने जीवन से हार नहीं मानी और सारी जिम्मेदारियों को पूरा करते हुए एक सफल लेखिका भी बनी।

2. 'पर्यावरण है तो मानव है' विषय को आधार बनाकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आप क्या-क्या प्रयास कर रहे हैं? विस्तार से लिखिए।
पर्यावरण शब्द का अर्थ होता है - हमारे चारों ओर का आवरण। पर्यावरण का सीधा संबंध प्रकृति से है। अपने परिवेश में हम तरह-तरह के जीव-जन्तु, पेड़-पौधे तथा अन्य सजीव-निर्जीव वस्तुएँ पाते हैं। ये सब मिलकर पर्यावरण की रचना करते हैं। पर्यावरण हमारे जीवन को प्रभावित ही नहीं बल्कि हमारी उस पर निर्भरता है। हम बिना पर्यावरण के इस संसार की कल्पना भी नहीं कर सकते। पर्यावरण है तो हम हैं। मानवीय हस्तक्षेप के कारण दिन-प्रति-दिन नुकसान पहुँचता जा रहा है। लोग इसके प्रति थोड़ा भी जागरूक नहीं है। पर्यावरण को बचाना है तो इसके लिए सबसे जरुरी है लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत और जागरूक करना। मैं अपनी और से इसी के लिए कार्य करना चाहूँगा। पर्यावरण को लेकर मैं अपने विद्यालय के शिक्षक और बच्चे मिलकर कई कार्य करते हैं। पर्यावरण की सुरक्षा तभी संभव है जब लोग इसके फायदे ओर नुकसान से परिचित होंगें

ओर इसलिए हमारे विद्यालय से नेचर रक्षक नामक एक संस्था बनाई है जो इसी दिशा में कार्य करती है। हम हर महीने आसपास की सोसायटियों में जाते हैं और स्थानीय रहिवासियों को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हैं। हम उन्हें समझाते हैं कि यदि वे अपने आने वाली पीढ़ी को एक अच्छा भविष्य देना चाहते हैं तो वह उपहार होगा पर्यावरण। हम घर- घर जाते हैं और लोगों को जल की बर्बादी न करने की सलाह देते हैं। हम पानी का उपयोग कम-से-कम कैसे करें यह उन्हें समझाते है। प्लास्टिक के अन्य विकल्पों के उन्हें जानकारी देते हैं। हम हर तीन महीने में वृक्षारोपण करते है न केवल रोपण पर उन वृक्षों की देखभाल भी करते हैं। इस तरह से मैं और मेरा विद्यालय अपनी संस्था द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य कर रहें हैं।

3. कम्प्यूटर तथा मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जरूरत का साधन अधिक बन गए हैं। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए।

   कंप्यूटर तथा मोबाइल आज लोगों के जीवन की प्राथमिक आवश्यकता बन चुका है। कम्प्यूटर कम समय में एक से अधिक कार्य संपन्न कर सकता है। ये कम समय खर्च करते हुए अकेले ही कई इंसानों के बराबर काम करने के योग्यता रखता है। आज मानव की कंप्यूटर तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती जा रही है। कोई भी अपने जीवन की कल्पना बिना कंप्यूटर के नहीं कर सकता, क्योंकि इसने हर जगह अपने पैर पसार लिये है और लोग इसके आदि बन चुके है।

   आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी

करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सब-कुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। ई कॉमर्स और ई बाजार की दिनानुदिन बढ़ती लोकप्रियता ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। ई बैंकिंग ने बैंकिंग सेवाओं को खाताधारकों के द्वार तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। इसका दुरुपयोग भी होता है- वाइरस,अश्लील तस्वीरें भेजना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि।
अब यदि मोबाइल की बात करें तो इसके कई सारे फायदे मल्टीटास्किंग है कई सारे काम हम इसके जरिए आसानी से कर पाते हैं।
संवाद के लिए सबसे अच्छा साधन है हम कोसों दूर रहने वालों से भी पलक झपकते ही बात कर सकते हैं। जिन से हम मिल नहीं सकते उन्हें भी हम इस सेवा द्वारा आमने - सामने देखकर बातें कर पाते हैं।
ये हमारा ज्ञान बढ़ाने में भी उपयुक्त है इसके जरिए हम घर बैठे भी कई नए विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल के फायदे तो हैं ही पर सके साथ कई नुक्सान भी जुड़ें हैं-
आजकल के विद्यार्थी पढ़ने के बजाय घंटों फोन पर लगे रहते हैं। बच्चे दिनभर मोबाइल में या कम्प्यूटर पर अपनी आँखों को गड़ाए रहते जिससे आँखों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है कम्प्यूटर और मोबाइल के कारण एक ही जगह पर बैठने से कई बच्चे मोटापे के शिकार होते जा रहे है। खेल-कूद में उनकी अरुचि हो गई है और इसका सीधा असर उनकी सेहत पर पड़ रहा है। मोबाइल और कम्प्यूटर के कारण बच्चे अपना काफी सारा खेलने और पढ़ने का समय खो देते हैं। इससे समय का दुरपयोग होता है। मोबाइल हमें अपनों से भी दूर करते हैं। परिवारवालों से दूर हो जाते है। एक ही घर मैं सभी अजनबियों सा बर्ताव करने लगते हैं क्योंकि हर कोई मोबाइल से चिपका होता है, इसलिए संवाद की कमी होने लगती है।
कई बात इससे दुर्घटनाएँ भी होती है। गाड़ी चलाते समय लोग वाहन चलाते रहते हैं और दुर्घटनाओं को अंजाम दे देते हैं सड़क पार करते हुए लोग मोबाइल पर बात करते रहते है जिससे भी कई बार लोग दुर्घटनाओं

का शिकार हो जाते हैं। बच्चे इस से गलत आदत का शिकार भी हो रहे हैं अश्लील सन्देश, वीडियों बच्चों की कोमल भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं।

समय की माँग है कि इंटरनेट पर घटित हो रही अवांछित गतिविधियों पर यथाशीघ्र अंकुश लगाया जाय और इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए कठोर वैधानिक प्रावधान लाए जायें। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मोबाइल और कम्प्यूटर समय की माँग हैं परन्तु इसके उचित उपयोग से ही हम विज्ञान के इस साधन का फ़ायदा उठा सकते हैं।

4. अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखिए।

अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो।" मैं कितना खुशनसीब हूँ कि मुझे तुम जैसा मित्र प्राप्त हुआ। सच मैं रोहन, तुम न होते तो, मैं आज यह दिन न देख पाता। गणित शुरू से मेरा कमजोर विषय रहा है। इस वजह से हमेशा ही मुझे कक्षा में शिक्षकों और छात्रों के हँसी का पात्र बनना पड़ता था। फिर एक दिन तुमने हमारे विद्यालय में प्रवेश लिया और मेरी जिंदगी बदल गई पहले ही दिन तुम मेरी बगल में बैठे और मेरे अभिन्न मित्र बन गए। मैं सोचता था कि तुम जैसा होनहार मेरी मित्रता क्यों स्वीकार करेगा? पर नहीं तुम न केवल मेरे मित्र बने बल्कि तुमने मुझे अपनी कमजोरियों पर भी विजय प्राप्त करना सिखाया। सच में रोहन तुम्हें जैसे ही पता चला कि मुझे गणित में दिक़्कत तुमने मुझे इस विषय के प्रति मेरे डर भगाने में मेरी सहायता शुरू कर दी। स्कूलके बाद तुम मुझे गणित सिखाते और धीरे- धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया और मैं गणित में विशेज़ता हासिल करता गया। ये तुम्हारी ही मेहनत का ही परिणाम है कि मुझे इस वर्ष गणित में शत-

प्रतिशत अंक मिले। इसके पहले मेरे माता -पिता हमेशा तनाव ग्रस्त रहते थे कि मेरा क्या होगा? कैसे मैं बिना गणित के आगे बढ़ूँगा। रोहन तुमने न केवल मेरा बल्कि मेरा माता -पिता का जीवन भी खुशहाल बना दिया। मैं तहे दिल से तुम्हें धन्यवाद देना चाहता हूँ और यह कहना चाहता हूँ कि तुम इसी प्रकार मेरे दोस्त बने रहना।

5. प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र में हमें चार बालिकाएँ कुछ बनाते हुए दिखाई दे रही हैं। जहाँ पर बैठकर वह यह कार्य कर रही वो बहुत ही छोटा और असुविधा जनक है। बाल मजदूरी भारत ही नहीं विदेशों में एक बड़ा मुद्दा है। गैर-जिम्मेदार माता-पिता की वजह से, या कम लागत में निवेश पर अपने फायदे को बढ़ाने के लिये मालिकों द्वारा जबरदस्ती बनाए गए दबाव की वजह से जीवन जीने के लिये जरुरी संसाधनों की कमी के चलते ये बच्चों द्वारा स्वत: किया जाता है, इसका कारण मायने नहीं रखता क्योंकि सभी कारकों की वजह से बच्चे बिना बचपन के अपना जीवन

जीने को मजबूर होते है। इन सभी को देखकर मुझे अपने दफ्तर के बाहर चायवाले के ठेले पर काम करते हुए मुनवा की याद आ जाती है। हम सहकर्मी करीब रोज ही चाय के शौक़ीन राजू चायवाले के ठेले पर पहुँच जाते थे। एक दिन अचानक एक मरियल सा लड़का हमारे सामने खड़ा हुआ और बोला बाउजी चाय। अरे! भाई, 'इस प्राणी को कहाँ से पकड़ लाये हम सभी सस्वर बोले।' राजू ने बताया आज सुबह जब वो चाय का ठेला खोलने आया तो यह नीचे सोया पड़ा था बस तब से ये मेरे साथ है। मुनवा की उम्र यही कोई बारह-तेरह वर्ष होगी, मैले कुचले कपड़े, नंगें पैर बड़ी फूर्ति से अपना काम संभाले जा रहा था उसे देखकर मैं सोचने लगा भाग्य की कैसी विंडबना है कहीं-कहीं इस उम्र के बच्चे अपने हाथ से पानी भी नहीं पीते और एक यह है कि इस उम्र में अपना पेट पालने को मजबूर हैं।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) आपके क्षेत्र में एक ही साधारण सा सरकारी अस्पताल है, जिसके कारण आम जनता को बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन परेशानियों का उल्लेख करते हुए, एक और सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने का अनुरोध करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

सेवा में

स्वास्थ्य अधिकारी

बिनसार

उत्तराखंड

विषय : सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने के संदर्भ में पत्र।

महोदय

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र की ओर दिलाना चाहता हूँ हमारे क्षेत्र में सामान्य सा सरकारी अस्पताल है जहाँ पर अकसर कोई डॉक्टर मौजूद नहीं रहता। वहाँ किसी भी प्रकार की बीमारी की जाँच करने के उपकरण और दक्ष विषेशज्ञ भी मौजूद नहीं हैं। अस्पताल इतना छोटा है कि मरीजों को बाहर धूप में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। इसके कारण छोटी -छोटी बीमारियों के लिए भी कई किलोमीटर दूर बड़े अस्पताल जाना पड़ता है जिसके कारण स्थानीय नगरवासियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रास्ते में ही कितने मरीजों की हालत बहुत अधिक बिगड़ जाती है अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि हमारे इलाके में एक सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने का कष्ट करें। आशा करता हूँ कि आप इस अनुरोध की ओर ध्यान देकर उचित कार्यवाही करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

कमल शर्मा

2/42, सरला निवास,

राम नगर,

बिनसार

उत्तराखंड

दिनाँक - 27 फरवरी 2017

(ii) ओलम्पिक में अपने देश के बढ़ते कदम देख कर आपको बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। इस वर्ष के ओलम्पिक की उपलब्धियों को बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

102, मोहनगंज

गली नं - 5

रायपुर

दिनाँक - 2 अगस्त 2014

प्रिय कार्तिक

मधुर स्मृति।

मैं यहाँ पर सकुशल हूँ तथा तुम्हारी सकुशलता की कामना करता हूँ। मित्र मैं यह पत्र तुम्हें खास कर ओलम्पिक खेलों के बारे में बताने के लिए लिखा है क्योंकि मैंने सुना है तुम्हारा चयन राष्ट्र मंडल खेलों के लिए हुआ है। मैं तुम्हारी सफलता की कामना करता हूँ। कार्तिक मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है हमारा भारतवर्ष भी साल-दर साल ओलम्पिक में अपनी उपस्थिति दर्शा रहा है जैसा कि तुम्हें पता ही है ओलम्पिक खेल वर्तमान की प्रतियोगिताओं में अग्रणी खेल प्रतियोगिता है जिसमे हज़ारों एथेलीट कई प्रकार के खेलों में भाग लेते हैं। रियो ओलंपिक 2016 - 16 दिन तक चले खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ में अमरीका ने 46 गोल्ड मेडलों के साथ कुल 121 पदक जीत कर अपना दबदबा कायम रखा। वहीं ग्रेट ब्रिटेन दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने दो मेडल जीते। यह मैडल हमारे देश की दो लड़कियों, साक्षी मलिक और पीवी सिंधु ने जीता। ब्राजील के रियो में 5 अगस्त से शुरू हुए ओलंपिक खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी 31 अगस्त को मारकाना स्टेडियम में हुई। अब अगला ओलंपिक 2020 में टोक्यो में होगा।

एक बार पुनः तुम्हें खेल चयन के लिए बधाई और ढेरों शुभकामनाएँ। तुम्हारी यात्रा मंगलमय और आनंदमय हो।

शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र

रवि

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

पंजाब में उस वर्ष भयंकर अकाल पड़ा था। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी, "महाराज के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।" यह घोषणा सुनते ही गाँवों व शहरों से जरुरतमंदो की भीड़ राजमहल में उमड़ पड़ी।

उन दिनों लाहौर में एक सद्गृहस्थ बूढ़े सज्जन रहते थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था। अँधेरा होने पर वह शाही भण्डार के दरवाजे पर पहुँचे। द्वार खुला था किसी तरह की कोई जाँच-पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने बड़े संकोच से अपनी चादर को फैलाया, उसके कोने में थोड़ा सा अनाज बाँध लिया। ज्यादा अनाज उठाना उनके लिए मुश्किल था। इतने में पगड़ी बाँधे एक व्यक्ति वहाँ आया। उसने कहा, "भ्राताजी आपने तो काफी कम अनाज लिया है।" बूढ़े सज्जन ने कहा, "असल मे मैं बूढ़ा लाचार हूँ। इस अकाल में तो थोड़ा अनाज लेना ही सही है, जिससे सब जरुरतमंदो को मिल जाए।"

उस व्यक्ति ने बूढ़े की गठरी खोल दी। उसमें भरपूर अनाज भर दिया। बूढ़े सज्जन ने कहा, "मैं इतना अनाज नहीं उठा सकता और न ही इसकी मजदूरी का पैसा दे सकता हूँ।" इतने में उस अजनबी ने बूढ़े की गठरी अपने कन्धों पर ले ली और बूढ़े के पीछे-पीछे चल पड़ा। जब वे बूढ़े के घर द्वार पर पहुँचे तो वहाँ दो बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें देखते ही वे बोले - "बाबा,

कहाँ चले गए थे?" बूढ़ा खामोश रहा। अजनबी ने कहा, "घर में कोई बड़ा लड़का नहीं है?" वह बोला, "लड़का था लेकिन काबुल की लड़ाई में शहीद हो गया। अब बहू है तथा मेरे ये पोते हैं।" वह अजनबी बोला, "भाई जी धन्य है आप, जिनका बेटा देश के लिए शहीद हो गया।"

रोशनी में बूढ़े ने उस अजनबी को पहचान लिया। वे खुद महाराज रणजीत सिंह थे। बूढ़े ने पोतों से कहा, "इनके सामने दंडवत प्रणाम करों।" और स्वयं भी प्रणाम करने लगे और थोड़ी देर बाद बोले, "आज मुझसे बड़ा पाप हो गया। आपसे बोझा उठवाया।" "नहीं यह पाप नहीं, मेरा सौभाग्य था कि मैं शहीद के परिवार की सेवा कर सका। आप सबकी सेवा करना मेरा फ़र्ज है। अब आप जीवन भर हमारे साथ रहिए और हमें कृतार्थ कीजिए।"

1. राज्य को किस विपत्ति का सामना करना पड़ा था? उन दिनों वहाँ के राजा कौन थे और उन्होंने उस समस्या का क्या समाधान निकाला? [2]

   उत्तर : राज्य को अकाल का सामना करना पड़ा। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी कि उनके के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।

2. राजा ने राज्य में क्या घोषणा करवाई और क्यों [2]

   उत्तर : राजा ने राज्य में यह घोषणा करवा दी कि उनके के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।

3. बूढ़े आदमी के बारे में आप क्या जानते हैं? उनका पूर्ण परिचय दीजिए। [2]

   उत्तर : बूढ़ा लाहौर के एक सद्गृहस्थ बूढ़े सज्जन थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था।

4. बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा अनाज ही क्यों लिया था? कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस अजनबी व्यक्ति ने उस बूढ़े की कैसे सहायता की? [2]

उत्तर : बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा ही अनाज लिया क्योंकि वे बूढ़े थे और अधिक बोझ उठाने में असमर्थ थे।

एक अजनबी व्यक्ति ने जब यह देखा तो उन्होंने बूढ़े की सहायता का निश्चय किया। अजनबी व्यक्ति ने ढेर सारा अनाज उनकी पोटली में भर दिया और स्वंय उसे उसके घर तक छोड़ आते हैं।

5. इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश से हमें यह शिक्षा मिलती है कि एक राजा को कैसा होना चाहिए। राजा को सदैव अपनी प्रजा का ध्यान रखना चाहिए और विशेषकर देश के लिए प्राण अर्पण करने वाले शहीदों के परिवार का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।

Q. 4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]

- आनंद - हर्ष, मोद
- पुत्र - सूत, बेटा
- राक्षस - दानव, निशाचर

2. निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्दों के विलोम लिखिए : [1]

- आलस्य - स्फूर्ति
- सदाचार - अनाचार
- सामिष - निरामिष
- कृत्रिम - प्राकृतिक

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों को शुद्ध कीजिए : [1]
   - प्रतिस्टा - प्रतिष्ठा
   - ग्रन्थ - ग्रंथ
   - परीस्थती - परिस्थिति

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]
   अपना उल्लू सीधा करना, हाथ मलना।
   अपना उल्लू सीधा करना - वोट मिल जाने के बाद नेता अपना उल्लू सीधा करने में लगे रहते हैं।
   हाथ मलना - अब हाथ मलने से क्या फायदा यदि समय रहते अपने व्यवसाय पर ध्यान देते तो आज यह घाटे की नौबत न आती।

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :
   (a) विद्यार्थी को <u>जानने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए</u>। [1]
   (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिये।)
   उत्तर : विद्यार्थी को <u>जिज्ञासु</u> होना चाहिए।

   (b) इतनी आयु होने पर भी वह विवाहित नहीं है। [1]
   ('नहीं' हटाइए परन्तु वाक्य का अर्थ न बदले।)
   उत्तर : इतनी आयु होने पर भी वह अविवाहित है।

   (c) रात में सर्दी बढ़ जाएगी। [1]
   (अपूर्ण वर्तमान काल में बदलिए)
   उत्तर : रात में सर्दी बढ़ती जा रही है।

   (d) <u>अन्याय</u> का सब विरोध करते हैं। [1]
   (रेखांकित का विशेषण लिखते हुए वाक्य पुन: लिखिए)
   उत्तर : अन्यायी का सब विरोध करते हैं।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ)

(Sahitya Sagar – Short Stories)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता कि यह साजिश है। मैं नौकरी नहीं करना चाहता इसीलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं, पर एक और अपराध करने का साहस वह न जुटा पाया। उसकी आँखे खुल गई थीं।"

[बात अठन्नी की - सुदर्शन]

[Baat Athanni Ki - Sudarshan]

1. किसे कौन फँसा रहा था? उसने क्या अपराध किया था? [2]

उत्तर : इंजीनियर बाबू जगतसिंह अपने नौकर रसीला को फँसा रहे थे। रसीला वर्षों से इंजीनियर जगत सिंह का नौकर था। उसने कभी कोई बेईमानी नहीं की थी। परंतु इस बार भूलवश अपना अठन्नी का कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने मालिक के लिए पाँच रूपए की जगह साढ़े चार रुपए की मिठाई खरीदी और बची अठन्नी रमजान को देकर अपना कर्ज चुका दिया और इसी आरोप में रसीला के ऊपर इंजीनियर जगत सिंह ने मुकदमा दायर कर दिया था।

2. रसीला कौन है? उसका परिचय दीजिये। [2]

उत्तर : रसीला इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर था। वह सालों से इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर था। उसे दस रूपए वेतन मिलता था। गाँव में उसके बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था। इसी कारण वह बार-बार अपने मालिक इंजीनियर बाबू जगतसिंह से अपना वेतन बढ़ाने की प्रार्थना करता था।

3. हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए। [3]

उत्तर : रसीला इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर था। वह सालों से इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर था। उसे दस रूपए वेतन मिलता था। गाँव में उसके बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था। इसी कारण वह बार-बार अपने मालिक इंजीनियर बाबू जगतसिंह से अपना वेतन बढ़ाने की माँग करता था। परंतु हर बार इंजीनियर साहब का यही जवाब होता था कि वे रसीला की तनख्वाह नहीं बढ़ाएँगे यदि उसे यहाँ से ज्यादा और कोई तनख्वाह देता है तो वह बेशक जा सकता है। इंजिनियर बाबू को अपने नौकर रसीला के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए था। रसीला एक ईमानदार नौकर था और यदि इंजिनियर बाबू उसका वेतन बढ़ा देते तो उसे मामूली अठन्नी के लिए चोरी नहीं करनी पड़ती।

4. इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है? क्या वे अपने प्रयास में सफल हुए? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर : बात अठन्नी की कहानी में लेखक पूर्णतया अपनी बात सिद्ध करने में सफल हुए हैं। प्रस्तुत पाठ में लेखक ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और घूसघोरी की ओर संकेत किया है। शेख साहब और इंजिनियर बाबू घूस लेते हैं, परंतु ऊँचे ओहदे पर होने के कारण कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाता दूसरी ओर मामूली अठन्नी की चोरी के लिए गरीब रसीला को सजा हो जाती है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो.....' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि में यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।"

[नेताजी का चश्मा - स्वयं प्रकाश]

[Netaji Ka Chasma - Swayam prakash]

1. मूर्ति किसकी थी और वह कहाँ लगाई गई थी। [2]

उत्तर : मूर्ति नेताजी सुभाष चंद्र बोस की थी और नगर के मुख्य चौराहे पर लगाई गई थी

2. यह मूर्ति किसने बनाई थी और इसकी क्या विशेषताएँ थी? [2]

उत्तर : मूर्ति उसी कस्बे के स्थानीय विद्यालय के मास्टर मोतीलाल ने बनाई थी। उस मूर्ति की विशेषता यह थी कि मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची

और सुंदर थी। नेताजी फौजी वर्दी में सुंदर लगते थे। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और तुम मुझे खून दो... आदि याद आने लगते थे। केवल एक चीज की कसर थी जो देखते ही खटकती थी नेताजी की आँख पर संगमरमर चश्मा नहीं था बल्कि उसके स्थान पर सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था ।

3. मूर्ति में क्या कमी थी? उस कमी को कौन पूरा करता था और कैसे? [3]

उत्तर : मूर्ति में केवल यह कमी थी कि नेताजी का चश्मा नहीं था इस कमी को कैप्टन पूरा करता था मूर्ति का चश्मा हर-बार कैप्टन बदल देता था। कैप्टन असलियत में एक गरीब चश्मेवाला था। उसकी कोई दुकान नहीं थी। फेरी लगाकर वह अपने चश्मे बेचता था। जब उसका कोई ग्राहक नेताजी की मूर्ति पर लगे फ्रेम की माँग करता तो कैप्टन मूर्ति पर अन्य फ्रेम लगाकर वह फ्रेम अपने ग्राहक को बेच देता। इस उस कैप्टन चश्में की कमी को कमी पूरा करता था।

4. नेताजी का परिचय देते हुए बताइए कि चौराहे पर उनकी मूर्ति लगाने का क्या उद्धेश्य रहा होगा? क्या उस उद्धेश्य में सफलता प्राप्त हुई? स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : नेताजी हमारे देश के एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने देश को आजाद करवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है और इसी को स्मरणीय और सम्मान देने के लिए कस्बे के चौराहे पर उनकी मूर्ति लगवाई गई थी। मूर्ति में केवल एक कमी चश्मे की रह गई थी। पर उसको भी साधारण फेरी लगाने वाला कैप्टन अपनी

क्षमतानुसार पूरी करता रहता था। यहाँ तक कि जब उसकी मौत भी हो जाती है तो कस्बे के बच्चे सरकंडे का चश्मा लगाकर उस कमी को पूरा करते हैं। इससे यह साबित होता है कि कस्बे पर मूर्ति लगाने का उद्देश्य पूरा हुआ।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"बड़े भोले हैं आप सरकार ! अरे मालिक, रूप-रंग बदल देने से तो सुना है आदमी तक बदल जाते हैं। फिर ये तो सियार है।"

[भेड़े और भेड़िए - हरिशंकर परसाई]

[Bhede Aur bhedeya - Hari Shankar Parsai]

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे क्यों कह रहा है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन बूढ़ा सियार भेड़िये से कह रहा है। उपर्युक्त कथन बूढ़ा सियार भेड़िये के मन में सियारों के प्रति उपजी शंका के समाधान में कहता है कि सियार के अनुसार आदमी तक बदल जाते हैं तो ये तो सियार हैं इन्हें तो आसानी से बदला जा सकता है।

2. बूढ़े सियार ने भेड़िये का रूप किस प्रकार बदला? [2]

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए बूढ़े सियार ने भेड़िये को एक संत के रूप में बदल दिया उसने भेड़ों के सामने उसे उनका हितचिंतक और शुभचिंतक के रूप में पेश किया।

3. बूढ़े सियार ने किन तीन बातों का ख्याल रखने के लिए कहा? क्यों कहा?[3]

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए बूढ़े सियार ने अपने साथियों को रंगने के बाद भेड़िये के रूप को भी बदला।

भेड़िये का रूप बदलने के बाद बूढ़े सियार ने उसे तीन बातें याद रखने की सलाह दी कि वह अपनी हिंसक आँखों को ऊपर न उठाए, हमेशा जमीन की ओर ही देखें और कुछ न बोलें और सब से जरुरी बात सभा में बहुत-सी भेड़ें आएगी गलती से उनपर हमला न कर बैठना।

4. सियारों को किन-किन रंगों में रंगा गया? वे किसके प्रतिक थे? इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए सियार ने तीन सियारों को क्रमशः पीले, नीले और हरे में रंग दिया और भेड़ों के सामने उनका परिचय इस प्रकार दिया कि पीले रंगवाला सियार विद्वान,विचारक,कवि और लेखक है, नीले रंगवाले सियार को नेता और स्वर्ग का पत्रकार बताया गया और वहीँ हरे रंगवाले सियार को धर्मगुरु का प्रतीक बताया गया।

'भेड़ और भेड़िये' कहानी हमें राजनीतिज्ञों के षडयंत्रों तथा अपने चुनाव के अधिकार के सही प्रयोग करने का संदेश देता है। भोली-भाली जनता को नेता और उनके चापलूस मिलकर गुमराह करते रहते हैं अत: जनता की चाहिए कि वे सतर्क और सावधान रहकर अपने अधिकारों का प्रयोग करें।

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।"

[मेघ आए - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना]

[Megh Aaye - Sarveshwar Dayal Saxena]

1. मेघ कहाँ आए हुए हैं? कवि को मेघ देखकर क्या प्रतीत हो रहा है? [2]

उत्तर : मेघ गाँव में आये हुए हैं। मेघों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे कोई शहरी दामाद सज संवरकर गाँव में आये हैं और दामाद के आने से पूरे गाँव में उत्साह का माहौल छा गया है।

2. 'बयार' शब्द से आप क्या समझते हैं? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहता है? [2]

उत्तर : 'बयार' शब्द का अर्थ है हवा का बहना। कवि यहाँ पर बयार के बारे में यह बताना चाहता है कि बादलों के आते ही हवा या बयार के साथ धूल भी उड़ने लगती है। यह उड़ती धूल मेघ के आने की प्रथम सूचना देती है। हवा के झकोंरों से घर के दरवाज़े और खिड़कियाँ खुलने-बन्द होने लगते हैं। लगता है जैसे किसी आगंतुक मेहमान को देखने लिए सभी उत्सुक हैं।

3. दरवाजे-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगी हैं? किसका स्वागत कहाँ पर किस प्रकार किया जाने लगा है? कवि के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : गाँव में आये नए मेहमान को देखने के लिए दरवाजे और खिड़कियाँ खुलने लगी।

यहाँ पर मेघ रूपी मेहमान का गाँव के दामाद के रूप में स्वागत किया जाने लगा। गाँव के बड़े बुजुर्ग से लेकर छोटे बड़े सभी मेहमान के स्वागत में जुट जाते हैं। सभी अपने-अपने ढंग से उसकी ख़ातिरदारी या आवभगत करते हैं। मेहमान की अगवानी में कोई बुज़ुर्ग व्यक्ति आगे आता है। बड़ी-बूढ़ी महिलाएँ भी पर्देदारी का निर्वाह करती हैं। युवकों में मेहमान के प्रति जिज्ञासा होती है। सभी उनका हार्दिक स्वागत करते हैं। स्वागत के क्रम में सबसे पहले परात में पानी लाकर मेहमान के 'पाँव-पखारे' जाते हैं अर्थात् धोए जाते हैं।

4. कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कविता में मेघ के आने से वातावरण में छाए उल्लास का वर्णन किया गया है कि किस प्रकार बहुत प्रतीक्षा के बाद मेघ आते हैं तो वातावरण में किस प्रकार परिवर्तन होने लगता है बादलों के आते ही हवा या बयार के साथ धूल भी उड़ने लगती है। यह उड़ती धूल मेघ के आने की प्रथम सूचना देती है। हवा के झकोंरों से घर के दरवाज़े और खिड़कियाँ खुलने-बन्द होने लगते हैं। लगता है जैसे किसी आगंतुक मेहमान को देखने लिए सभी उत्सुक हैं। पेड़-पौधे सभी झूमने लगते हैं और बरसात के होते ही सभी की प्यास बुझ जाती है और सभी प्रसन्न हो जाते हैं।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पायँ।"
बलिहारी गुरु अपनो जिन गोविंद दियौ बताय।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

[साखी - कबीर दास]
[Sakhi - Kabir Das]

1. कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? [2]

उत्तर : कबीर यहाँ पर गुरु के बारे में सोच रहें हैं कबीर के अनुसार गुरु का स्थान ईश्वर से श्रेष्ठ है। कबीर कहते है जब गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खड़े हो तो गुरु के श्रीचरणों मे शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रुपी प्रसाद से गोविंद का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

2. कवि किसके ऊपर न्योछावर (समर्पण) हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? [2]

उत्तर : कवि अपने गुरु पर न्योछावर होना चाहते हैं। क्योंकि गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

3. ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए। [3]

उत्तर : ईश्वर का वास जहाँ अंहकार होता है वहाँ नहीं होता है कवि हमें अहंकार त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं। प्रस्तुत साखी के कवि संत कबीर हैं। कबीर साधु-सन्यासियों की संगति में रहते थे। इस कारण उनकी भाषा में अनेक भाषाओँ तथा बोलियों के शब्द पाए जाते हैं। कबीर की भाषा में भोजपुरी, अवधी, ब्रज, राजस्थानी, पंजाबी, खड़ी बोली, उर्दू और फ़ारसी के शब्द घुल-मिल गए हैं। अत: विद्वानों ने उनकी भाषा को सधुक्कड़ी या पंचमेल खिचड़ी कहा है।

4. साँकरी शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए। [3]

उत्तर : साँकरी शब्द यह अर्थ है कि ह्रदय रूपी प्रेम गली इतनी संकरी है जिसमें दोनों में से सिर्फ एक ही समा सकते हैं। प्रेमगली से तात्पर्य मनुष्य के ह्रदय से है। इस प्रेम रूपी गली मैं ईश्वर और मनुष्य का अंहकार साथ नहीं रह सकते हैं जिस प्रकार अँधेरा और उजाला एक साथ, एक ही समय, कैसे रह सकते हैं? जब तक मनुष्य में अज्ञान रुपी अंधकार छाया है वह ईश्वर को नहीं पा सकता अर्थात् अहंकार और ईश्वर का साथ-साथ रहना नामुमकिन है। यह भावना दूर होते ही वह ईश्वर को पा लेता है।

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार।
कभी भी उस वेदी पर देव
न होने दूँगी अत्याचार।।
न होने दूंगी अत्याचार
चलो, मैं हों जाऊँ बलिदान
मातृ मंदिर से हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।
[मातृ मंदिर की ओर - सुभद्रा कुमारी चौहान]

[Matri Mandir Ki Or - Subhadra Kumari Chauhan]

1. 'मातृ मंदिर' से क्या तात्पर्य है? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है? [2]

उत्तर : 'मातृ मंदिर' से यहाँ तात्पर्य देश से है। वहाँ से कवयित्री को देश पर प्राण न्योछावर होने की पुकार सुनाई दे रही है।

2. कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों? [2]

उत्तर : कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण तक त्यागने के लिए तैयार है। कवयित्री अपनी मातृभूमि को अपनी माँ सामान मानती है और वह अपने देश पर किसी भी प्रकार का अत्याचार नहीं सहन कर सकती।

3. मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवियित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? [3]

उत्तर : मंदिर तक पहुँचने के लिए कवयित्री को अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है मंदिर की ऊँची सीढ़ियाँ हैं और उनके पैर दुर्बल हैं। साथ ही मार्ग के पहरेदार भी बाधक बने हुए हैं।

4. प्रस्तुत पद्यांश में कवियित्री की किस भावना को दर्शाया गया है? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहती हैं? [3]

उत्तर : प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री की देश प्रेम की भावना को दर्शाया गया है। इस कविता द्वारा कवयित्री यही संदेश देना चाहती है कि देश की आन पर यदि कभी संकट आये तो हमें अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

नया रास्ता (सुषमा अग्रवाल)

(Naya Rasata - Sushma Agarwal)

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"माँ को लगा, शायद अमित सरिता के रिश्ते को तैयार नहीं है। इसलिए वह बोली", "बेटे, व्यवहार का तो किसी का भी पता नहीं है। न सरिता के बारे में ही कुछ कहा जा सकता है और न ही मीनू के बारे में व्यवहार का तो साथ रहने पर ही पता चलता है।"

1. माँ को कैसे पता चलता है कि अमित सरिता के रिश्ते के लिए तैयार नहीं हैं? [2]

उत्तर : अमित बार-बार मीनू और सरिता के व्यवहार के बारे में बात करता है तो माँ को लगता है कि अमित सरिता के रिश्ते के लिए तैयार नहीं है।

2. अमित के पिता मायाराम जी सरिता के रिश्ते को क्यों नहीं स्वीकार करना चाहते है? [2]

उत्तर : सरिता के पिता ने मायारामजी के सामने कुछ ऐसी शर्तें रखी जो उन्हें मान्य नहीं थीं इसलिए वे इस रिश्ते को स्वीकार करना नहीं चाहते थे।

3. अमित और सरिता का रिश्ता तय होने के लिए माँ किसको और क्यों उकसाती है? माँ की ऐसी धारणा से उनके स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर : अमित और सरिता का रिश्ता तय होने के लिए माँ अमित को उकसाती है। वे तरह-तरह से अमित को उकसाती हैं कि हम किसी के स्वभाव के बारे में कुछ नहीं कह सकते जब तक कि हम उनके साथ न रहे इससे उनके स्वार्थी और लालची और संवेदहीन स्वभाव के बारे में पता चलता है। वे केवल अमित से सरिता का रिश्ता इसलिए करवाना चाहती हैं क्योंकि वह अमीर है। उन्हें अपने बेटे की इच्छा अनिच्छा से कुछ लेना देना नहीं है।

4. शादी के विषय में समाज की क्या परम्परा है? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : शादी के विषय में हमारे समाज में दोगली राय होती है। यदि लड़का कुँवारा रहे तो कोई उसे कुछ नहीं कहता परंतु लड़की

कुँवारी रही तो समाज उसे जीने नहीं देता। बार- बार उसके सामने यही प्रश्न दोहराया जाता है कि वह विवाह क्यों नहीं कर रही है।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ है। मीनू को देखकर उन्होंने उसे प्रेमपूर्वक बैठाया। उसे देखकर अमित के मुरझाये चेहरे पर भी खुशी की लहर दौड़ गई।"

1. मीनू अमित को देखने कहाँ गई थी? जाते समय वह मन में क्या सोच रही थी? [2]

   उत्तर : मीनू को अमित के एक्सीडेंट की खबर मिलती है तो वह उसे मिलने के लिए अस्पताल जाती है। रास्ते भर यह सोचती है कि जिस लड़के ने उसका रिश्ता ठुकराया वह उसी लड़के से क्यों मिलने जा रही है

2. कमरे में प्रवेश करते ही उसने क्या देखा? अमित की माँ ने मीनू से क्या पूछा? उसने क्या उत्तर दिया? [2]

   उत्तर : मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ अपनी माँ से बातें का रहा था। अमित की माँ मीनू को प्रेमपूर्वक बैठाती है और उसके बारे में पूछताछ करती है। पूछताछ करने पर उन्हें पता चलता है कि मीनू ने वकालत पास कर ली और प्रैक्टिस कर रही है।

3. मीनू के वकालत पास करने पर अमित की माँ को विशेष खुशी क्यों हो रही थी? क्या उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया था? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिये। [3]

उत्तर : अमित का एक्सीडेंट हो गया था और ऐसे में वही लड़की जिसे इन लोगों के पैसों के खातिर ठुकरा दिया था अमित से मिलने आती है। और पूछताछ करने पर जब उन्हें पता चलता है कि वह कोई साधारण लड़की न होकर वकील है तो अमित की माँ बड़ी खुश होती है। और उस समय अमित की माँ को अपनी गलती का अहसास होता है कि इतनी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकरा कर उसने अच्छा नहीं किया।

4. मीनू के हृदय में बचपन से ही किसके प्रति दया की भावना थी? वह उनकी किस प्रकार सहायता करने का निश्चय कर रही है? [3]

उत्तर : मीनू के हृदय में बचपन से ही समाज के दबे कुचले और निर्धनों के प्रति दया की भावना थी और शादी के बाद भी वह इन लोगों की सहायता का निश्चय कर रही थी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अमित का नाम सुनते ही दरवाजे की ओर पीठ किए बैठी मीनू ने मुड़कर देखा तो वह आश्चर्यचकित रह गई। मीनू जब भी अमित को देखती, उसके मन में अजीब सी घृणा उत्पन्न हो जाती। अमित व उसके सभी मित्र वहाँ आ चुके थे परन्तु मीनू अभी भी सोच में डूबी हुई थी।

1. मीनू इस समय कहाँ थी? वहाँ अमित से उसकी कैसे मुलाकात हो गई?[2]

उत्तर : मीनू इस समय उसकी अभिन्न सहेली के नीलिमा बेटे के नामकरण संस्कार में शामिल होने के लिए नीलिमा के घर पर है। अमित नीलिमा के पति सुरेन्द्र का घनिष्ठ मित्र होने के नाते वह भी उनके बेटे के नामकरण संस्कार में शामिल होने आया था और इस तरह से वहाँ पर अमित और मीनू की मुलाक़ात हो जाती है।

2. मीनू और अमित के बीच क्या सम्बन्ध था? वह उससे घृणा क्यों करती थी? [2]

उत्तर : वैसे तो मीनू और अमित के बीच में कोई पारस्परिक कोई संबंध नहीं था परन्तु अमित वही लड़का था जिसने उसका रिश्ता ठुकराया था इसी कारण वह उससे घृणा करती थी।

3. उसे वहाँ किस सच्चाई का पता चला? उन बातों का उसपर क्या प्रभाव पड़ा? [3]

उत्तर : उसे वहाँ पर इस सच्चाई का पता चलता है कि उससे रिश्ता तोड़ने के लिए अमित कतई तैयार नहीं था केवल अपने माता-पिता की आज्ञा का सम्मान करने के लिए उसने यह रिश्ता ठुकराया था परन्तु उसने अभी तक कोई विवाह नहीं किया है और वह अभी तक मीनू को नहीं भूला है। इन बातों से मीनू के मन में अमित के प्रति घृणा प्रेम में बदल जाती है।

4. "मीनू परिस्थितियों से हार मानने वाली कोई साधारण नारी नहीं थी" - स्पष्ट कीजिए कि उसने अपने जीवन को कैसे नई दिशा दी? [3]

उत्तर : मीनू का रंग-रूप साँवला होने के कारण उसका रिश्ता हर बार ठुकराया जाता है परंतु इससे मीनू अपने आत्मविश्वास में कोई कमी आने नहीं देती। वह जी जान से अपनी वकालत की पढ़ाई

पूरी करती है और एक सफल वकील बनती है और अपने जीवन को एक नई दिशा देती है।

एकांकी संचय

(Ekanki Sanchay)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

[बहू की विदा - विनोद रस्तोगी]

[Bahu Ki Vida - Vinod Rastogi]

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा? संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन जीवनलाल ने प्रमोद से कहा है। प्रमोद अपनी बहन को विदा करवाने आया है परंतु जीवनलाल बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहते क्योंकि विवाह में प्रमोद में उन्हें मुँह माँगा दहेज़ नहीं दिया।

2. 'मरहम' का क्या अर्थ है? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।[2]

उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने कहते हैं।

3. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]

उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची और असंवेदनशील व्यक्ति है। वह अपनी बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहता क्योंकि दहेज़ में उसे मुँहमाँगे रुपये नहीं मिले। उसे पैसों का भी बहुत घमंड है और अपनी तारीफ़ खुद ही करते हुए कहता है कि उसने अपनी बेटी का विवाह बड़े धूमधाम से किया।

4. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? अपने विचार दीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी में दहेज़ की समस्या को उठाया गया है। दहेज़ प्रथा को रोकने के लिए सरकार द्वारा कई कानून बनाए गए हैं इसकी शिकायत मिलने पर कड़ा जुर्माना और करावास का प्रावधान है। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - यह हमारे जीवन का मूलमंत्र है। जो तीर तरकश से निकलकर कमान से छूट गया, उसे बीच में लौटाया नहीं जा सकता। मेरी प्रतिज्ञा कठिनाई से पूरी होगी, यह मैं जानता हूँ और इस बात की हाल के युद्ध में पुष्टि भी हो चुकी है कि हाड़ा जाति वीरता में हम लोगों से किसी प्रकार हीन नहीं है।"

[मातृभूमि का मान - हरिकृष्ण 'प्रेमी']

[Matri Bhoomi Ka Man - Hari Krishna 'Premi']

1. उपरोक्त कथन के वक्ता और श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर : उपरोक्त कथन के वक्ता महाराणा लाखा हैं। वे मेवाड़ के शासक हैं। और श्रोता मेवाड़ के सेनापति अभय सिंह हैं।

2. वक्ता ने क्या प्रतिज्ञा ली थी? कारण सहित लिखिए। [2]

उत्तर : वक्ता में यह प्रतिज्ञा ली है कि जब तक वे बूंदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं कर लेते तब तक वे अन्न- जल ग्रहण नहीं करेंगे। इस प्रतिज्ञा का यह कारण था कि बूंदी में महाराजा की अधीनता की अस्वीकार कर दिया था और उन्हें युद्ध भूमि से भागने पर मजबूर कर दिया था।

3. हाड़ा वंश के राजा कौन थे? हाड़ा लोगों की क्या विशेषताएँ थीं? उनपर प्रकाश डालिए। [3]

उत्तर : हाड़ा वंश के राजा राव हेमू थे। हाड़ा लोग बहुत ही शूरवीर और बलशाली थे। प्रेम के अनुशासन को मानने वाले हाड़ा शक्ति से किए गए अनुशासन को नहीं मानते थे। हाड़ा अपनी मातृभूमि का अपमान कतई सहन नहीं कर सकते थे। अपनी मातृभूमि की रक्षा करने के लिए वे अपने प्राणों की बाजी लगा देने से भी नहीं चुकते थे।

4. 'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - इस कहावत का क्या अर्थ है? एकांकी के सन्दर्भ प्रकाश डालिए। [3]

उत्तर : इस कहावत का यह अर्थ है कि वचन के पालन करने में यदि प्राणों का बलिदान भी देना पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। महाराणा ने जब प्रतिज्ञा ली कि जब तक वे बूंदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं कर लेते तब तक वे अन्न- जल ग्रहण नहीं करेंगे। तो उन्हें पता था कि उनकी यह प्रतिज्ञा बड़ी कठिनाई से पूरी होगी परन्तु एक बार जो ठान लिया तो अब पीछे नहीं हटा जा सकता था।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मेरी आकाँक्षा है कि डालियाँ साथ-साथ फलें-फूलें, जीवन की सुखद, शीतल वायु के स्पर्श से झूमें और सरसराएँ। विटप से अलग होने वाली डाली की

कल्पना ही मुझे सिहरा देती है।"

[सूखी डाली - उपेन्द्र नाथ 'अश्क']

[Sookhi Dali - Upendra Nath 'Ashk']

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे किस संदर्भ में कह रहा है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त कथन घर के दादाजी इंदु तथा मझंली बहू से घर की छोटी बहू बेला के संदर्भ में कह रहे हैं।

2. सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से क्या आशय है? 'डालियाँ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? [2]

   उत्तर : सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से यहाँ आशय परिवार के एक साथ मिलजुलकर रहने से है। यहाँ पर डालियाँ परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रयुक्त हुआ है।

3. किसकी आकांक्षा है कि सब खुशहाल रहें और क्यों? इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

   उत्तर : घर के दादाजी की यह इच्छा है कि परिवार खुशहाल रहे। इस एकांकी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि परिवार जब एक-साथ मिलजुलकर रहता है तो खुशहाल रहता है।

4. प्रस्तुत कथन से वक्ता की किस चारित्रिक विशेषता का पता चलता है? अपने विचार भी प्रस्तुत कीजिये। [3]

   उत्तर : प्रस्तुत कथन से वक्ता के सामंजस्य पूर्ण, व्यवहार कुशलता विशेषता का पता चलता है। घर के दादाजी सारे परिवार को एक साथ रखना चाहते थे। इसलिए घर में सभी लोगों को अपने विचारों से हमेशा जोड़कर रखते हैं। दादाजी उन विचारों को

मानने वाले थे कि समय रहते ही समस्या का समाधान कर देना चाहिए। और उनके इसी व्यवहार कुशलता के कारण वे अपने घर को एक साथ बाँध कर रख पाते हैं।

Solution

I.C.S.E

कक्षा : X

(2018)

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'परोपकार की भावना लोक-कल्याण से पूर्ण होती है।' हमें भी परोपकार से भरा जीवन ही जीना चाहिए। विषय को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिए।

   परोपकार एक सर्वश्रेष्ठ भावना है। परोपकार से तात्पर्य दूसरों की सहायता करने से है। हमें प्रकृति से परोपकार का संदेश लेना चाहिए। सूर्य, चंद्रमा, तारे, आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी, पेड़ आदि दिन-रात मनुष्य के

कल्याण में लगे हुए हैं। ये सभी दूसरों के उपकार के लिए कुछ न कुछ देते हैं।

जीवमात्र पर दया भाव रखकर उसके दुःख को समझना चाहिए। प्राणी मात्र की सेवा ही जीवन का लक्ष्य है, समस्त जीवों की सेवा तब तक करनी चाहिए जब तक शरीर में प्राण हैं और यही मानव धर्म भी है।

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िए जब तक घट में प्रान॥

अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था - 'यह हरेक व्यक्ति का दायित्व बनता है कि वह संसार को उतना तो अवश्य लौटा दे, जितना उसने इससे लिया है। दूसरों के लिए जीया गया जीवन ही उचित जीवन है। इसलिए जो कुछ हमारे पास है, उसमें से कुछ परोपकार में अवश्य लगाएँ।

चाणक्य ने कहा था - "परोपकार ही जीवन है। जिस शरीर से धर्म नहीं हुआ, यज्ञ न हुआ और परोपकार न हो सका, उस शरीर का क्या लाभ? जो मनुष्य अपने लिए जीता है, वह पृथ्वी में पशु के समान है। क्योंकि पशु के जीवन का उद्देश्य खाना और सोना होता है। भगवान ने मनुष्य को सामर्थ्यवान बनाया है। मनुष्य दूसरों की सेवा करने के स्थान पर पूरा जीवन स्वयं का भरण-पोषण करने में व्यर्थ करता है, तो वह मनुष्य कहलाने लायक नहीं है।

सेवा या परोपकार की भावना चाहे देश के प्रति हो या किसी व्यक्ति के प्रति, वह मानवता है। परोपकार से ही ईश्वर प्राप्ति का मार्ग खुलता है। व्यक्ति जितना परोपकारी बनता है, उतना ही ईश्वर की समीपता प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा और महिमा बढ़ती है। सच्चा परोपकारी सदा प्रसन्न रहता है। वह दूसरे का कार्य करके हर्ष की अनुभूति करता है।"

दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश फैलाना

चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। परोपकार की भावना से ही हम एक उत्तम राष्ट्र और विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

2. "आजकल देश में आवासीय विद्यालयों (Boarding Schools) की बाढ़ सी आ गई है। आवासीय विद्यालयों की छात्रों के जीवन में क्या उपयोगिता हो सकती है?" - इस प्रकार के विद्यालयों की अच्छाइयों एवं बुराइयों के बारे में बताते हुए वर्तमान में इनकी आवश्यकता पर अपने विचार लिखिए।

   आजकल देशभर में आवासीय विद्यालयों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है। पहले इन आवासीय विद्यालयों को बच्चों की सजा के रूप में देखा जाता था या केवल ऐसे विद्यालय केवल अमीरों के लिए ही होते हैं यह माना जाता था परंतु समय के साथ आवासीय विद्यालयों में काफी सारे बदलाव आए हैं। आज के वर्तमान युग में आवासीय विद्यालय समय की माँग हैं।

   आवासीय विद्यालय छात्रों के जीवन में अनुशासन लाने में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका रखता है। प्रातः जल्दी उठने से रात्रि दस बजे तक आदर्श दिनचर्या का पालन करते हुए वे शिक्षण और सद्संस्कारों के वातावरण में उनका विकास होता हैं। आवासीय विद्यालय में सभी बच्चों को एक समान स्तर मिलता है आवासीय विद्यालय में बच्चे अधिक अनुशासित होकर रहते हैं और इस वजह से वे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। दूसरा, आवासीय विद्यालय के बच्चों में हर काम को खुद से करने की आदत डाली जाती है, इसलिए वे अधिक जिम्मेदार बनते हैं। आगे चलकर इसके सार्थक परिणाम नजर आते हैं। प्रफेशनल लाइफ और घर में आसानी से जिम्मेदारियों को निभा पाते हैं। आवासीय विद्यालय में

रहने के क्रम में बच्चों को घर से अलग माहौल मिलता है। यहाँ बच्चे ग्रुप में दूसरे बच्चों के साथ रहते हैं। इसलिए वे कम समय में अधिक चीजें सीख पाते हैं। यहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है। इस दौरान यह कोशिश रहती है कि उन्हें तनाव से दूर रखा जाए। इसके साथ-साथ उनकी पढ़ाई पर खास ध्यान दिया जाता है। आवासीय विद्यालय पढ़ाई के साथ ही बच्चों के खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों पर भी काम करते हैं। यहाँ पर बच्चों को अलग से पढ़ाई के अलावा अन्य उनकी रुचिनुसार कई चीजें सीखने के लिए मिलती हैं। इसके अलावा यहाँ नेतृत्व और दूसरे कौशलों को भी बचपन से ही निखारा जाता है। ताकि वे भविष्य में किसी भी स्थितियों का सामना अच्छे से कर सकें। अत: हम कह सकते हैं कि आवासीय विद्यालय एक सर्वांगीण नागरिक का निर्माण करते हैं।

आवासीय विद्यालयों की अच्छाइयों के साथ कुछ बुराईयाँ भी हैं यहाँ पर सभी को एक स्तर पर देखने के कारण कभी-कभी बच्चों की भावनात्मक भावनाओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है। बच्चे अपने माता-पिता के स्नेहिल व्यवहार से अपरिचित रह जाते हैं। केवल माता-पिता ही नहीं परिवार के अपने ही भाई-बहनों से भी वे दूर हो जाते हैं। आवासीय विद्यालयों में रहने के कारण बच्चे माता-पिता से आपनी निजी बातें या परेशानियाँ कभी-कभी बता नहीं पाते हैं एक प्रकार से संबंधों में दूरियों का निर्माण हो जाता।

इन सब के बावजूद वर्तमान समय में आवासीय विद्यालय की आवश्यकता दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इसके कई कारण है जैसे कि महानगरों के जीवन ने मनुष्य को मशीन बना दिया है। लोगों के पास समय का अभाव है। माता-पिता दोनों कामकाजी हैं। संयुक्त परिवारों के स्थान पर एकल परिवार बढ़ने लगे हैं अत: बच्चों को घर में अकेला

छोड़ने के बजाय अभिभावक आवासीय विद्यालयों को सुरक्षित समझने लगे हैं। तथा सभी अपने बच्चों को श्रेष्ठ शिक्षा देना चाहते है। इसके अलावा कई दूर दराज के क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा के लिए समुचित व्यवस्था नहीं है। इसलिए आवासीय विद्यालय की आज के समय में बहुत आवश्यकता है।

3. संयुक्त परिवार के किसी ऐसे उत्सव के आनन्द का विस्तार से वर्णन कीजिए, जहाँ आपके परिवार के बच्चे-बुजुर्ग सभी उपस्थित थे।
हमारा देश पर्वों का देश है। त्यौहार ऊर्जा का संचार करते हैं, उदास मनों में आशा जागृत करते हैं, अकेलेपन को दूर करते हैं।
मेरा प्रिय पर्व दीपावली है। रोशनी का उत्सव 'दीपावली' जिसका वास्तविक अर्थ है, दीपों की पंक्ति। वैसे तो दीपावली मनाने के पीछे कई सारी पौराणिक कथाएँ कही जाती है लेकिन जो मुख्य रुप से प्रचलित मान्यता है वो है असुर राजा रावण पर विजय और भगवान राम का चौदह साल का वनवास काटकर अपने राज्य अयोध्या लौटना। इस दिन को हम बुराई पर अच्छाई की जीत के लिये भी जानते है।
मैं दीपावली की छट्टियों में अपने ननिहाल गया था वहाँ सब के साथ दीपावली मनाई मुझे बड़ा ही आनंद आया। दीपावली के कुछ दिन पहले ही बड़ों ने घर की सफ़ाई शुरू कर दी थी जिसमें हम बच्चों ने भी हाथ बटायाँ। फिर मामा-मामी हम बच्चों को खरीदारी करने ले गए और नए कपड़े और फटाके दिलाए। हम सब बहुत खुश हो गए। शाम को हम सब मिलकर फटाके जलाते थे। नानी, माँ और मामी मिलकर नए-नए व्यंजन पकाते थे और हम सब बड़ी चाव से खाते थे। रात में दादा-दादी कहानी सुनते थे।

दीपावली के दिन सुबह जल्दी उठकर हमने नए कपड़े पहने और तैयार होकर बड़ो का आशीर्वाद लिया फिर सभी मंदिर गए। उसके बाद अभी रिश्तेदार दीपावली की बधाईयाँ देने आने लगे। हम सबका आदर सत्कार करते रहे। घर पर स्वादिष्ट पकवान बनाए गए थे उसका आनंद लिया। इस प्रकार पूरे परिवार के साथ खुशी-खुशी दीपावली का उत्सव मनाया।

4. एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए जिसके अन्त में यह वाक्य लिखा गया हो - 'अन्ततः मैं अपनी योजना में सफल हो सका/हो सकी।'

सोहन परीक्षा में असफल होने के कारण बहुत उदास था। न वह खाना खा रहा था ना ही घर में किसी से बात कर रहा था तभी उसकी माँ वहाँ आई उन्हें देखकर वह रोने लगा तब उसकी माँ ने उसे समझाया कि उदास होकर बैठने से क्या होगा। तुम्हें और मेहनत करनी होगी। तुमने यह कहावत तो सुनी ही होगी।

करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत-जात के, सिल पर परत निशान।।

इसका यह अर्थ है कि जिस प्रकार बार-बार रस्सी के आने जाने से कठोर पत्थर पर भी निशान पड़ जाते हैं, उसी प्रकार बार-बार अभ्यास करने पर मूर्ख व्यक्ति भी एक दिन कुशलता प्राप्त कर लेता है।

सारांश यह है कि निरन्तर अभ्यास कम कुशल और कुशल व्यक्ति को पूर्णतया पारंगत बना देता है। अभ्यास सफलता की कुंजी हैं। परन्तु अभ्यास के कुछ नियम हैं। अभ्यास निरन्तर नियमपूर्वक होना चाहिए। तुम पढ़ने के लिए समय-सारिणी बनाओ और अपनी बहन की, मित्रों की आदि मदद लो।

सोहन ने तभी अपनी माँ के साथ बैठकर समय-सारिणी बनाई और फिर उसके अनुरूप पढ़ाई करने लगा। आवश्यकता होने पर अवकाश के समय शिक्षकों की एवं मित्रों की सहायता लेने लगा। अंत में वह अपनी योजना में सफल हो सका और परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त लिए।

5. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र गाँव का प्रतीत हो रहा है। जहाँ बच्चें स्कूल जा रहें हैं। सबके हाथ में टेबलेट है। इनमें से दो बच्चें टेबलेट में कुछ देख रहें हैं। इस चित्र से पता चलता है की आज देश में हर जगह शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आया है। चाहे गाँव हो या शहर सब जगह शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस के चलते ही हम इस

चित्र में गाँव के बच्चों के हाथ में टेबलेट देख रहे है। बच्चें अब टेबलेट्स पर अपनी पढ़ाई करते है। वो उस पर गेम्स भी खेलते है। इस नये तकनीक से बच्चों में शिक्षा के प्रति दिलचस्पी बढ़ रही है। पहले हम देखते थे कि बच्चें स्कूल जाना पसंद नहीं करते थे क्योंकि उन्हें पढाई में दिलचस्पी नहीं होती थी। पर बच्चें डिजिटल स्कूल में पढ़ाई के लिये जाने लगे। टेबलेट के इस्तमाल से स्कूली बच्चों को बस्ते के बोझ से छुटकारा मिला है। टेबलेट के इस्तमाल से आप ई-बुक का इस्तेमाल कर ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ई-बुक से पढाई कर के आप पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दे सकते हैं, और पुस्तक कि छपाई में होने वाले कागज की बचत कर सकते हैं। टेबलेट के इस्तमाल से विषय से संबंधित वीडियो देखकर बच्चें उसे और अच्छे से समझ सकते है।
इस प्रकार टेबलेट के इस्तेमाल से बच्चों की पढ़ाई में रूचि बढ़ाकर हम उनके उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) आप अपने विद्यालय के 'सफाई अभियान दल' के नेता है। एक योजना के अन्तर्गत आप छात्रों के एक दल को किसी इलाके में सफाई के प्रति जागरूक करने हेतु ले जाना चाहते हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या जी को इसके लिए स्वीकृति हेतु पत्र लिखिए।

सेवा में,
प्रधानाचार्य
आदर्श शिशु विहार
जयपुर

दिनाँक : 14 मार्च 2018

विषय : दसवीं के बच्चों को सफ़ाई अभियान के अंतर्गत 'पवन विहार' ले जाने की अनुमति प्राप्त करने हेतु।

महोदय

मैं विद्यालय का सफाई अभियान दल का नेता हूँ। हमारे विद्यालय के पासवाला इलाका 'पवन विहार' बहुत ही गंदा होता है। जहाँ से हमारे स्कूल के विद्यार्थी आते-जाती है, मैं विद्यालय के दसवीं कक्षा के छात्रों को 17 मार्च शनिवार के दिन वहाँ सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने ले जाना चाहता हूँ। हम सफ़ाई अभियान का महत्त्व बताते हुई लोगों को समझाएँगेकि सफाई सामाजिक दायित्व है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप हमें इसकी अनुमति प्रदान करें।

आपका आज्ञाकारी छात्र

सौरभ गुप्ता

नेता - सफाई अभियान दल

कक्षा - दसवीं 'अ'

(ii) पिछले महीने कुछ प्रयासों द्वारा आपके विद्यालय के छात्रों ने कुछ धनराशि एकत्रित करके मूक-बधिर (deaf and dumb) विद्यालय के विद्यार्थियों की सहायता की थी। इसका वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिये और बताइये कि हमें समाज के विकलांग लोगों के प्रति जैसा व्यवहार रखना चाहिए व उनकी सहायता के लिए किस प्रकार के प्रयास करने चाहिए।

नेहरू छात्रावास

दिल्ली पब्लिक स्कूल

नई दिल्ली

दिनाँक - 30 मार्च 2016

प्रिय तेजस

मधुर स्नेह

पत्र देर से लिखने के लिए क्षमा चाहता हूँ। तुम तो जानते ही हो कि मेरी वार्षिक परीक्षा चल रही थी। जिसके कारण में तुम्हें पत्र नहीं लिख पाया। मैं तुम्हें एक महत्त्व पूर्ण बात बताना चाहता था। पिछले महीने हमारे विद्यालय ने हम सभी छात्रों को एक कार्य सौंपा था, हमें एक फॉर्म दिया था और हमें अपने आस-पड़ोस से मूक-बघिर (deaf and dumb) विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए चंदा जमा करना था। सभी विद्याथियों के सहयोग से कुल 30 हजार रूपयें जमा हो गए। इससे मूक-बघिर विद्यार्थियों के अभ्यास के लिए आवश्यक चीज़े ख़रीदी जाएगीं। मुझे बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम समाज में विकलांग लोगों की सहायता करें और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

आशा करता हूँ तुम भी अपने विद्यालय में अपने शिक्षकों की सहायता से समाज के विकलांग लोगों की मदद करोंगे और मुझे बताओगे। जल्द ही मैं तुमसे मिलने आऊँगा और सारे दोस्त मिलकर दावत का आयोजन करेंगे। शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र

वेदांत

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

सूर्य अस्त हो रहा था। पक्षी चहचहाते हुए अपने नीड़ की ओर जा रहे थे। गाँव की कुछ स्त्रियाँ अपने घड़े लेकर कुएँ पर जा पहुँची। पानी भरकर कुछ स्त्रियाँ

तो अपने घरों को लौट गई, परंतु चार स्त्रियाँ कुएँ की पक्की जगत पर ही बैठकर आपस में बातचीत करने लगी। तरह-तरह की बातचीत करते-करते बात बेटों पर जा पहुँची। उनमें से एक की उम्र सबसे बड़ी लग रही थी। वह कहने लगी - 'भगवन सबको मेरे जैसा ही बेटा दे। वह लाखों में एक है। उसका कंठ बहुत मधुर है। उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है। सच में मेरा बेटा तो अनमोल हीरा है।"

उसकी बात सुनकर दूसरी अपने बेटे की प्रशंसा करते हुए बोली - "बहन मैं तो समझती हूँ कि मेरे बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है। मैं तो भगवान से कहती हूँ कि वह मेरे जैसा बेटा सबको दे।"

दोनों स्त्रियों की बात सुनकर तीसरी भला क्यों चुप रहती? वह भी अपने को रोक न सकी। वह बोल उठी - "मेरा बेटा साक्षात् बृहस्पति का अवतार है। वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है। ऐसा लगता है बहन, मानों उसके कंठ में सरस्वती का वास हो।"

तीनों की बात सुनकर चौथी स्त्री चुपचाप बैठी रही। उसका भी एक बेटा था। परंतु उसने अपने बेटे के बारे में कुछ नहीं कहा।

जब पहली स्त्री ने उसे टोकते हुए पूछा की उसके बेटे में क्या गुण है, तब चौथी स्त्री ने सहज भाव से कहा - "मेरा बेटा न गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति।" यह कह कर वह शांत बैठ गई। कुछ देर बाद जब वे घड़े सिर पर रखकर लौटने लगीं, तभी किसी के गीत का मधुर स्वर सुनाई पड़ा,गीत सुनकर सभी स्त्रियाँ ठिठक गई। पहली स्त्री शीघ्र ही बोल उठी - "मेरा हीरा आ रहा है। तुम लोगों ने सुना, उसका कंठ कितना मधुर है।" तीनों स्त्रियाँ बड़े ध्यान से उसे देखने लगी। वह गीत गाता हुआ उसी रास्ते से निकल गया। उसने अपनी माँ की तरफ़ ध्यान नहीं दिया।

थोड़ी देर बाद दूसरी का बेटा दिखाई दिया। दूसरी स्त्री ने बड़े गर्व से कहा, "देखो मेरा बलवान बेटा आ रहा है। वह बातें कर ही थी कि उसका बेटा भी उसकी ओर ध्यान दिए बगैर निकल गया।"

तभी तीसरी स्त्री का बेटा उधर से संस्कृत के श्लोकों का पाठ करता हुआ निकला। तीसरी ने बड़े गद्‌गद्‌ स्वर में कहा "देखो, मेरे बेटे के कंठ में सरस्वती का नाम है। वह भी माँ की ओर देखे बिना आगे बढ़ गया।

वह अभी थोड़ी दूर गया होगा की चौथी स्त्री का बेटा भी अचानक उधर से जा निकला। वह देखने में बहुत सीधा-साधा और सरल प्रकृति का लग रहा था। उसे देखकर चौथी स्त्री ने कहा, "बहन, यही मेरा बेटा है।" तभी उसका बेटा पास आ पहुँचा। अपनी माँ को देखकर रुक गया और बोला, "माँ लाओ मैं तुम्हारा घड़ा पहुँचा दूँ। माँ ने मना किया, फिर भी उसने माँ के सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख लिया और घर की ओर चल पड़ा।

तीनों स्त्रियाँ बड़े ही आश्चर्य से देखती रही। एक वृद्ध महिला बहुत देर से उनकी बातें सुन रही थी। वह उनके पास आकर बोली, "देखती क्या हो? वही सच्चा हीरा है।"

1. पहली तथा दूसरी स्त्री ने अपने-अपने बेटे के विषय में क्या कहा? [2]

उत्तर : पहली स्त्री ने अपने बेटे के विषय में कहाँ कि भगवन सबको उसके जैसा ही बेटा दे। वह लाखों में एक है। उसका कंठ बहुत मधुर है। उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है। उसका बेटा तो अनमोल हीरा है।

दूसरी स्त्री ने कहाँ कि उसके बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है। वह तो भगवान से कहती है कि वह उसके जैसा बेटा सबको दे।

2. तीसरी स्त्री ने अपने बेटे को 'बृहस्पति का अवतार' क्यों कहा? [2]

उत्तर : तीसरी स्त्री ने अपने बेटे को 'बृहस्पति का अवतार' कहा क्योंकि वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है। और ऐसा लगता है मानो उसके कंठ में सरस्वती का वास हो।

3. पहली स्त्री द्वारा पूछे जाने पर चौथी स्त्री ने क्या कहा? [2]

उत्तर : पहली स्त्री द्वारा पूछे जाने पर चौथी स्त्री ने कहा कि उसका बेटा न गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति।

4. चौथी स्त्री के बेटे ने अपनी माँ के साथ कैसा व्यवहार किया, यह देखकर तीनों स्त्रियों को कैसा लगा? [2]

उत्तर : जब चारों स्त्रियाँ घड़े सिर पर रखकर लौटने लगीं तब चौथी स्त्री के बेटे ने माँ के मना करने पर भी उनके सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख दिया और घर की ओर चल पड़ा। यह देखकर तीनों स्त्रियाँ बड़े ही आश्चर्य से उसे देखती रही। क्योंकि वह अपने बेटे को हीरा मानती थी जो उन्हें अनदेखा कर आगे बढ़ गए।

5. बच्चों को अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए? समझाइए। [2]

उत्तर : बच्चों का यह परम दायित्व बनता है कि वे माता-पिता को पूर्ण सम्मान प्रदान करें और जहाँ तक संभव हो सके खुशियाँ प्रदान करने की चेष्टा करें। माता-पिता का सपना होता है कि पुत्र/पुत्री बड़े होकर उनके नाम को गौरवान्वित करे। अत: बच्चों को कड़ी लगन, मेहनत और परिश्रम के द्वारा उनका यह सपना पूर्ण कर माता-पिता का नाम गौरवान्वित करना चाहिए। माता-पिता की सेवा ही सच्ची सेवा है।

Q. 4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्द के विलोम लिखिए : [1]
   - कीर्ति - अपकीर्ति
   - निर्मल - मलिन
   - विजय - पराजय
   - निर्दोष - दोषी

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - धनवान - अमीर, श्रीमान, समृद्ध
   - किनारा - तट, तीर, कगार
   - दूध - दुग्ध, क्षीर, पय

3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - अपेक्षा - अपेक्षित
   - गुण - गुणी

4. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : [1]
   - प्रदर्षॅनी - प्रदर्शनी
   - लच्छमी - लक्ष्मी
   - अपरीचीत - अपरिचित

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - आसमान से बातें करना – कुछ ही क्षण में उसकी गाड़ी जैसे आसमान से बातें करने लगी।
   - उड़ती चिड़िया पहचानना – मास्टरजी को चालीस वर्षों का अनुभव है तभी तो वह उड़ती चिड़िया पहचान लेते हैं।

6. कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :

(a) मोहन और रमेश सच्चे मित्र थे। [1]

('मित्रता' शब्द का प्रयोग कीजिए।)

उत्तर : मोहन और रमेश में सच्ची मित्रता थी।

(b) मुझसे कोई भी बात <u>कहने में संकोच न</u> करें। [1]

(रेखांकित के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य को पुन: लिखिए।)

उत्तर : मुझसे निसंकोच कोई भी बात करें।

(c) शिक्षक ने अपने शिष्य को आदेश दिया। (वचन बदलिए) [1]

उत्तर : शिक्षक ने अपने शिष्यों को आदेश दिया।

(d) <u>अन्याय</u> का सब विरोध करते हैं। [1]

(रेखांकित का विशेषण लिखते हुए वाक्य पुन: लिखिए)

उत्तर : अन्यायी का सब विरोध करते हैं।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ)

(Sahitya Sagar – Short Stories)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

आनंदी की त्यौरी चढ़ गई। झुँझलाइट के मारे बदन में ज्वाला-सी दहक उठी। बोली, "जिसने तुमसे यह आग लगाई है, उसे पाऊँ तो मुँह झुलस दूँ।

['बड़े घर की बेटी' - प्रेमचंद]

[Bade Ghar Ki Beti - Premchand]

1. आनंदी की त्यौरी क्यों चढ़ी हुई थी? वह किसका इंतजार कर रही थी? [2]

उत्तर : आनंदी का दाल में घी न होने पर अपने देवर से कहा सुनी हो गई थी। देवर ने इतनी-सी बात पर आनंदी पर खडाऊँ फेंक मारा था। इसी बात को लेकर आनंदी की त्योरियाँ चढ़ी हुई थी और अब वह अपने पति के आने का इंतज़ार कर रही थी।

2. श्रीकंठ सिंह ने आनन्दी से क्या जानना चाहा? [2]

उत्तर : श्रीकंठ ने आनंदी से घर में मचे उपद्रव के बारे में जानना चाहा।

3. इससे पहले लालबिहारी और बेनीमाधव सिंह श्री कंठ सिंह से क्या कह चुके थे? [3]

उत्तर : आनंदी से मिलने से पहले श्रीकंठ अपने भाई और पिता से मिल चुके थे और भाई ने श्रीकंठ को बताया कि आनंदी से कहे कि वे मुँह सँभालकर बात करें वर्ना एक दिन अनर्थ हो जाएगा। पिता ने भी श्रीकंठ से कहा कि बहू को कहे कि मर्दों के मुँह नहीं लगना चाहिए।

4. आनंदी से घटना का हाल जानकर श्रीकंठ सिंह को जैसा लगा? उन्होंने अपने पिता से क्या कहा? [3]

उत्तर : आनंदी से जब श्रीकंठ ने झगड़े का सारा हाल जाना तो क्रोध से श्रीकंठ की आँखें लाल हो उठी। अपने भाई द्वारा किया गया यह दुर्व्यवहार उन्हें अच्छा नहीं लगा और इस सब के कारण उन्होंने घर से अलग हो जाने का निर्णय लिया और अपने पिता को यह निर्णय सुना दिया कि अब इस घर में उनका निर्वाह नहीं हो सकता।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"रात को बड़े जोर का झक्कड़ चला। सेक्रेटेरियट के लॉन में जामुन का पेड़ गिरा। सुबह को जब माली ने देखा, तो उसे पता चला कि पेड़ के नीचे एक आदमी दबा पड़ा है।"

['जामुन का पेड़ - कृष्ण चंदर]

[Jamun Ka Ped - Krishna Chander]

1. माली ने यह देखकर क्या किया और क्यों? [2]

उत्तर : रात को बड़े जोर का झक्कड़ चलने के कारण सेक्रेटेरियट के लॉन में जामुन का पेड़ गिर पड़ा। सुबह माली ने जब उस पेड़ के नीचे एक आदमी को दबे हुए देखा तो वह भागता हुआ चपरासी के पास इस बात की सूचना देने के लिए पहुँचा।

2. पहले दूसरे और तीसरे क्लर्क ने क्या कहा? [2]

उत्तर : पहले क्लर्क ने जामुन के पेड़ को फलदार कहा तो दूसरे ने उसके रसीले जामुन की तारीफ की।

तीसरे क्लर्क को उस दबे हुए व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं थी उसे तो जामुन के उन रसीले फलों की याद सता रही थी जिन्हें वह मौसम में झोली भरकर अपने बच्चों तक ले जाता था।

3. माली ने क्या सुझाव दिया? मोटे चपरासी की बात सुनकर माली क्या बोला? [3]

उत्तर : जामुन के पेड़ के नीचे दबे हुए व्यक्ति को निकालने के लिए माली ने पेड़ को हटाने का सुझाव दिया। पर इस सुझाव पर सुस्त,

आलसी कामचोर और मोटा चपरासी बोला कि पेड़ का तना बहुत मोटा और वजनी है।

4. कहानी के अन्त में क्या हुआ था? देर से मिलने वाला न्याय महत्वहीन होता है कैसे? [3]

उत्तर : कहानी के अंत में पेड़ के नीचे दबे हुए व्यक्ति की मौत हो जाती है।

यह कहानी बताती है कि किस प्रकार देरी होने से न्याय भी महत्त्वहीन हो जाता है। कहानी में सरकारी विभाग के अधिकारी जामुन के पेड़ को हटाने तथा उस व्यक्ति को बचाने की बजाए फाइलें बनाने तथा उन फाइलों को अलग-अलग विभागों में पहुँचाने में लगे हुए थे और अंत में जब तक फैसला आया तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उस व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"पर, 'सब दिन होत न एक समान' अकस्मात् दिन फिरे और सेठ को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। सभी-साथियों ने भी मुँह फेर लिया और नौबत यहाँ तक आ गई कि सेठ व सेठानी भूखे मरने लगे।"

[महायज्ञ का पुरस्कार - यशपाल]

[Mahayagya Ka Puraskar - Yashpal]

1. अकस्मात् बुरा समय किसका आ गया तथा बुरा समय आने से पहले उसकी दशा कैसी थी? [2]

उत्तर : अकस्मात् सेठजी की दिन फिरे। इसके पहले सेठ बड़े ही धर्मपरायण होने के कारण उनके द्वार से कोई साधु-संत निराश

नहीं लौटता था। उनका भंडार हमेशा खुला ही रहता था। उनके द्वारा कई यज्ञ किए गए थे और दान में न जाने कितना धन दीन-दुखियों में बाँट दिया था।

2. अपना बुरा समय दूर करने के लिए सेठ ने क्या उपाय सोचा? इस उपाय के लिए उन्हें किसके पास जाना पड़ा? [2]

उत्तर : उस समय यज्ञ का क्रय-विक्रय का चलन होने के कारण सेठ ने अपना बुरा समय दूर करने के लिए अपना एक यज्ञ बेचने का निर्णय लिया।

सेठ के यहाँ से दस-बारह कोस दूरी पर कुंदनपुर नाम का एक नगर था जहाँ पर एक अमीर धन्ना सेठ रहते थे उन्हीं के पास सेठ में अपना यज्ञ बेचने का निश्चय किया।

3. सेठ ने मार्ग में कौन-सा महायज्ञ किया था? क्या वह वास्तव में महायज्ञ था? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर : सेठ ने रास्ते में भूखे रहकर एक कुत्ते को अपना सारा भोजन खिलाने का महायज्ञ किया था। सेठ द्वारा किया गया यह कृत्य सही मायनों में महायज्ञ था। यज्ञ कमाने की इच्छा से धन-दौलत लुटाकर किया गया यज्ञ, सच्चा यज्ञ नहीं है, नि:स्वार्थभाव से किया गया कर्म ही सच्चा महायज्ञ है।

4. कहानी का उद्धेश्य लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कहानी हमें नि: स्वार्थ भाव से कार्य करने की प्रेरणा देती है। साथ ही यह कहानी हमें प्राणी मात्र को भी उदारता से देखने का संदेश देती है। इस कहानी का सेठ बिना किसी फायदे और

नुकसान के एक भूखे कुत्ते को अपना सारा भोजन खिला देता है। सेठ को इस नि: स्वार्थ कृत्य के लिए ईश्वर उसका फल देते हैं।

(साहित्य सागर पद्य भाग)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

लाठी में हैं गुण बहुत, सदा रखिये संग।
गहरि नदी, नाली जहाँ, वहाँ बचावै अंग।।

वहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारे।
दुश्मन दावागीर होय, तिनहूँ को झारै।।

कह गिरिधर कविराय, सुनो हे दूर के बाठी।
सब हथियार छाँडि, हाथ महँ लीजै लाठी।।
[कुंडलियाँ - गिरिधर कविराय]
[Kundaliya – Giridhar Kavi Rai]

1. इस कुंडली में किसकी उपयोगिता बताई गई गई है? कवि ने किस समय मनुष्य को लाठी रखने का परामर्श दिया है? [2]
उत्तर : इस कुंडली में लाठी की उपयोगिता बताई गई है। कवि ने हर समय लाठी रखने का परामर्श दिया है।

2. लाठी हमारे शरीर की सुरक्षा किस प्रकार करती है? [2]
उत्तर : यदि कोई कुत्ता हमारे ऊपर झपटे तो लाठी से हम अपना बचाव कर सकते हैं। अगर हमें दुश्मन धमकाने की कोशिश करे तो लाठी के द्वारा हम अपना बचाव कर सकते हैं।

3. लाठी किन तीनों से निपटने में सहायक होती है और किस प्रकार? [3]

उत्तर : लाठी नदी-नाले, कुत्ता और दुश्मनों से हमारा बचाव करती है। लाठी संकट के समय वह हमारी सहायता करती है। गहरी नदी और नाले को पार करते समय मददगार साबित होती है। यदि कोई कुत्ता हमारे ऊपर झपटे तो लाठी से हम अपना बचाव कर सकते हैं। अगर हमें दुश्मन धमकाने की कोशिश करे तो लाठी के द्वारा हम अपना बचाव कर सकते हैं। लाठी गहराई मापने के काम आती है।

4. कवि सब हथियार छोड़कर लाठी लेने की बात क्यों कर रहे है? अपने विचार व्यक्त करते हुए कुंडलियाँ लेखन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : लाठी सब हथियारों में सबसे सस्ता और सुलभ हथियार होने के कारण कवि इसे अपने साथ रखने की सलाह देते हैं। लाठी केवल आत्मरक्षा ही नहीं बल्कि कई अन्य कामों के लिए भी काम आती है इसलिए उन्होंने सब हथियार छोड़कर लाठी लेने की बात कही है।

कवि ने अपनी इस कुंडली द्वारा लाठी जैसे सामान्य से दिखने वाली वस्तु की उपयोगिता से लाठी का दर्जा बड़ा बना दिया है। कवि अपनी कुंडलियों के द्वारा जनमानस पर बड़ा प्रभाव छोड़ते हैं जैसे ऐसी जगह नहीं जाना चाहिए जहाँ आपका मान नहीं होता या परोपकार का जीवन में कितना महत्त्व है आदि बातें उनकी इन कुंडलियों से बखूबी पता चलती है।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूंगा।
अभिमन्यु जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दुःख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।

[भिक्षुक - सूर्यकांत त्रिपाठी - 'निराला']
[Bhikashuk – Suryakanth Tripathi – 'Nirala']

1. पहली दो पंक्तियों में कवि ने क्या दृश्य प्रस्तुत किया है? [2]

उत्तर : पहली दो पंक्तियों में कवि ने भिक्षुक की अपनी क्षुधा मिटाने के लिए जूठी पत्तलें चाटने का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया है। भिक्षुक को जब कुछ नहीं मिलता तो वे जूठी पत्तलें चाटने के लिए विवश हो जाते हैं। जूठी पत्तलों में जो कुछ थोड़ा बहुत अन्न बचा था वे उसी को खाकर अपनी भूख शांत करने का प्रयास करते हैं।

2. इस भावुक दृश्य से हमारे हृदय में क्या भाव उत्पन्न होते है? [2]

उत्तर : इस भावुक दृश्य को देखकर हमारे मन में दया और करुणा के भाव उपजते हैं। भूख के क्या मायने होते हैं यह हमें समझ आता है।

3. क्या भिक्षुकों की मदद करना माननीय धर्म नहीं है? वहाँ अभिमन्यु का उदहारण कवि ने क्यों दिया है? [3]

उत्तर : भिक्षुकों की मदद करना मानवीय धर्म है। इस कविता में कवि ने अभिमन्यु का उदहारण भिक्षुक के संघर्ष को दिया है। भिक्षुक को जब कुछ नहीं मिलता तो वे जूठी पत्तलें चाटने के लिए विवश

हो जाते हैं। जूठी पत्तलों में जो कुछ थोड़ा बहुत अन्न बचा था वे उसी को खाकर अपनी भूख शांत करने का प्रयास कर रहे होते है कि राह के कुत्ते भी उनसे वह अन्न छीन लेना चाहते हैं। यहाँ पर कवि यही बताने का प्रयास कर रहे हैं कि अपने अधिकारों के लिए आपको लड़ना पड़ता है।

4. प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव एक भिक्षुक और उसके बच्चों की दयनीय अवस्था के चित्रण से पाठकों में ऐसे उपेक्षित लोगों के प्रति सहानुभूति जगाना है। कवि का उद्देश्य है कि समाज में उपेक्षित वर्ग के लिए लोगों के मन में न केवल सहानुभति उपजे वरन् समाज उनकी स्थिति सुधारने का प्रयत्न भी करें।

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मैं पूर्णता की खोज में
दर-दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ न कुछ
रोड़ा अटकता ही रहा
पर हो निराशा क्यों मुझे?
जीवन इसी का नाम है।
चलना हमारा काम है।"

[चलना हमारा काम है – शिवमंगल सिंह 'सुमन']

[Chalna Hamara Kaam Hai – Shiv, Mangal Singh 'Suman']

1. कवि ने मनुष्य के जीवन के बारे में क्या कहा है तथा क्यों? [2]

उत्तर : कवि का मनुष्य जीवन के बारे में कहना है कि मनुष्य चुनौतियों का सामना करने के लिए पैदा हुआ है क्योंकि जीवन में सफलता

के साथ असफलता, सुख के साथ दुःख और सहजता के साथ बाधाएँ आती रहती है, यही जीवन है।

2. कवि के अनुसार जीवन का महत्त्व किसमें है? स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : कवि के अनुसार जीवन का महत्त्व कर्मपथ पर चलते रहना और अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने में हैं। राह में मिलने वाले सभी को साथ लेकर सुख-दुख को गले लगाकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।

3. जीवन में सुख-दुख और आशा-निराशा के प्रति हमारा क्या दृष्टिकोण होना चाहिए? अपने दुखों और निराशा के लिए हमें किसको दोष देना उचित नहीं है तथा क्यों? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर : जीवन में आनेवाले सुख-दुख और आशा-निराशा के प्रति हमारा दृष्टिकोण आशावादी होना चाहिए क्योंकि इसी का नाम जीवन है। हमें अपने दुखों और निराशा के लिए किसी व्यक्ति या भगवान को दोष नहीं देना चाहिए क्योंकि हम हमारे कर्मो द्वारा अपना भविष्य निर्धारित करते हैं।

4. प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने पाठकों को क्या संदेश दिया है? [3]

उत्तर : 'चलना हमारा काम है', नामक कविता 'शिवमंगल सिंह' 'सुमन जी' द्वारा लिखित प्रसिद्ध कविता है। कवि का मानना है कि मनुष्य को सदा कर्म पथ पर चलते रहना चाहिए। उसे कभी रुकना नहीं चाहिए। राह में मिलने वाले सभी को साथ लेकर सुख-दुःख को गले लगाकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। मनुष्य चुनौतियों का सामना करने के लिए पैदा हुआ है क्योंकि जीवन में सफलता के साथ असफलता,सुख के साथ दुःख और सहजता के साथ बाधाएँ आती रहती है, यही जीवन है। हमें मार्ग में आने

वाली बाधाओं का डटकर सामना करना चाहिए। कर्मशील मनुष्य ही जीवन में आगे बढ़ते है। कवि ने यही संदेश दिया है।

नया रास्ता (सुषमा अग्रवाल)

(Naya Rasata – Sushma Agarwal)

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अमित मेज पर बैठा खाना खाने लगा। माँ भी उसके पास बैठ गई। बैठे-बैठे वह न जाने किन विचारों में खो गई और एकटक अमित की ओर ही देखती रही।

1. माँ अमित की तरफ देखते हुए क्या सोच रही थी? [2]

उत्तर : अमित की माँ यह सोच रही थी उनके भाई का बेटा दीपक अमित से बहुत छोटा होने के बावजूद उसकी शादी हो रही है। और यहाँ अमित बड़ा होने के बावजूद भी अभी तक कुँवारा ही है।

2. दीपक कौन है? उन्हें किस बात का कार्ड मिला? [2]

उत्तर : दीपक अमित का ममेरा भाई है। उसी की शादी का कार्ड आया है।

3. मधु के बारे में माँ ने अमित से क्या कहा? [3]

उत्तर : माँ ने अमित से मधु के बारे में यह कहा कि मधु भी अब विवाह लायक हो गई है परंतु वे चाहती हैं कि पहले अमित की शादी की जाय क्योंकि वह मधु से सात वर्ष बड़ा है। मधु के जाने के बाद वे अकेली हो जाएगी उसके पहले वह घर में बहू लाना चाहती है।

4. माँ को घर में बहू की कमी क्यों अखरती थी? [3]

उत्तर : उसके पति और बेटा अमित तो फैक्ट्री चले जाते थे और बेटी अपने कॉलेज में व्यस्त रहती थी। और इसी अकेलपन में उन्हें बहू की कमी कुछ ज्यादा ही अखरती रहती थी।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दूसरे ही क्षण मीनू उसके सामने आ गई और खुशी से उसके हाथ चूम लिये। अरे मीनू, आज तो बहुत प्रसन्न दिखाई दे रही हो। क्या बात है? नीलिमा ने पूछा"

1. मीनू कौन है? उसकी प्रसन्नता का कारण क्या है? [2]

उत्तर : मीनू दयाराम की बेटी है। मीनू साधारण नक्श वाली साँवली युवती है। मीनू पढ़ी-लिखी सुलझे हुए विचारों की युवती है। मीनू प्रसन्न इसलिए थी क्योंकि बहुत कोशिशों के बाद मेरठ में रहने वाले लड़के को उसका फोटो पसंद आ गया था।

2. 'उसके' सर्वनाम का प्रयोग किसके लिए किया गया है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिये। [2]

उत्तर : 'उसके' सर्वनाम का प्रयोग मीनू की अभिन्न सहेली नीलिमा के लिए किया गया है। नीलिमा केवल मीनू सहेली ही नहीं बल्कि वह उसकी हितैषी और सुख दुःख की साथी भी थी।

3. मीनू के चेहरे पर किस बात को सोचकर उदासी छा जाती है'? मीनू की उदासी कब और किस प्रकार दूर होती है? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर : मीनू पहले यह सोचकर प्रसन्न थी कि उसकी फोटो को लड़के वालों ने पसंद कर लिया है लेकिन उसे कुछ पुरानी बातें याद आ जाती इससे पहले कई लड़कों ने उसे साँवली बताकर उसका

रिश्ता ठुकराया है और यही सब सोचकर वह उदास हो जाती है। मीनू अपने पुराने ठुकराए रिश्तों को याद कर जब दुखी हो जाती है तब नीलिमा उसे इस उदासी से दूर करने के लिए विभिन्न मुद्राओं में खिंची गई अपनी तस्वीरों को दिखाने लगी।

4. प्रस्तुत उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये। [3]

उत्तर : नया रास्ता उपन्यास द्वारा लेखिका सुषमा अग्रवाल ने सामाजिक रूढ़ियों का विरोध किया है। इसमें स्त्री जीवन के संघर्ष का वर्णन किया गया है। इसकी नायिका आत्म-निर्भर होकर अपना जीवन निर्वाह करना चाहती है परंतु पुरुष प्रधान समाज और लोगों की संकुचित सोच उसके रास्ते में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। परंतु नायिका अपने लक्ष्य में सफल होती है। इस प्रकार 'नया रास्ता' उपन्यास के माध्यम से लेखिका युवतियों में नई चेतना और आत्म-निर्भरता की भावना भरना चाहती है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"परन्तु तुम वे तो सोचों कि आजकल शादी के बाद ही दावत दी जाती है। यदि हम प्रतिभोज नहीं देंगे तो दुनिया वाले क्या कहेंगे और फिर बड़े घर की लड़की आ रही है। दावत नहीं देंगे तो सब लोग बात बनाएँगे।"

1. उपर्युक्त कथन किसने, किस अवसर पर कहा था? [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन अमित के पिता मायाराम ने अपनी पत्नी को अमित के विवाह के उपरांत दिए जाने वाले भोज के संदर्भ में कहा।

2. 'बड़े घर की लड़की' किसको कहा गया है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर : बड़े घर की बेटी सेठ धनीमल की बेटी सरिता के लिए कहा गया है।

यहाँ पर 'बड़े घर की बेटी' धनीमल की बेटी सरिता को कहा गया है। सरिता बड़े घर की बेटी है। वह धनीमल की तीसरी बेटी है। उसका विवाह अमित के साथ तय किया गया है। वह घर के काम करने में जरा भी रूचि नहीं रखती। सरिता के अनुसार विवाह के बाद उसके पिता घर के काम करने केलिए उसके साथ नौकर भेज देंगे। उसे पेंटिंग और कार ड्राईविंग में विशेष रूचि थी।

3. उपर्युक्त कथन के विषय में अमित के क्या विचार हैं? वह इस शादी से सहमत क्यों नहीं है? धनीमल जी ने शादी के प्रस्ताव के साथ क्या लालच दिया था? [3]

उत्तर : अमित के अपनी शादी के बारे में कुछ खास विचार नहीं थे। उसे वैसे भी सरिता पसंद नहीं थी। वह केवल अपने माता-पिता का मान रखने के लिए इस विवाह के लिए सहमत हुआ था। धनीमल ने शादी के पूरे खर्च के साथ एक फ्लैट का भी लालच दिया था।

4. आजकल के मध्यमवर्गीय परिवारों में विवाह आदि रीति-रिवाजों के अवसर पर होने वाले फिजूलखर्चे पर अपने विचार लिखिए। [3]

उत्तर : आजकल मध्यमवर्गीय परिवारों में शादी को लेकर फिजूल खर्ची बढ़ गई है इसका कारण है दिखावा और दूसरों से स्पर्धा। इस दिखावे की होड़ में लोग सबकुछ भूल जाते हैं। यहाँ तक के कर्ज लेकर भी बढ़िया से बढ़िया शादी का आयोजन करते हैं। जैसे संगीत के लिए अलग प्रोग्राम, मेहंदी के लिए अलग, हल्दी के लिए अलग-जिसमे कपड़ों से लेकर सजावट हर वस्तु पर खर्च किया जाता है। यह बहुत ही गलत है शादी सादगी से करकर संसाधनों का व्यय करने से बचना चाहिए तथा वह पैसे बच्चों के

उज्जवल भविष्य के लिए या समाज कल्याण के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश की मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो सकती। हो पाती तो कुल, धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती।"

[संस्कार और भावना - विष्णु प्रभाकर]

[Sanskar Aur Bhavna – Vishnu Prabhakar]

1. वक्ता कौन है? यह वाक्य वह किसे कह रही है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त कथन की वक्ता माँ है। यह वाक्य वक्ता द्वारा अपनी छोटी बहू उमा को कह रही है।

2. 'संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है' यह कथन एकांकी में किसका है? उसने ऐसा क्यों कहा? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त कथन एकांकी में घर के बड़े बेटे अविनाश का है। अविनाश में उपर्युक्त कथन अपनी माँ की रुढ़िवादी सोच के लिए कहा था।

3. संस्कारों की दासता के कारण वक्ता को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? [3]

उत्तर : संस्कारों की इसी दासता के कारण वक्ता को निर्मम होना पड़ा। इसी के कारण उसके बहू-बेटे को घर छोड़ना पड़ा और उन्हें अपने बड़े बेटे अविनाश से भी बिछड़ना पड़ा। बेटे के बीमार होने की सूचना तक वह न पा सकी।

4. प्रस्तुत एकांकी द्वारा एकांकीकार ने क्या संदेश दिया है? [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी द्वारा एकांकीकार ने यह संदेश दिया है कि रूढ़ियाँ जब बंधन बनकर बोझ बनने लगे तो उन्हें छोड़ देना ही उचित होता है। एकांकीकार के अनुसार समयानुसार हमें अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। किसी सही बात का इतना भी विरोध नहीं करना चाहिए कि अंत में हमें उस बात को मानने के लिए मजबूर होना पड़े।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"जानता हूँ, युधिष्ठिर ! भली भाँती जानता हूँ। किन्तु सोच लो, में थक कर चूर हो गया हूँ, मेरी सभी सेना तितर-बितर हो गई है, मेरा कवच फट गया है, मेरे शास्त्रास्त्र चुक गए हैं। मुझे समय दो युधिष्ठिर ! क्या भूल गए मैंने तुम्हें तेरह वर्ष का समय दिया था?

[महाभारत की एक साँझ - भारत भूषण अग्रवाल]

[mahabharat Ki Ek Sanjh - Bhushan Agarwal]

1. वक्ता कौन है? वह क्या जानता था? [2]

उत्तर : वक्ता यहाँ पर दुर्योधन है। वह भलीभांति इस बात से परिचित है कि जिस ईर्ष्या की आग को वह वर्षों से घी पिला रहा था उसमें उसके सारे प्रियजन तो जलकर समाप्त हो गए हैं परंतु जब तक

उसका नाश नहीं हो जाता तब तक यह ईर्ष्या की ज्वाला शांत न होगी। ईर्ष्या की यह ज्वाला उसकी आहुति लिए बिना न मानेगी।

2. वक्ता इस समय असहाय क्यों हो गया था? क्या वह वास्तव में असहाय था? [2]

उत्तर : वक्ता दुर्योधन असहाय इसलिए हो गया है कि कौरव कुल से सभी समाप्त हो चुके हैं। युद्ध में सारे कौरव महारथी, और उनके सहयोगी मारे जा चुके हैं। वह केवल अकेला बचा है उसके पास कोई सेना या शस्त्रास्त्र नहीं बचे हैं। वह युद्ध करते-करते थक गया है यहाँ तक कि उसका कवच भी फट चुका है।

3. श्रोता कौन है? श्रोता को तेरह वर्ष का समय कैसे दिया था? इस कथित को आप कितना सही मानते है? [3]

उत्तर : यहाँ पर श्रोता युधिष्ठिर है। यहाँ पर जुए में हारने पर कौरवों द्वारा पांडवों को तेरह वर्ष का वनवास दिया गया था। कौरवों ने यह वनवास इसलिए दिया था कि उन तेरह वर्षों में पांडव जंगल-जंगल भटककर थक जाएँगे। वे समाज से कट जाएँगे और इससे कौरवों का राज्य पर एकछत्र शासन का सपना निर्विघ्न पूरा हो जाएगा। मेरे अनुसार यह सर्वथा अनुचित था। केवल राज्य पाने की मंशा से अपने भाईयों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाना सर्वथा गलत था।

4. वक्ता ने जो समय दिया था उसका उद्धेश्य क्या था? क्या वह अपने उद्धेश्य में सफ़ल हो सका? स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : वक्ता का तेरह वर्ष के वनवास का उद्देश्य पांडवों को अपने रास्ते से हटाना था। वक्ता अति महत्त्वाकांक्षी था वह राज्य पर अपना

एकछत्र शासन चाहता था। वक्ता ने तेरह वर्ष का वनवास पांडवों को इसलिए दिया था कि उन तेरह वर्षों में पांडव जंगल-जंगल भटककर थक जाएँगे। वे प्रजा से कट जाएँगे और इन तेरह वर्ष के दौरान वह किसी न किसी तरह उन्हें मारकर कौरवों का राज्य पर एकछत्र शासन का सपना निर्विघ्न पूरा कर देगा।

वक्ता अपने इस प्रयास में पूरी तरह सफल नहीं हो पाया। पांडवों द्वारा वनवास की अवधि को सफलतापूर्वक पूरा कर दिया गया और जिसका कौरवों को डर था वह सच हो गया क्योंकि वनवास के पश्चात पांडव और अधिक शक्तिशाली बनकर उभरे और अपने राज्य की माँग करने लगे।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"आज कुसमय नाच-रंग की बात सुनकर मेरे मन में शंका हुई थी। इसलिए मैंने कुँवर को वहाँ जाने से रोक दिया था। संभव था कि कुँवर वहाँ जाते और बनवीर अपने सहायकों से कोई काण्ड रख देता।"

[दीपदान - डॉ. रामकुमार वर्मा]

[Deepdan - Dr. Ram Kumar Verma]

1. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन की वक्ता पन्ना धाय माँ है। वक्ता स्वर्गीय महाराणा साँगा का सबसे छोटे पुत्र उदयसिंह की धाय माँ है। उसकी माँ की मृत्यु के पश्चात से पन्ना धाय जो कि महाराज की सेविका थी उसने उसे माँ की तरह पाला।

2. नाच-रंग का आयोजन किसने और किस उद्धेश्य से किया था? [2]

उत्तर : नाच रंग का आयोजन बनवीर द्वारा किया गया था। बनवीर महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र था जिसे महाराणा साँगा की मृत्यु के पश्चात राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। बनवीर का इस नाच-गाने की आड़ में राज्य के असली उतराधिकारी कुंवर उदयसिंह को अपने रास्ते से हटाना उसका उद्देश्य था।

3. बनवीर कौन है? उसका परिचय देते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : बनवीर महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज का दासी पुत्र था। महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। बनवीर अति महत्त्वाकांक्षी था। जिस राज्य की देखभाल का जिम्मा उसे सौंपा गया था उसी पर अपनी सत्ता कायम करने के लिए कुटिल योजनाएँ बनाने लगा यहाँ तक कि वह रास्ते में आने वाले है हर व्यक्ति को समाप्त करने लगा। उसने कुंवर उदयसिंह को मारने की योजना को पूरा करने के लिए राज्य के विश्वासपात्रों को भी अपनी ओर मिलाने का भरसक प्रयास किया। इन सब बातों से पता चलता है कि बनवीर अत्यंत क्रूर, निर्दयी, स्वार्थी और कपट से परिपूर्ण व्यक्ति था।

4. 'दीपदान' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता बताइए तथा एकांकी के माध्यम से एकांकीकार ने क्या शिक्षा दी है? [3]

उत्तर : इस कहानी की शुरुवात में दीपदान की बात आती है। राज्य में एक अनोखा दीपोत्सव मनाया जाता है जिसकी आड़ में कुँवर की हत्या करना था। स्वामिभक्त पन्ना धाय अपने बेटे का बलिदान कर एक दीपदान करती है। उसका यह दीपदान सर्वोच्च कोटि का होता है। जहाँ वह राज्य के उत्तराधिकारी को बचाने के लिए अपनी ममता को भी ताक पर रक् देती है। पूरी कहानी बनवीर और पन्ना धाय के दीपदान पर केन्द्रित होने के कारण यह शीर्षक सर्वथा उचित है।

इस एकांकी के माध्यम से एकांकीकार देशप्रेम, त्याग, बलिदान और कर्तव्यपरायणता की शिक्षा दी है। स्वामिभक्ति के सामने अपने निजी स्वार्थों की भी बलि देनी पड़ती है यह पन्ना धाय के माध्यम से बताया गया है जो एकांकी की मूल शिक्षा है।

ICSE Paper 2019

Hindi

- Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
- You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
- This time is to be spent in reading the Question Paper.
- The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.
- This paper comprises of two Sections – Section A and Section B.
- Attempt all questions from Section A.
- Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.
- The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A [40 Marks]

(Attempt all questions from this Section)

Question 1.
Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :
(i) आपके विदयालय में एक मेले का आयोजन किया गया था। यह किस अवसर पर, किस उद्देश्य से किया गया था ? उसके लिए आपने क्या-क्या तैयारियाँ की ? आपने और आपके मित्रों ने एवम शिक्षकों ने उसमें क्या सहयोग दिया था ? इन बिंदुओं को आधार बनाकर एक प्रस्ताव विस्तार से लिखिए।

(ii) यात्रा एक उत्तम रुचि है। यात्रा करने से ज्ञान तो बढ़ता ही है, स्थान विशेष की संस्कृति तथा परंपराओं का परिचय भी मिलता है। अपनी किसी यात्रा के अनुभव तथा रोमांच का वर्णन करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(iii) 'वन है तो भविष्य है' आज हम उसी भविष्य को नष्ट कर रहे हैं, कैसे ? कथन को स्पष्ट करते हुए जीवन में वनों के महत्त्व पर अपने विचार लिखिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका अंत प्रस्तुत वाक्य से किया गया हो-और मैंने राहत की साँस लेते हुए सोचा कि आज मेरा मानव जीवन सफल हो गया।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध, चित्र से होना चाहिए।

Answer:

(i) मेरे विद्यालय में मेले का आयोजन
आज का युग विज्ञापन व प्रदर्शन का युग है। इस भौतिकवादी युग में नगरों तथा ग्रामों में तरह-तरह के मेलों का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे ही आयोजन विद्यालयों व महाविद्यालयों में किए जा रहे हैं। ऐसी ही कई प्रदर्शनियाँ हमारे नगर में भी लगती रहती हैं जिनका संबंध पुस्तकों, विज्ञान के उपकरणों, वस्त्रों आदि से होता है। मैं गत रविवार अपने विद्यालय में आयोजित ऐसे ही एक भव्य मेले में गया। मुझे बताया गया था कि वह प्रदर्शनी जैसे स्वरूप का मेला अब तक की सबसे बड़ी प्रदर्शनी है जिसमें देशविदेश की कई बड़ी-बड़ी कंपनियाँ और निर्माता अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं।

इसी बात को ध्यान में रखकर मैं अपने पिताजी के साथ उस 'एपेक्स ट्रेड फेयर' नामक त्रि-दिवसीय मेले में चला गया।। मेला सचमुच विशाल एवं भव्य था। विद्यालय के सभागार के अतिरिक्त बाहर के पंडालों में भी शामियाने के नीचे स्टाल लगे हुए थे। हम पहले हॉल में गए। वहाँ सबसे पहले मोबाइल कंपनियों के स्टाल थे। नोकिया, सैमसंग, एयरटेल, वोडाफ़ोन, पिंग, रिलायंस आदि मुख्य कंपनियाँ थीं। सभी ने छूट और पैकेज की सूचनाएं लगा रखी थीं। सेल्समैन आगंतुकों को लुभाने के लिए अपनी-अपनी बातें रख रहे थे।

आगे बढ़े तो इलैक्ट्रोनिक का सामान दिखाई दिया जिनमें मुख्यतः माइक्रोवेव, एल.सी.डी., डी.वी.डी., कार स्टीरियो, कार टी.वी., ब्लैंडर, मिक्सर, ग्राईंडर, जूसर, वैक्यूम क्लीनर, इलैक्ट्रिक चिमनी, हेयर कटर, हेयर ड्रायर, गीज़र, हीटर, कन्वैक्टर, एयर कंडीशनर आदि अनेकानेक उत्पादों से जुड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि अपना-अपना उत्पाद गर्व सहित प्रदर्शित कर रहे थे।

इन मेलों का मुख्य लाभ यही है कि हम इनमें प्रदर्शन (फ्री डैमो) की क्रिया भी देख सकते हैं कि कौन-सा उत्पाद कैसे संचालित होगा और उसका परिणाम क्या सामने आएगा। अगले स्टालों पर गृह-सज्जा का सामान प्रदर्शित किया गया था। उसमें पर्दो, कालीनों और फानूसों की अधिकता थी। हॉल से बाहर आए तो हमें सबसे पहले खाद्य-पदार्थों और पेय-पदार्थों के स्टाल दिखाई दिए। इनमें नमकीन, भुजिया, बिस्कुट,

चॉकलेट, पापड़ी, अचार, चटनी, जैम, कैंडी, स्कवैश, रस, मुरब्बे, सवैयां आदि से जुड़े तरह-तरह के ब्रांड प्रदर्शित किए गए थे। चखने के लिए कटोरों में नमकीन रखे गए थे। पेय-पदार्थों को भी चखकर देखा जा रहा था।

मेले के अगले चरण में वस्त्रों को दिखाया जा रहा था। इन स्टालों पर पुरुषों और स्त्रियों के वस्त्र प्रदर्शित किए गए थे। पोशाकों पर उनके नियत दाम भी लिखे गए थे। साड़ियों की तो भरमार थी। उसके आगे आभूषणों और साज-सज्जा (मेक-अप) के सामान प्रदर्शित किए थे। इन उत्पादों में महिलाओं की अधिक रुचि होती है। यही कारण था कि इस कोने में स्त्रियाँ ही स्त्रियाँ दिखाई दे रही थीं।

इसके साथ ही हस्तशिल्प, हथकरघा और कुटीर उद्योगों द्वारा बना सामान दिखाया जा रहा था। हाथ के बने खिलौनों की खूब बिक्री हो रही थी। कुछ लोग हाथ से बुने थैले, स्वैटर और मैट खरीद रहे थे। सबके बाद मूर्तियों तथा तैल चित्रों को दिखाने का प्रबंध था। यह विलासित का कोना था क्योंकि उनमें से कोई भी वस्तु पाँच हजार रुपयों से कम मूल्य की नहीं थी। वहाँ इक्का-दुक्का लोग थे।

इस प्रकार हमने मेले में जाकर न केवल उत्पादों के दर्शन किए परंतु उनके उपयोग की विधियों की भी जानकारी ली। खरीद के नाम पर हमने दो लखनवी कुर्ते, एक थैला, दो प्रकार के आचार तथा एक छोटा-सा लकड़ी का खिलौना खरीदा। सचमुच इस प्रकार के मेले आज के विज्ञापन तथा प्रतिस्पर्धा के युग में विशेष महत्त्व रखते हैं। मेले के साथ-साथ हमारे विद्यालय का नाम भी सुर्खियों में आ गया।

(ii) मेरी पहली यात्रा

जब से मैंने पर्वतीय स्थलों के विषय में जाना है, तभी से मेरे मन में यह प्रबल इच्छा उठने लगी थी कि मैं किसी लंबी यात्रा पर जाऊँ और किसी पर्वतीय स्थल की मनोरम घटा का आनंद उठाऊँ। मुझे लंबी यात्रा और पर्वतों का बहुत ही शौक था। पर्वत मुझे दूर से ही आकर्षित करते हैं बहुत छुटपन में मैं जब कभी भी किसी चित्र, चलचित्र या दूरदर्शन के कार्यक्रम में पर्वतीय स्थलों को देखता या ऊँचे टीले को साक्षात् देख लेता तो ऐसा लगता मानो मैं पर्वत की ओर भाग रहा हूँ और वह पर्वत या टीला मुझे आमंत्रित कर रहा है।

तीव्रगामी रेलगाड़ी को देखकर मेरे मन में यह ललक उठती कि मैं भी उस पर सवार होकर कहीं दूर जा निकलूँ और खूब मौज मस्ती करूँ। अंततः वह चिर प्रतीक्षित अवसर आ ही गया। मैं बजवाड़ा के सैनिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा नवम का छात्र था। विद्यालय की ओर से पर्वतीय स्थल की यात्रा का कार्यक्रम बनने लगा तो मैंने अपने सहपाठियों से मिलकर मसूरी जाने का प्रस्ताव रखा।

हमारे प्रभारी अध्यापक हमें पुरी ले जाना चाहते थे परंतु मेरे पर्वतीय मोह ने उन्हें मसूरी चलने के लिए मना ही लिया। शनिवार को छुट्टियाँ हो रही थीं और हमने रविवार की रात को रेलयात्रा प्रारंभ करनी थी। मैं कई दिनों से अपने पापा और मम्मी की सहायता से अपना सामान तैयार कर रहा था। इसका यह परिणाम हुआ कि मैं शनिवार को ही सामान बाँधकर उसकी सूची हाथ में लेकर बैठ गया। वह रात प्रतीक्षा की रात थी। मेरे लिए वह रात पहाड़ जैसी थी जो बीत ही नहीं रही थी। रविवार को हमने होशियारपुर के रेलवे स्टेशन से अपनी रेल यात्रा प्रारंभ करनी थी।

वहाँ तक हम अपने विद्यालय की बस में गए। संध्या छह बजकर पंद्रह मिनट पर ट्रेन छूटती थी। हम पाँच बजे ही रेल के डिब्बे में सवार हो गए और ट्रेन छूटने के समय की प्रतीक्षा करने लगे। अंततः वह क्षण आया जब गार्ड ने सीटी दी और हमारी लंबी यात्रा का प्रथम चरण शुरू हुआ। होशियारपुर से जालंधर पहुँचकर हमें देहरादून एक्सप्रेस पकड़नी थी जो रात नौ बजकर चालीस मिनट पर छूटती थी। जालंधर पहुँचकर हमारे प्रभारी ने हमसे कहा कि हम सब रेलवे के अल्पाहार गृह में जाकर कुछ जलपान कर लें। दो लड़कों को सामान की रखवाली के लिए छोड़ दिया गया। बाद में उन्हें भी जलपान के लिए भेज दिया गया।

अमृतसर से चलकर देहरादून तक जाने वाली गाड़ी उचित समय पर आ गई। हमने ईश्वर का धन्यवाद किया क्योंकि प्रतीक्षा का एक-एक पल काटना भारी हो रहा था। रेलगाड़ी में आरक्षण होने के कारण हमें शायिका लेने में कोई कठिनाई नहीं हुई। मुझे खिड़की से बाहर देखना अच्छा लगता है परंतु अब घटाटोप अंधेरा था। विवश होकर मैं भी अन्य विद्यार्थियों की तरह सोने का प्रयास करने लगा। देहरादून को मसूरी का प्रवेश-द्वार कहा जाता है और मसूरी को पर्वतों की रानी कहते हैं। देहरादून से आगे हमें बस से जाना था। मैं हरे-भरे पठार, घने जंगल, ऊँचे-ऊँचे पेड़ आदि देखकर मुग्ध हो रहा था। बस में सवार होकर चले तो आगे घुमावदार सड़क आने लगी। रास्ता चक्करदार था। कुछ लड़कों को मितली आने लगी।

कई बार ऐसा लगता कि बस जहाँ पर अब हैं, वहीं पर घूम-घामकर पुनः पहुँच रही है। ऊँचे से और ऊँचे उठते हुए हमारी बस हमें मसूरी तक ले गई। मसूरी जाकर मुझे ऐसा लगा जैसे मैं प्रकृति की मनोरम और स्वर्गीय गोद में पहुँच गया हूँ। मैं अपने साथियों के साथ पूरे पाँच दिन तक मसूरी रहा। अब वह समय आया जब हमें लंबी यात्रा के इस पड़ाव को छोड़ना था। हमें पुनः उसी मार्ग से उतनी ही लंबी यात्रा पर निकलते हुए अपने-अपने घरों को लौटना था। बस ने हमें देहरादून लाकर छोड़ दिया।

वहाँ से हम रिक्शों में बैठकर रेलवे स्टेशन पहुँचे और ट्रेन की प्रतीक्षा करने लगे। ट्रेन अभी रेलवे यार्ड में वाशिंग के लिए गई हुई थी। जब शाटिंग इंजन से खिंचती हुई वह पंद्रह डिब्बों की ट्रेन प्लेटफार्म पर आई तो हम उस पर सवार होने के लिए दौड़ पड़े। बुकिंग होने के बावजूद न जाने क्यों हम अपना स्थान पाने के लिए दौड़ पड़े। हमारे स्थान सुरक्षित थे। सात बजकर पैंतीस मिनट पर हमारी उलटी यात्रा प्रारंभ हुई और हम गाते-बजाते मौज मनाते जालंधर की ओर जा रहे थे।

जालंधर कैंट पहुँचकर हमें उसी प्रकार ट्रेन बदलकर होशियारपुर जाना था जहाँ हमारे विद्यालय की बस पहले से ही हमारी प्रतीक्षा में खड़ी थी।, इस प्रकार मेरे जीवन की पहली लंबी यात्रा संपन्न हुई। इस यात्रा के अनुभव आज भी मेरे मन को मुग्ध करते हैं। आज भी कई बार ऐसा लगता है कि मैं उसी तरह देहरादून एक्सप्रेस में बैठा हूँ और पहाड़ों की रानी मसूरी की ओर भाग रहा हूँ।

(iii) वन है तो भविष्य है

यह कथन शत-प्रतिशत सही है कि 'वन है तो भविष्य है'। वन मानव जीवन के लिए अनेक प्रकार से महत्त्वपूर्ण हैं। हम सभी जानते हैं कि पृथ्वी पर जीवन का आरंभ तब से ही हुआ, जब छोटे-छोटे हरे पौधों ने प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया द्वारा अपना भोजन बनाना आरंभ किया। आज भी प्राण-वायु ऑक्सीजन हमें वृक्ष ही देते हैं, इसीलिए भारतीय संस्कृति में वृक्षों की पूजा की जाती है। माँ के आँचल की भाँति वे हमें छाया देते हैं, माँ के पूत-पय की भाँति अमृतमयी जलधारा बरसाते हैं, भूमि की रक्षा कर हमें अन्न देते हैं, फल देते हैं।

वृक्ष या वनों को मानव के चिर मित्र कहा जाए, तो यह युक्तिसंगत होगा। इनके लाभ को गिनना संभव ही नहीं। ये धरती के जीवनरक्षक हैं।

अपने भोजन को बनाते हुए प्राणघातक कार्बन-डाइ-ऑक्साइड को लेकर हमें जीवनदायिनी ऑक्सीज़न देते हैं। अपना भोजन बनाते हैं, लेकिन फल रूप में उसे संचित कर हमें लौटा देते हैं। हमारी भूमि को अपनी जड़ों से पकड़कर हमें खेती योग्य भूमि की हानि होने से बचाते हैं। इनकी हरीतिमा मनोहारी दृश्य उपस्थित करती है। इनके सघन कुंज वन्य जीवन को आवास और सुरक्षा प्रदान करते हैं। वृक्षों से हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ प्राप्त होती हैं। इनकी पत्तियाँ झड़कर, सड़कर भी पुनः खाद के रूप में उपयोग में आती हैं। आज के जीव वैज्ञानिक मानते हैं कि हमारे पारिस्थितिक-तंत्र (Ecosystem) को ये वृक्ष संतुलित करते हैं।

वृक्षों से हमें अनेक लाभ हैं। पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा वृक्ष हमें अन्न, फल, फूल, जड़ी-बूटियाँ, ईंधन तथा इमारती लकड़ियाँ प्रदान करते हैं । वन वर्षा में सहायक होते हैं, भू-क्षरण को रोकते हैं तथा रेगिस्तान के प्रसार पर अंकुश लगाते हैं। अनेक जीव-जंतुओं को वृक्ष ही आश्रय देते हैं। अनेक उद्योग-धंधे वृक्षों से मिलने वाली सामग्री पर आधारित होते हैं। प्लाईवुड, कागज़, लाख, रेशम, रबड़ जैसे उद्योग-धंधे पूर्णतया वृक्षों पर ही आश्रित होते हैं।

आज जनसंख्या की वृद्धि के कारण आवास की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। भूमि की मात्रा बढ़ाई नहीं जा सकती, इसलिए जनसंख्या को आवास प्रदान करने के लिए वृक्षों की कटाई करना आवश्यक हो गया है, साथ ही नई औद्योगिक इकाइयाँ लगाने के लिए भी भूमि की कमी को दूर करने के लिए भी वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। वृक्षों की कटाई के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है तथा मौसम में अनियमित बदलाव देखने को मिलते हैं।

अनेक प्राकृतिक विपदाएँ, जैसे-बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, अनावृष्टि आदि वृक्षों की अनियंत्रित कटाई के कारण ही उत्पन्न हुई हैं। पेड़-पौधों की कटाई के कारण वन्य पशुओं की अनेक दुर्लभ प्रजातियाँ लुप्त हो गई हैं तथा धरती के सौंदर्य पर भी कुठाराघात हुआ है। बढ़ते हुए प्रदूषण के कारण अनेक बीमारियाँ बढ़ती जा रही हैं। वनों की कटाई पर रोक लगाने के लिए हमारे देश में सन् 1950 में वन-महोत्सव को प्रारंभ किया गया, जो जुलाई माह में मनाया जाता है। सन् 1976 से वनों के काटने के लिए केंद्रीय सरकार की अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकारें 'वृक्ष लगाओ, धन कमाओ' योजना के अंतर्गत अनेक बेरोज़गारों को रोज़गार दे रही हैं।

उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में 'चिपको आंदोलन' वृक्षों की कटाई को रोकने के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है। वृक्षों के संरक्षण के संबंध में ग्रामीण समाज में जागृति लाना भी अत्यावश्यक है। भारतीय संस्कृति में तो वृक्षों की पूजा की जाती है। आम, पीपल, बरगद, केला, आँवला जैसे अनेक वृक्ष पवित्र माने जाते हैं। अतः प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए तथा हरे-भरे पेड़ को कभी न काटे। 'प्राकृतिक संपदा के कोष और नैसर्गिक सुषमा के आगार'-वृक्षों के संरक्षण की आज नितांत आवश्यकता है।

(iv) कहानी : मेरा जीवन सफल हो गया।

जीवन में अनेक स्मृतियाँ होती हैं जो दुखद भी होती हैं और सुखद भी। परंतु कुछ घटनाएँ ऐसी होती हैं जो न केवल हमें सीख देती हैं अपितु हमारा जीवन बदलकर रख देती हैं। साथ ही हमें भावी जीवन के लिए भी

दिशा प्रदान कर देती हैं। ऐसी ही एक घटना बचपन में मेरे साथ भी हुई जो थी तो दुखद परंतु उसका अंत बहुत सुखद था और मेरे लिए जीवन का नया रास्ता खुल गया। मेरे पिता बहुत बड़े व्यवसायी हैं और मैं अपने माता-पिता की इकलौती संतान हूँ, इसलिए मेरा लालनपालन बड़े प्यार से हुआ जिसके कारण मैं जिद्दी और अहंकारी हो गया। मैं गरीब लोग, चाहे वे हमारे यहाँ काम करने वाले हों या दूसरे, किसी को कुछ नहीं समझता था। मैं सबका उपहास उड़ाता था और उन्हें तरह-तरह से तंग किया करता था।

यहाँ तक कि कई बार मैंने अपने पिता से हमारे यहाँ काम करने वाले लोगों की झूठी शिकायतें की और उन पर लांछन लगाया जिस कारण उन्हें निर्दोष होते हुए भी प्रताड़ना सहनी पड़ी। कई लोगों को तो नौकरी से भी निकाल दिया गया। यह सब देखकर मुझे देखकर बहुत आनंद आता था। एक दिन मैं अपने मौसी के बच्चों के साथ घूमने राजस्थान गया। पिताजी ने हमारे साथ हमारे यहाँ काम करने वाले दो लोगों विकास और प्रभुदयाल को देखरेख के लिए साथ भेजा।

रास्ते भर हम सब बच्चों ने उन्हें बहुत तंग किया, परंतु वे विवशता के कारण चुप रहे। हमने सबसे पहले जयपुर की सैर की। शरारती होने के कारण मैं इधर-उधर भाग रहा था कि अचानक मेरा धक्का खाकर विकास सामने से आते एक टैम्पो की चपेट में आ गया। टैम्पों की रफ्तार बहुत तेज़ थी और वह मारकर भाग गया। विकास को बहुत चोटें आईं मेरा सिर फट गया। जब तीन दिन बाद होश आया तो मैं अस्पताल में था और मेरे सिर पर पट्टियाँ बँधी थीं। मेरे माता-पिता भी आ गए थे।

उन्होंने मुझे बताया कि बहुत खून बह जाने के कारण मेरी हालत गंभीर हो गई थी। डॉक्टर को खून चढ़ाना पड़ा। मुझे खून देने वाला ओर कोई नहीं बल्कि हमारे साथ गया हमारा नौकर प्रभुदयाल था। उसने मेरे दुर्व्यवहार के बावजूद न केवल रक्तदान देकर मुझे नया जीवन दिया बल्कि दिन-रात मेरी सेवा में लगा रहा। मम्मी-पापा ने जब उसके प्रति कृतज्ञता जताई तो उसने केवल इतना कहा कि इंसान ही इंसान के काम आता है। यह बात मेरे दिल को छू गई और मुझे अपने आप पर शर्म आने लगी तथा यह भी समझ में आ गया कि अमीरगरीब, छोटा-बड़ा कुछ नहीं होता। जो समय पर सब कुछ भूलकर किसी की मदद करे वही बड़ा है

और वही अमीर है। मैंने प्रवीन से माफ़ी माँगी और कहा कि मुझे आज यह सबक मिल गया है कि घमंड नहीं करना चाहिए तथा सभी को समान समझना चाहिए। इस घटना ने मेरे जीवन की दिशा ही बदल दी। उस दिन का वह सबक मेरे भावी जीवन में भी काम आएगा। इससे न मैं केवल एक सच्चा इंसान बन सकूँगा बल्कि भगवान के दिए इस अनमोल जीवन को दूसरों के काम में लगा सकूँगा। मैंने अपने हृदय परिवर्तन पर राहत की साँस ली और सोचा कि आज मेरा मानव जीवन सफल हो गया।

(v) चित्र प्रस्ताव : बाल मज़दरी या बाल-श्रम

प्रस्तुत चित्र का संबंध बाल मजदूरी या बाल-श्रम से है। बाल-श्रम किसी भी समाज व राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा कलंक माना गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थाएँ व गैर-सरकारी संगठन और क्लब इस अभिशाप के उन्मूलन के लिए विश्व-स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। प्रायः देखने में आता है कि जिस आयु में बच्चे विद्यालय की पोशाक पहनकर, साफ-सुथरे बनकर तथा पुस्तकों का बैग उठाकर पढ़ने जाते हैं, उस आयु के बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे होते हैं।

खेतों, दुकानों, ढाबों, फैक्टरियों, लघु उद्योगों, भवन-निर्माण आदि से जुड़े हज़ारों-लाखों बालमज़दूर हैं। कई विषैले, घातक व अस्वास्थ्यकर व्यवसायों से भी बाल-श्रमिक जोड़े जा रहे हैं। पटाखे, आतिशबाज़ी, बीड़ी-उद्योग व रसायनिक उद्योगों में भी इन अबोध बच्चों से मज़दूरी करवाई जाती है। कहा जाता है कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। आज का बच्चा कल का नेता, डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाशास्त्री, व्यापारी, कलाकार आदि कुछ भी हो सकता है। अतः समाज, उत्पादकों तथा राष्ट्र नेताओं का यह परम कर्तव्य बन जाता है कि इन नन्हें अविकसित फूलों को विकास से पूर्व ही मुरझा जाने के लिए विवश न करें।

विश्व के कई देशों, विशेषकर एशियाई देशों में करोड़ों बच्चे अपने बचपन से ही वंचित किए जा रहे हैं। कई बच्चों को मार-पीट तथा क्रूर व्यवहार द्वारा बाल-मजदूरी के लिए बाध्य किया जा रहा है। कछ बच्चों का अपहरण करके उनसे विविध क्षेत्रों में बलपूर्वक काम करवाया जा रहा है। कुछ देशों में कई ऐसे क्षेत्र भी देखे गए जहाँ बच्चों को बेच दिया जाता है और उन्हें खरीदने वाले उनका भरपूर शोषण करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि विकासशील देशों में 250 करोड़ों से भी अधिक ऐसे बाल मज़दूर हैं जिसकी आयु 5 से 14 वर्ष के बीच है। इनमें से 60% बच्चे एशिया में, 32% अफ्रीका में तथा 7% दक्षिणी अमेरिका में काम कर रहे हैं। काम करते समय उनका सामना खतरनाक अपशिष्ट से होता है, जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा कर सकता है। बाल-श्रम का मुख्य कारण निर्धनता व अभावग्रस्तता है। ऐसा भी देखा गया है कि कई निर्धन माता-पिता अपने बच्चों को किसी फैक्टरी मालिक के पास काम के लिए गिरवी रख देते हैं और उसके बदले में ऋण के रूप में तुरंत धन ले लेते हैं। कई बार बच्चा अपनी शारीरिक सीमा के कारण उतना कठोर काम नहीं कर सकता तो मालिक उसकी जीवन-यापन व आहार की आवश्यकताओं में कटौती लगा देता है।

ऐसी दशा में बच्चा निम्नस्तरीय मानव की जीवन-शैली जीने के लिए विवश हो जाता है। कितनी लज्जाजनक वास्तविकता है कि बाल-श्रम की दृष्टि से भारत में बाल मजदूरों की संख्या सर्वोच्च है। अनुमान बताते हैं कि भारत में 60 से 115 लाख बाल श्रमिक हैं। इनमें से अधिकतर कृषि क्षेत्रों, पैकिंग, घरेलू नौकर, रत्नों के पत्थर पॉलिश करने, पटाखों की फैक्टरियों, बीड़ी के कारखानों और ढाबों-दुकानों में कार्यरत हैं। दिसंबर, 1996 में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय बच्चों के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

इस निर्णय के अनुसार उन मालिकों को दंडित करने का प्रावधान है, जो बच्चों को खतरनाक व्यवसाय में धकेलते हैं। अगले ही वर्ष 1997 में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग' (एन० एच० आर० सी) को आदेश देकर बंधुआ मज़दूरी के विरुद्ध सभी राज्यों का पर्यवेक्षण करने को कहा। राज्य सरकारों ने ऐसे बाल-मजदूरों के उदाहरण ढूँढने के लिए कई सर्वेक्षण करवाए।

कुछ मालिकों को अभियुक्त भी बनाया गया परंतु कोई भी जेल में बंद नहीं किया जा सका। बाल-मज़दूरी के इस कलंक को मिटाने के लिए पूरे देश के प्रबुद्ध नागरिकों को आगे आना चाहिए। गैरसरकारी संगठनों की सहायता से प्रत्येक बच्चे की शिक्षा का प्रावधान करवाना चाहिए। आस-पास घरों या अन्य क्षेत्रों में बाल-श्रमिकों की जानकारी लेकर उन्हें शिक्षा की ओर प्रवृत्त करना चाहिए। सरकार द्वारा बनाए गए कानून का पालन करने के लिए हमारा सहयोग अनिवार्य है।

Question 2.
Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :
(i) आप अपने परिवार के साथ किसी एक प्रदर्शनी (Exhibition) को देखने गए थे। वहाँ पर आपने क्या क्या देखा ? वहाँ कौन-कौन सी चीजों ने आकर्षित किया ? जीवन में उनकी क्या उपयोगिता है ? अपना अनुभव बताते हुए अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखिए।
(ii) दिन-प्रतिदिन बढ़ते हुए जल संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नगर पालिका के अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए जिसमें वर्षा के जल का संचयन (rain water harvesting) करने के लिए व्यापक स्तर पर परियोजना चलाने का सुझाव दिया गया हो।

Answer :

(i) परीक्षा भवन,
——– नगर।
दिनांक : 18.9.20…….

प्रिय मित्र सुमंत,
सप्रेम नमस्कार। आशा है तुम स्वस्थ एवं सानंद होंगे। आज मैं तुम्हें अपना ऐसा अनुभव बताने जा रहा हूँ जिसे मैंने अपने परिवार के साथ एक प्रदर्शनी में जाकर प्राप्त किया। मित्र! गत सप्ताह हमारे नगर में हस्तशिल्प की एक भव्य प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी पूरे सप्ताह चलने वाली थी, परंतु हम दूसरे ही दिन प्रदर्शनी देखने चले गए क्योंकि मुझे हस्तशिल्प के प्रति विशेष उत्साह था। मैं प्रदर्शनी में लोगों की कारीगरी देखकर दंग रह गया।

मैंने प्राचीन हस्तकला के ऐसे नमूने कभी नहीं देखे थे। सबसे बड़ा विस्मय इस बात पर हुआ कि ग्रामीण लोगों ने कूड़ा समझी जाने वाली तुच्छ वस्तुओं से सुंदर कालीन, पायदान, चित्र, पत्रिका-स्टैंड, फ्रेम, मेजपोश, टोकरियाँ, आसन-न जाने कितनी आकर्षक वस्तुएँ बना डाली थीं। शहतूत और बाँस की टहनियों से बनी वस्तुओं का तो रूप ही निराला था। वस्त्रों में रेशम, पशमीना व सूती कपड़ों पर भव्य कारीगरी दिखाई गई थी। हमने भी कुछ वस्त्र खरीदे और शाम होने पर घर आए। ऐसी ही प्रदर्शनी कभी फिर लगी, तो तुम्हें अवश्य सूचित करूँगा। तुम्हें बहुत आनंद आएगा।
तुम्हारा अभिन्न मित्र
क.ख. ग.

(ii) सेवा में,
अध्यक्ष महोदय,
नगरपालिका,
——- नगर।
विषय : नगर में बढ़ रहा जल संकट।
मान्य महोदय,
मैं इस पत्र द्वारा आपका ध्यान नगर में दिन-प्रतिदिन बढ़ते जल संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ। महोदय,

हमारे नगर में जल सुविधाएँ नाममात्र हैं। प्रातः जल आपूर्ति पाँच से सात तक रहती है। दुपहर को आपूर्ति बंद रहती है। संध्या समय सात से आठ तक पानी आता है। जिन लोगों के घरों में हैंडपंप लगे हैं, उन्हें भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जल-स्तर बहुत नीचे चला गया है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि नगर में शिविर लगाकर लोगों को वर्षा के जल का संचयन करने की ओर प्रेरित किया जाए।
संभव हो तो ऐसी व्यवस्था करने के लिए अनुदान की भी कुछ-न-कुछ व्यवस्था की जानी चाहिए। इससे लोगों को तो राहत मिलेगी ही, साथ ही साथ नगरपालिका के कार्य में भी सहजता आ सकेगी। राजस्थान के लोग वर्षा जल संचयन (Rain Water Harvesting) में अत्यंत दक्ष हैं। हमें उनसे प्रेरणा लेकर इस जल संकट का समाधान करना चाहिए।

सधन्यवाद।
भवदीय,
क. ख. ग.
207/40
न्यू शीतल नगर
——– प्रदेश
दिनांक : 20-06-20…….

Question 3.
Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

एक रियासत थी। उसका नाम था कंचनगढ़। वहाँ बहुत गरीबी थी। लोग कमज़ोर थे और धरती में कुछ उगता न था। चारों और भुखमरी थी। एक दिन राजा कंचनदेव राज्य की दशा से चिंतित हो उठे। अचानक उनके पास एक साधु आए। राजा ने उन्हें प्रणाम किया। राजा ने साधु को अपने राज्य के बारे में बताया और कुछ उपाय करने की प्रार्थना की। साधु मुस्कराकर बोले-“कंचनगढ़ के नीचे सोने की खान है।” इतना कहकर साधु चले गए। राजा ने खुदाई करवाई। वहाँ सोने की खान निकली। राजा का खजाना सोने से भर गया। राजा ने अपने राज्य में जगह-जगह मुफ़्त भोजनालय बनवाए, दवाखाने खुलवाए, चारागाह बनवाए तथा अन्य सुख-सुविधा के साधन उपलब्ध करा दिए। अब वहाँ कोई दुखी नहीं था।

सब लोग खुश थे। धीरे-धीरे लोग आलसी हो गए। कोई काम नहीं करता था। भोजन तक मुफ़्त में मिलने लगा था। मंत्री ने राजा को बहुत समझाया और कहा-“महाराज, लोग आलसी होते जा रहे हैं। उनको काम दिया जाए।” परंतु राजा ने मंत्री की बात को टाल दिया। कंचनगढ़ की समृद्धि को देखकर पड़ोसी रियासत के राजा को ईर्ष्या हुई। उसने अचानक कंचनगढ़ पर चढ़ाई कर दी और माँग की-“सोना दो या लड़ो।” कंचनगढ़ के आलसी लोगों ने राजा से कहा-“हमारे पास बहुत सोना है, कुछ दे दें। बेकार खून क्यों बहाया जाए?” राजा ने लोगों की बात मान ली और सोना दे दिया। कुछ दिनों बाद

उसी पड़ोसी राजा ने कंचनगढ़ पर फिर चढ़ाई कर दी। इस बार उसका लालच और बढ़ गया था। इसी प्रकार उसने कई बार चढ़ाई कर-करके कंचनगढ़ से सोना ले लिया। यह सब देखकर राजा का मंत्री बहुत परेशान हो गया। वह राजा को समझाना चाहता था, किंतु राजा के सम्मुख कुछ बोलने की हिम्मत नहीं हो पा रही थी। अंत में उसने युक्ति से काम लिया। एक दिन मंत्री कंचनदेव को घुमाने के लिए नगर के पूर्व की ओर बने गुलाब के बाग की ओर ले गया। राजा कंचनदेव ने देखा कि बाग में दाने बिखरे पड़े हैं।

कबूतर दाना चुग रहे हैं। थोड़ी दूर कुछ कबूतर मरे पड़े हैं। कुछ भी समझ में न आने पर राजा ने मरे हुए कबूतरों के बारे में मंत्री से पूछा। मंत्री ने बताया-"महाराज, इन्हें शिकारी पक्षियों ने मारा है।" राजा ने पूछा-"तो कबूतर भागते क्यों नहीं""भागते हैं लेकिन लालच में फिर से आ जाते हैं, क्योंकि उनके लिए यहाँ, आपकी आज्ञा से दाना डाला जाता है।"-मंत्री ने बताया। राजा ने कहा-"दाना डलवाना बंद कर दो।"

मंत्री ने वैसा ही किया। राजा अगले दिन फिर घूमने निकले। उन्होंने देखा कि दाना तो नहीं है, किंतु कबूतर आ-जा रहे हैं। राजा ने मंत्री से इसका कारण पूछा। मंत्री ने बताया-"महाराज, इन्हें बिना प्रयास के ही दाना मिल रहा था। यह अब दाने-चारे की तलाश की आदत भूल चुके हैं, आलसी हो गए हैं।

शिकारी पक्षी इस बात को जानते हैं कि कबूतर तो यही आएँगे अतः वे इन्हें आसानी से मार डालते हैं।" राजा चिंता में पड़ गए। उन्होंने शाम को मंत्री को बुलाकर कहा"नगर के सारे मुफ़्त भोजनालय बंद करवा दो। जो मेहनत करे, वही खाए। लोग निकम्मे और आलसी होते जा रहे हैं। और हाँ, एक बात और। मैं अब शत्रु को सोना नहीं दूंगा, बल्कि उससे लड़ाई करूँगा। जाओ, सेना को मज़बूत करो।" मंत्री राजा की बात सुनकर बहुत खुश हो गया।

(i) राजा कंचनदेव की चिंता का क्या कारण था ? उन्होंने साधु से क्या प्रार्थना की?
(ii) साधु ने राजा को क्या बताया ? उसके बाद राजा ने राज्य के लिए क्या-क्या कार्य किए ?
(iii) पड़ोसी राजा के आक्रमण करने पर कंचनगढ़ का राजा क्या करता था और क्यों ?
(iv) कबूतरों की दशा कैसी थी? उस दशा को देखकर राजा ने क्या सीखा ?
(v) राजा ने मंत्री को क्या आदेश दिए ? आदेश सुनकर मंत्री की क्या स्थिति हुई ?

Answer :
(i) राजा की चिंता का कारण राज्य की गरीबी, लोगों की कमजोरी व चारों ओर फैली भुखमरी थी। उसने साधु से राज्य के विषय में चर्चा करके कुछ उपाय करने की प्रार्थना की।

(ii) साधु ने राजा को बताया कि उसके राज्य कंचनगढ़ के नीचे सोने की खान है। राजा ने खुदाई करवाकर सोना प्राप्त किया और अपने राज्य में मुफ़्त भोजनालय और दवाखाने खुलवा दिए। चरागाह बनवाए और अन्य सुख-सुविधा के साधन उपलब्ध करवाए।

(iii) पड़ोसी रियासत के राजा के आक्रमण करने पर राजा सोने का कुछ भाग दे देता था क्योंकि उसकी प्रजा लड़कर खून बहाने के स्थान पर कुछ सोना देने का विचार रखती थी, क्योंकि मुफ्त सुविधाएँ पाकर लोग आलसी हो चुके थे।

(iv) कुछ कबूतर दाना चुग रहे थे और कुछ मरे पड़े थे। राजा के पूछने पर मंत्री ने बताया कि कबूतर भागते

नहीं क्योंकि वे दाने के लालची हो गए हैं। राजा की आज्ञा से उन्हें मुफ़्त दाना डाला जाता है। इस दशा को देखकर राजा को कर्म करने का महत्त्व समझ में आ गया और उसने दाना डलवाना बंद कर दिया।

(v) राजा ने मंत्री को आदेश दिए कि आलसी और निकम्मों के लिए स्थापित सारे मुफ़्त भोजनालय बंद कर दिए जाएँ। परिश्रम करने वाला ही खाए। अब शत्रु को सोना नहीं दिया जाएगा। सेना मज़बूत की जाए और लड़ाई करके शत्रु को परास्त किया जाए।

Question 4.
Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :
(i) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम लिखिए : अपना, देव, नवीन, सम्मानित।
(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : इच्छा, आदेश, शिक्षक।
(iii) निम्नलिखित शब्दों में किन्हीं दो शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए : सफेद, युवा, हिंसक, जागना।
(iv) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : कवित्री, आशीरवाद, कृतग्य, विदूशी।
(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : चंपत होना, डींग हाँकना।
(vi) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :
(a) प्राचीन काल में लोग पत्तों की बनी कुटिया में रहते थे। [रेखांकित का एक शब्द लिखते हुए वाक्य पुनः लिखिए]

(b) बीमार होने के कारण सुमन समारोह में नहीं आ सकी। ['इसलिए' का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए]
(c) बच्चे आम तोड़ने के लिए वृक्षों पर चढ़ गए थे। [वचन बदलिए]

Answer:
(i) पराया, दानव/राक्षस, प्राचीन, अपमानित।
(ii) इच्छा-अभिलाषा, कामना। आदेश-आज्ञा, हुकम, समादेश। शिक्षक-अध्यापक, आचार्य।
(iii) सफ़ेदी, यौवन, हिंसा, जागृति।
(iv) कवयित्री, आशीर्वाद, कृतज्ञ, विदुषी।
(v) चोर भरे बाज़ार में महिला का पर्स छीनकर चंपत हो गया। कर्म करने से सफलता मिलती है, डींग हाँकने से नहीं।
(vi) (a) प्राचीनकाल में लोग पर्णकुटी में रहते थे।
(b) सुमन बीमार थी इसलिए समारोह में नहीं आ सकी।
(c) बच्चा आम तोड़ने के लिए वृक्ष पर चढ़ गया था।

SECTION – B [40 Marks]

Attempt four questions from this Section

साहित्य सागर – संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar – Short Stories)

Question 5.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :उसके अन्तस्तल में वह शोक जाकर बस गया था। वह प्रायः अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता। एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा। विश्वेश्वर के पास जाकर बोला, "काका! मुझे एक पतंग मँगा दो।"

['काकी' – सियारामशरण गुप्त]
[Kaki'-Siyaramsharan Gupt]

(i) 'उसके' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसके दुखी होने का क्या कारण था? [2]
(ii) क्या देखकर उसका हृदय खिल उठा था ? उसने अपने पिता से क्या माँगा ? [2]
(iii) उसने उस चीज का प्रबंध कैसे किया ? क्या उसके इस कार्य को अपराध कहना उचित होगा ? समझाइए। [3]
(iv) विश्वेश्वर ने बालक के साथ कैसा व्यवहार किया ? संक्षेप में समझाते हुए उनके इस तरह के व्यवहार का – कारण तथा सच्चाई जानने के बाद की स्थिति का भी वर्णन कीजिए। [3]

Answer :
(i) 'उसके' शब्द का प्रयोग श्यामू के लिए किया गया है। उसके दुखी होने का कारण उसकी माँ की मृत्यु थी।
(ii) एक दिन श्यामू अकेला बैठा आकाश की ओर ताक रहा था तो उसने एक उड़ती पतंग देखी। पतंग देखकर उसका हृदय खिल उठा। उसने अपने पिता से एक पतंग माँगी।
(iii) पिता ने 'हाँ' करके भी श्यामू को पतंग लाकर नहीं दी तो उसने पिता के कोट से एक चवन्नी चुरा ली और सुखिया दासी के पुत्र भोला से पतंग मँगवा ली। यह कार्य चोरी के अपराध में आता है परंतु अपनी माँ के मोह में जकड़े श्यामू के लिए यह कतई अपराध न था।
(iv) विश्वेश्वर को अपने कोट से रुपया चोरी होने का पता चला तो वे श्यामू से पूछते हैं। डरकर भोला ने सारी कहानी बता दी। पिता ने श्यामू के दो तमाचे जड़ दिए और पतंग फाड़ डाली। परंतु जब उन्हें चोरी के कारण – का पता चला तो उनका सारा क्रोध शांत हो गया और उनके मन में पीड़ा जाग उठी।

Question 6.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :विदेशों में उसके चित्रों की धूम मच गयी। भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के उस चित्र की प्रशंसा में तो
अखबारों के कॉलम के कॉलम भर गए। शोहरत से ऊँचे कगार पर बैठ चित्रा जैसे अपना सब कुछ भूल गयी।

['दो कलाकार' – मन्नु भंडारी]
['Do Kalakar'-Mannu Bhandari]

(i) 'उसके चित्रों' से क्या तात्पर्य है ? समझाइए। [2]
(ii) चित्रा कौन थी ? उसके चरित्र की मुख्य विशेषता को बताइए। [2]
(iii) अरूणा कौन थी जब उसे भिखारिन वाली घटना का पता चला तो उसपर क्या प्रभाव पड़ा और उसने क्या किया ? [3]
(iv) चित्रकारिता और समाज सेवा में आप किसे उपयोगी मानते हैं और क्यों ? कहानी के माध्यम से समझाइए। [3]

Answer :
(i) 'उसके चित्रों' से तात्पर्य चित्रा द्वारा बनाए गए चित्रों से है। वह एक श्रेष्ठ कलाकार थी और उसके चित्रों का संबंध जीवन से न होकर केवल कला से था।
(ii) चित्रा धनी पिता की इकलौती बेटी है। उसका शौक चित्रकला है। उसमें मानवता और संवेदना की कमी है। उसकी दृष्टि कला को कला के लिए मानने वाली है।
(iii) अरूणा चित्रा की सहपाठिन सखी थी। उसके जीवन का उद्देश्य मानवता की सेवा है। वह भिखारिन की मृत्यु पर उसके दोनों बच्चों को अपना लेती है।
(iv) चित्रकारिता और समाजसेवा में निश्चित रूप से समाजसेवा उपयोगी है क्योंकि इसका संबंध मानवता से है। जो कला जीवन को महत्त्व न दे, वह कला नहीं है। कला और कलाकार वही सार्थक है जो अरूणा की तरह संवेदना से भरा हो। चित्र जैसा भौतिकवादी कलाकार मानवता के लिए व्यर्थ है।

Question 7.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :मैंने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी। मैंने कहा-"होगा कोई।" तीन गज की दूरी से दिख पड़ा, एक लड़का, सिर के बड़े-बड़े बाल खुजलाता चला आ रहा था। नंगे पैर, नंगे सिर, एक मैली-सी कमीज़ लटकाए है।

[अपना-अपना भाग्य' – जैनेन्द्र कुमार]
[Apna-Apna Bhagya'-Jainendra Kumar]

(i) यहाँ पर किस बालक के संदर्भ में कहा गया है ? उस समय उसकी क्या स्थिति थी? [2]
(ii) बालक ने अपने घर-परिवार के संबंध में क्या-क्या बताया ?
(iii) इस समय उस बालक के सामने कौन-सी समस्या थी? क्या उस समस्या का हल हो पाया ? यदि नहीं तो क्यों? [3]
(iv) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने हमें क्या संदेश देना चाहा है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

Answer :
(i) यहाँ पर एक ऐसे निर्धन, असहाय और शोषित पहाड़ी बालक के विषय में कहा गया है जो बर्फ में ठिठुर कर दम तोड़ देता है। उसके सिर, पैर, नंगे थे। शरीर पर केवल एक मैली-सी कमीज़ थी।
(ii) बालक ने बताया कि वह गरीबी से तंग आकर नैनीताल भाग आया है। उसके माता-पिता पंद्रह कोस दूर गाँव में रहते हैं। उसके कई भाई-बहन और माँ-बाप भूखे रह रहे थे।
(iii) इस समय बालक के सामने रात काटने की और बर्फ के प्रकोप से बचने की समस्या थी। उसे उस

दुकान पर से हटा दिया गया था, जहाँ वह काम करने के बाद सोता था। यह समस्या हल नहीं हो सकी क्योंकि वकील जैसे भद्रपुरुषों में मानवता नाम की कोई भावना नहीं थी।
(iv) प्रस्तुत कहानी द्वारा लेखक ने बताया है कि आज के लोगों में दया और मानवता की भावना शून्य होती जा रही है। लोग किसी विवश व अभावग्रस्त दुखी बालक पर दया नहीं दिखाते। वकील साहब जैसे लोग स्वार्थी, हृदयहीन और संवेदनहीन हैं। इसी निर्ममता ने बालक की जान ले ली।
साहित्य सागर – पद्य भाग
(Sahitya Sagar – Poems)

Question 8.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :"मैया मेरी, चंद्र खिलौना लेहौं।। धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं। मोतिन माल न धरिहौं उर पर झुंगली कंठ न लैहौं। जैहौं लोट अबहिं धरनी पर, तेरी गोद न ऐहौं।। लाल कहैहौं नंद बाबा को, तेरो सुत न कहैहौं।।"

['सूर के पद'- सूरदास]
[Sur Ke Pad' – Surdas]
(i) प्रस्तुत पद्य में कौन अपनी माता से जिद कर रहे हैं ? वे क्या प्राप्त करना चाहते हैं ? [2]
(ii) उनकी माता कौन हैं ? वे अपने पुत्र को देखकर कैसा अनुभव कर रही हैं ? स्पष्ट कीजिए। [2]
(iii) खिलौना न मिलने की स्थिति में बाल कृष्ण अपनी माँ को क्या-क्या धमकियाँ दे रहे हैं ? स्पष्ट कीजिए। [3]
(iv) रूठे हुए बालक को बहलाने के लिए माँ क्या कहती है ? बालक पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ? सूरदास जी की भक्ति भावना का परिचय देते हुए समझाइए। [3]

Answer :
(i) प्रस्तुत पद्य में कवि सूरदास ने वात्सल्य रस का चित्रण किया है। कृष्ण की बाल-लीला अद्‌भुत है। वे अपनी माता यशोदा से चाँद को खिलौने के रूप में माँग रहे हैं।
(ii) कृष्ण की माता यशोदा है। वे अपने पुत्र की बालसुलभ लीलाओं को देख-सुनकर मंत्रमुग्ध हो रही हैं। उन्हें अपने पुत्र के बाल हठ पर आनंद का अनुभव हो रहा है।
(iii) बाल कृष्ण अपनी माँ को दूध न पीने, चोटी न गुँथवाने, मोतियों की माला न पहनने, गले में झंगलि न पहनने धरती पर लेटने, गोद में न आने और यशोदा के स्थान पर नंद का पुत्र कहलाने की धमकियाँ दे रहे हैं।
(iv) यशोदा अत्यंत चतुराई से कृष्ण के कान में कहती हैं कि वे उसके लिए चंद्र से भी सुंदर दुलहन लाएँगी। माँ की यह रहस्य भरी बात सुनकर कृष्ण चंद्र रूपी खिलौना लेने का हठ भूल गए और तुरंत विवाह करवाने का हठ करने लगे। इस पद्य में सूरदास की वात्सल्य भाव की भक्ति का मनोरम वर्णन है।

Question 9.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :"न्यायोचित सुख सुलभ नहीं जब तक मानव-मानव को चैन कहाँ धरती पर तब तक शांति कहाँ इस भव को ? जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा शमित न होगा कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा।"

['स्वर्ग बना सकते हैं' – रामधारी सिंह 'दिनकर']

['Swarg Bana Sakte Hai' – Ramdhari Singh 'Dinkar']
(i) 'भव' शब्द का क्या अर्थ है ? कवि के अनुसार इस भव में शांति क्यों नहीं है ?
(ii) शब्दों के अर्थ लिखिए-न्यायोचित, सम, सुलभ, कोलाहल।।
(iii) 'शमित न होगा कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा' पंक्ति का भावार्थ लिखिए।
(iv) उपरोक्त पंक्तियाँ 'दिनकर जी' की किस प्रसिद्ध रचना से ली गई हैं ? कविता का केंद्रीय भाव लिखते हुए बताइए। [3]

Answer:
(i) 'भव' शब्द का अर्थ है-संसार । कवि का विचार है कि जब तक मनुष्य को धरती पर न्यायसंगत सुख प्राप्त नहीं होते, तब तक संसार में शांति संभव नहीं।
(ii) न्याय की दृष्टि से उचित, समान, सुगम रूप से उपलब्ध, शोर।
(iii) इस पंक्ति का अर्थ है कि जब तक संसार में समाज-सापेक्ष दृष्टि नहीं उपजती, तब तक संघर्ष और असंतोष का शोर कम नहीं होगा।
(iv) प्रस्तुत पंक्तियाँ रामधारी सिंह दिनकर जी की प्रसिद्ध रचना 'कुरुक्षेत्र' से ली गई हैं। इस कविता का केंद्रीय भाव समतावाद से जुड़ा हुआ है। कवि का विचार है कि यदि हम प्रकृति द्वारा दी गई वस्तुओं व उपहारों का समान रूप से उपभोग करें तो यह धरती स्वर्ग बन सकती है और संघर्ष मिट सकते हैं।

Question 10.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :जन्मे जहाँ थे रघुपति जन्मी जहाँ थी सीता। श्री कृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता। गौतम ने जन्म लेकर जिसका सुयश बढ़ाया। जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया।। "मा जहा था साता। वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी। वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।।

['वह जन्मभूमि मेरी'-सोहनलाल द्विवेदी]
[Wah Janamabhumi Meri'-Sohanlal Dwivedi]

(i) प्रस्तुत कविता किस प्रकार की है इस कविता में किसका गुणगान किया गया है ?
(ii) कवि ने भारत को युद्धभूमि और बुद्धभूमि क्यों कहा है ? समझाकर लिखिए।
(iii) प्रस्तुत कविता में जन्मभूमि की किन-किन प्राकृतिक विशेषताओं का उल्लेख किया गया है ? स्पष्ट कीजिए। [3]
(iv) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने भारत को किन-किन महापुरुषों की भूमि कहा है ? कविता का केंद्रीय भाव लिखते हुए स्पष्ट कीजिए। [3]

Answer :
(i) प्रस्तुत कविता देश-प्रेम से भरपूर कविता है। इसमें कवि ने भारतवर्ष की भूमि की प्रमुख विशेषताओं का गुणगान किया है।
(ii) कवि ने भारत को बुद्ध के कारण दया व अहिंसा का पुजारी स्वीकार किया है और इसे बुद्धभूमि कहा।

दूसरी ओर आत्मसम्मान व मातृभूमि की रक्षा के लिए तैयार रहने वाले रण-बाँकुरों की ओर संकेत करके इसे युद्धभूमि कहा है।
(iii) प्रस्तुत कविता में जन्मभूमि को हिमालय की ऊँचाई, सिंधु की विशालता, गंगा, यमुना और त्रिवेणीजी की पवित्रता जैसी प्राकृतिक विशेषताओं के साथ जोड़ा है।
(iv) प्रस्तुत कविता में कवि ने भारत को राम-सीता, कृष्ण, गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की भूमि कहा है। कवि के अनुसार यह जन्मभूमि आदर्शों, कर्मशीलता, मानवता और ममतामयी पवित्रता से जुड़े महापुरुषों की भव्य भूमि है।

नया रास्ता – (सुषमा अग्रवाल)
(Naya Raasta – Sushma Agarwal)

Question 11.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :"मीनू.....अरे मीनू कैसे कर सकती है ? यह रस्म तो शादीशुदा बहन ही कर सकती है। मीनू की तो अभी शादी भी नहीं हुई।"
(i) उपर्युक्त कथन की वक्ता कौन है ? उसका परिचय दीजिए। [2]
(ii) वक्ता ने क्यों कहा कि मीनू यह रस्म नहीं कर सकती ? यहाँ किस रस्म की बात हो रही है ? [2]
(iii) वक्ता की बात सुनकर मीनू तथा मीनू की माँ की स्थिति का वर्णन करते हुए बताइए कि क्या उसके द्वारा वह रस्म पूरी की गई थी ? स्पष्ट कीजिए। [3]
(iv) "एक अविवाहित स्त्री को समाज में उचित सम्मान नहीं मिलता।" उपन्यास के आधार पर अपने विचार लिखिए। [3]

Answer :
(i) प्रस्तुत कथन की वक्ता मीनू की बुआ है। वह परंपराओं से चिपकी हुई स्त्री है। रीति-रिवाज़ों के नाम पर उसके विचार बहुत पुरातन हैं। वह रीति के नाम पर किसी को भी चोट पहुँचा सकती है।
(ii) मीनू की छोटी बहन आशा की शादी हो रही थी। एक रस्म के अनुसार बड़ी बहन को आरती उतारनी थी। परंतु मीनू की अभी तक शादी नहीं हुई थी। अतः वह बड़ी बहन होकर भी इस रस्म को नहीं निभा सकती थी।
(iii) बुआ की बात सुनकर मीनू की माँ ने दृढ़ता का परिचय दिया और निर्णय सुनाया कि मीनू ही वह रस्म निभाएगी। अतः पुरातनपंथी का विरोध करते हुए व्यवहारवादी दृष्टि अपनाई गई। विरोध व कटाक्ष की उपेक्षा करके मीनू ने आरती उतारी।
(iv) हमारा समाज अविवाहित स्त्री को सम्मान देने के पक्ष में नहीं रहा है। परंतु आज युग व दृष्टि बदल रही है। शिक्षित स्त्रियाँ प्रायः देरी से शादी करती हैं। वे पहले अपने आधार को सुदृढ़ करना चाहती हैं। उनके विचार विवाह के संदर्भ में बदलते जा रहे हैं।

Question 12.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गदयांश को. पढिए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :आखिर सरिता को देखने का दिन आ ही गया। अमित के घर में विशेष चहल-पहल थी। अमित की माताजी में विशेष उत्साह

नजर आ रहा था। माताजी के कहने में आकर उसके पिता भी इस रिश्ते में रुचि लेने लगे थे। अमित की बहन मधु भी अपनी होने वाली भाभी को देखने के लिए उत्सुक थी।
(i) अमित कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए।
(ii) विशेष चहल-पहल का क्या कारण था, इस अवसर पर अमित की स्थिति स्पष्ट कीजिए। [2]
(iii) मायारामजी को स्वर्ग की अनुभूति कहाँ और कैसे होती है और क्यों होती है ?
(iv) अमित और सरिता के बीच हुई बातचीत को संक्षेप में लिखिए।

Answer:
(i) अमित मीनू को देखने आता है। उसकी माँ दहेज की लोभी है, परंतु वह विवाह के संदर्भ में व्यवहारवादी व मानवतावादी विचार रखता है। उसको दहेज जैसी कुप्रथा के प्रति घृणा है। इसीलिए वह अपनी माँ से धनीमल जैसे धनियों से रिश्ता तय न करने की बात करता है।

(ii) विशेष चहल-पहल का कारण यह था कि अमित के लिए सरिता को देखने का दिन आ गया था। मीनू और उसके माता-पिता को अमित के माता-पिता ने टालमटोल भरा पत्र लिख दिया था। वे धन की चकाचौंध में आ चुके थे। परंतु अमित इन लोगों के विपरीत उदास व चिंतित था।

(iii) धनीमल की कोठी पर पहुँचते ही मायाराम को लगा, जैसे वे स्वर्ग में आ गए हों। सबका विशेष स्वागत किया गया। धन की चमक ने मायाराम का मन मोह लिया।
(iv) अमित और सरिता की भेंट में सरिता ने बताया कि उसे घर के कामकाज में विशेष रुचि नहीं है। पिताजी शादी के बाद एक नौकर साथ भेज देंगे और सारा काम वही करेगा।

Question 13.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :मीनू के हृदय में बचपन से ही अपंगों के लिए दया की भावना थी परंतु मनोहर को तो वैसे भी वह बचपन से जानती थी। इसीलिए उसकी यह हालत उससे देखी नहीं जा रही थी। मीनू ने मन ही मन निश्चय दिया कि वह किसी न किसी रूप में मनोहर की सहायता अवश्य करेगी। विवाह के फालतू खर्च में से कुछ रुपये बचाकर अपाहिज मनोहर की सहायता करने का उसने संकल्प लिया।

(i) मनोहर कौन था ? वह मीनू के पास क्यों आया था ?
(ii) उसकी यह दशा कैसे हो गयी थी ? संक्षेप में समझाइए।
(iii) मीनू ने मन ही मन क्या निश्चय किया और मनोहर की सहायता कैसे की ?
(iv) मीनू के इस कार्य से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ? क्या आपने भी कभी किसी की इस प्रकार से सहायता की है समझाइए।

Answer:
(i) मनोहर राजो का चचेरा भाई है। वह मीनू के पास उसके विवाह में हाथ बँटाने आया है।
(ii) मनोहर को एक फैक्ट्री में नौकरी मिली थी। काम करते हुए उसका पैर मशीन में आ गया। साथ ही सीधे हाथ की दो अंगुलियाँ भी कट गईं।
(iii) मीनू के मन में बाल्यकाल से ही अपंगों के प्रति विशेष दया-भावना थी। उसने मन ही मन यह निश्चय

किया कि वह विवाह के खर्च से कटौती करके असहाय मनोहर की सहायता करेगी। उसने विचार-विमर्श के बाद उसे पान की दुकान खुलवा देने का निर्णय श्रेष्ठ लगा और उसने दुकान खुलवाकर उसका जीवन सुधार दिया।

(iv) मीनू का यह त्याग और अपंग-प्रेम निश्चित रूप से आदर्श और अनुकरणीय है। हम सभी को शादी में इस प्रकार के व्यर्थ खर्च की कटौती करके उन दीन-दुखियों की सहायता करनी चाहिए। मैंने तो नहीं, परंतु मेरे पिता जी ने एक अपंग विधवा को फोन-बूथ खुलवा कर दिया था जिसके बाद उसका जीवन सहज हो गया था।
एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

Question 14.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :अब भी आँखें नहीं खुली ? जो व्यवहार अपनी बेटी के लिए दूसरों से चाहते हो वही दूसरे की बेटी को भी दो। जब तक तुम बहू और बेटी को एक-सा नहीं समझोगे, न तुम्हें सुख मिलेगा, न शांति।

['बहू की विदा'-विनोद रस्तोगी]
[Bahu Ki Vida'-Vinod Rastogi]
(i) वक्ता का परिचय देते हुए कथन का संदर्भ लिखिए। [2]
(ii) "अब भी आँखें नहीं खुली ?" कहने से वक्ता का क्या अभिप्राय है ? पाठ के संदर्भ में समझाइए। [2]
(iii) एकांकी के अंत में श्रोता क्या फैसला लेता है और क्यों ? समझाइए। [3]
(iv) इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? एकांकी के उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

Answer:
(i) प्रस्तुत कथन की वक्ता राजेश्वरी है। वह जीवनलाल नामक एक धनी व्यापारी की पत्नी है। प्रस्तुत कथन उस समय का है जब जीवनलाल की बेटी के ससुराल वाले उसे राखी के अवसर पर मायके भेजने से मना कर देते हैं।
(ii) 'अब भी आँखें नहीं खुली'-का अभिप्राय यह है कि जीवनलाल हठी और लोभी है। वह धन के लोभ में आकर अपनी पुत्रवधू को राखी के अवसर पर मायके नहीं भेजता। इधर उसकी अपनी पुत्री के ससुराल वाले जब उससे वैसा ही व्यवहार करते हैं तो समाचार पाकर आँखें खुलने की चर्चा हो रही है।
(iii) एकांकी के अंत में जीवनलाल का हृदय परिवर्तन हो जाता है। अपनी पुत्री के साथ वैसा ही व्यवहार होते देख उसकी आँखें खुल गईं और उसने बहू को मायके के लिए विदा करने का निर्णय ले लिया।
(iv) प्रस्तुत एकांकी से यही शिक्षा मिलती है कि हमें बहू के रूप में अपने घर में आई दूसरों की बेटियों के प्रति ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए, जैसा हम अपनी बेटियों के साथ कभी भी नहीं देखना चाहते।

Question 15.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :आपके विवेक पर

सबको विश्वास है। मैं आपसे निवेदन करने आई हूँ कि यद्यपि समय के फेर से आज हाड़ा, शक्ति और साधनों में मेवाड़ के उन्नत राज्य से छोटे हैं, फिर भी वे वीर हैं। मेवाड़ को विपत्ति के दिनों से सहायता देते रहे हैं। यदि उनसे कोई धृष्टता बन पड़ी हो, तो महाराणा उसे भूल जाएँ और राजपूत शक्तियों में स्नेह का संबंध बना रहने दें।

['मातृभूमि का मान'-हरिकृष्ण 'प्रेमी']
['Matribhoomi Ka Man'-Harikrishna 'Premi']
(i) प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा है ? स्पष्ट कीजिए। [2]
(ii) मेवाड़ को विपत्ति के दिनों में किसने सहायता दी है ? चारणी यह बात क्यों याद दिलाती है ? स्पष्ट कीजिए। [2]
(iii) चारणी ने महाराणा को अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने का क्या उपाय बताया ? यह कितना उचित था, इस संदर्भ में अपने विचार दीजिए। [3]
(iv) 'मातृभूमि का मान' कैसी एकांकी है ? शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करते हुए बताइए। [3]

Answer :
(i) प्रस्तुत संवाद चारणी ने महाराणा लाखा से कहा है। वह मेवाड़ के शासक महाराणा लाखा के सेना के सैनिक वीरसिंह की साथी है जो बूंदी का रहने वाला है।
(ii) मेवाड़ को उसकी विपत्ति के दिनों में हाड़ा जैसे छोटे राज्य सहायता देते रहे हैं। चारणी यह बात इसलिए याद दिलाना चाहती है क्योंकि वह संपूर्ण राजपूत राज्यों में स्नेह और एकसूत्रता का बंधन देखना चाहती है।
(iii) चारणी ने महाराणा को बूंदी का एक नकली दुर्ग बनाने और उसका नाश करके अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने का उपाय बताया। यह उपाय ऐसा था कि किसी राजपूत राज्य की हानि भी न होती और महाराणा की प्रतिज्ञा भी पूरी हो जाती। यह ऐसा उत्तम उपाय था कि साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।
(iv) प्रस्तुत एकांकी में हाड़ा राजपूत वीरसिंह के बलिदान का चित्रण है। वह नकली दुर्ग को प्राणों से प्रिय मानकर बूंदी की रक्षा करते-करते मेवाड़ की भारी सेना के सामने अपना बलिदान देता है। इस बलिदान से यह लाभ हुआ कि राजपूतों की एकता का मार्ग प्रशस्त हो गया और मातृभूमि के मान को सर्वोपरि रखने वाले वीरसिंह की गाथा अमर हो गई।

Question 16.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :बेटा, बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं-बड़प्पन तो मन का होना चाहिए। और फिर बेटा घृणा को घृणा से नहीं मिटाया जा सकता। बहू तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले. घृणा दी जाएगी। लेकिन यदि उसे घृणा के बदले स्नेह मिले तो उसकी समस्त घृणा धुंधली पड़कर लुप्त हो जाएगी।

['सूखी डाली'-उपेन्द्रनाथ 'अश्क']
[Sukhi Dali'-Upendranath Ashka']
(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
(ii) श्रोता ने वक्ता को छोटी बहू के संबंध में क्या बताया था ? [2]
(iii) वक्ता ने परिवार में एकता बनाए रखने का क्या उपाय निकाला ? क्या वे इसमें सफल हुए ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी किस प्रकार की एकांकी है ? इस एकांकी लेखन का क्या उद्देश्य है ? [3]

Answer:
(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता दादा हैं जिनका नाम मूलराज है। वे परिवार के मुखिया हैं।

(ii) श्रोता परेश दादा मूलराज से कहता है कि छोटी बहू बेला का इस घर में मन नहीं लगता। उसे घर का कोई भी सदस्य पसंद नहीं करता। सभी उसकी निंदा करते हैं। अत: वह स्वतंत्र घर बसाकर रहना चाहती है।

(iii) वक्ता ने परिवार में एकता बनाए रखने के लिए परेश को सुझाव दिया कि वह बेला को साथ ले जाकर बाज़ार से उसकी पसंद की चीजें खरीदवा दे। वे यह भी कहते हैं कि वे घर में सभी को समझा देंगे कि कोई भी बेला का अपमान नहीं करेगा। वे इसमें सफल होते हैं क्योंकि घर के सभी सदस्य बेला को अधिक सम्मान देने लगते हैं जिसकी प्रतिक्रिया में छोटी बहू को बदलना पड़ता है।

(iv) प्रस्तुत एकांकी एक पारिवारिक एकांकी है जिसमें उपेंद्रनाथ अश्क ने संदेश दिया है कि यदि दूरदर्शिता, सूझबूझ और व्यावहारिकता से काम लिया जाए तो पारिवारिक समस्याओं को सुलझाया जा सकता है। छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखने से हमारे परिवार बिखरने से बचाए जा सकते हैं।

HINDI

(Second Language)
(*Three Hours*)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

*This paper comprises of two Sections : **Section** A and **Section B**.*

*Attempt **all** the questions from **Section A**.*

*Attempt **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from **two** books you have studied and **any two** other questions from the same books you have compulsorily chosen.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) जीवन में खेलकूद मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ सुख समृद्धि भी देते हैं। विद्यार्थी जीवन में इसकी उपयोगिता बहुत अधिक है। अपने किसी प्रिय खेल का वर्णन करें तथा यह खेल भविष्य में आपको कैसे लाभान्वित कर सकता है, एक निबंध में अपनी भविष्य की योजनाएं भी बताइए।

(ii) सादा जीवन उच्च विचार ही मनुष्य के जीवन को अनुकरणीय और महान बनाते हैं। किसी महान व्यक्ति के अच्छे गुणों का वर्णन कीजिए जिन्हें आप अपने जीवन में सबसे अच्छा मानते हैं, वह आपके गुरु, मातापिता, या कोई महान व्यक्ति हो सकता है।

(iii) 'स्वच्छता अभियान में सरकारी तंत्र की अपेक्षा नागरिकों की जागरूकता अधिक प्रभावपूर्ण मानी जाती है' जनता के सहयोग से ही देश स्वच्छ सुन्दर बन सकता हैं, आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट करें।

(iv) एक ऐसी मौलिक कहानी लिखो, जिसके अंत में आपके विचार से यह स्पष्ट हो कि 'बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताए।'

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिये।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :—

(i) "आप अपने परिवार के साथ किसी सुन्दर शहर की यात्रा करके आए हैं आपने वहाँ क्या-क्या देखा ? वह शहर इतना प्रसिद्ध क्यों है ? अपने मित्र को पत्र लिखकर वर्णन करें।"

(ii) आपके क्षेत्र में मलेरिया तथा डेंगू का प्रकोप बढ़ गया है। इसकी रोकथाम के लिए नगर-निगम के अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

जापान के विरूद्ध दूसरे विश्व महायुद्ध में अमेरिका ने अणुबम का प्रयोग किया। सन् 1945 की गर्मियों में जापान खंडहरों का देश बन गया। लाखों आदमी मर गए थे। चालीस प्रतिशत नगर नष्ट हो गए थे। शहर की आबादी आधी रह गई थी। भूखा जापान-चिथड़ों में लिपटी जनता दीन-हीन, स्तब्ध, हैरान और क्षत-विक्षत हो गई थी। जापान में न कोयला होता है, न लोहा, न तेल और न ही यूरेनियम। बस थोड़ी सी कृषि योग्य भूमि। इस पराजय, दु:ख और विनाश के बावजूद भी जापान फिर खड़ा हो गया। यह दुनिया का सबसे ज्यादा विकसित और औद्योगिक राष्ट्र बन गया। यह चमत्कार कैसे हुआ ? जापान की समृद्धि और प्रगति के लिए संभवत: राष्ट्रीय गुणों को टटोलना होगा, जो कि वहाँ की जनता की स्वाभाविक खूबियों और चरित्र से मिलता है।

जापान की पराजय के पश्चात् एक अमेरिकी व्यापारिक संस्था ने अपनी शाखा जापान में खोली। उसने शाखा में सभी कर्मचारी जापानी रखे। अमेरिकी नियम के अनुसार जापान में सप्ताह में पाँच दिन काम करने का निश्चय किया गया। दो दिन शनिवार और रविवार की छुट्टी रखी गई। उसने सोचा था कि उसकी उदारता का जापानी कर्मचारी और कारीगर स्वागत करेंगे लेकिन यह देखकर संस्था के व्यवस्थापक को आश्चर्य हुआ कि जापानी कर्मचारी इस व्यवस्था का सामूहिक विरोध कर रहे थे। उसने कर्मचारियों को बुलाया और उसका कारण पूछा।

जापानी कर्मचारी एक आवाज़ में बोले, — "हमें कष्ट है। हम दो दिन खाली नहीं रहना चाहते। हमारे लिए सप्ताह में सिर्फ एक दिन का ही अवकाश काफी है। ज्यादा आराम से हम प्रसन्न नहीं होंगे। इससे हम आलसी बन जाएँगे, मेहनत के काम में हमारा दिल नहीं लगेगा, हमारा स्वास्थ्य गिरेगा। हमारा राष्ट्रीय चरित्र गिरेगा। अवकाश की वजह से हम व्यर्थ ही घूमेंगे-फिरेंगे, हम फिजूलखर्ची बनेंगे। जो छुट्टी हमारी सेहत बिगाड़े तथा आदत खराब करें, आर्थिक स्थिति ख़राब करें, हमें ऐसा अवकाश नहीं चाहिए।"

अमेरिकी व्यवस्थापक ने अपनी टोपी सिर से नीचे उतारी। उसने जापानी कारीगरों का अभिवादन करते हुए कहा — "आप जापानी भाइयों की समृद्धि और सफलता का रहस्य आपका परिश्रम और लगन है। आप कभी भी बीमार तथा गरीब नहीं रह सकते।

(i) जापान में विनाशकारी दुर्घटना कब और कैसे हुई ? उसका क्या परिणाम हुआ ? [2]

(ii) उस देश के पास अपने प्राकृतिक संसाधन क्या हैं ? वह पुन: विकसित और समृद्ध राष्ट्र कैसे बना ? [2]

(iii) व्यापार की दृष्टि से जापान में कौन आया ? उसके आश्चर्य-चकित होने का क्या कारण था ? [2]

(iv) जापानी कर्मचारी उस व्यापारिक संस्था का विरोध क्यों कर रहे थे ? उन्होंने व्यवस्थापक से क्या कहा ? [2]

(v) व्यवस्थापक पर कर्मचारियों की बात का क्या प्रभाव पड़ा ? उसने उनसे क्या कहा ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विलोम लिखिए :—

सेवक, बुद्धिमान, न्याय, स्वदेश। [1]

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :—

कपड़ा, भाग्य, सुगन्ध। [1]

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों से विशेषण बनाइए :—

भारत, आदर, पीड़ा, डर। [1]

(iv) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिये :—

राछस, क्योकी, आदरनिय, कार्यकर्म। [1]

(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :—

दाँत पीसना, घुटने टेकना, ज़मीन ताकना। [1]

(vi) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :—

(a) रमेश ईश्वर में बहुत विश्वास रखता है।

(रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करके वाक्य पुन: लिखिए।) [1]

(b) जज ने अपराधी को सजा सुनाई।

('द्वारा' शब्द का प्रयोग करके वाक्य पुन: लिखिए।) [1]

(c) छात्र यात्रा पर जा रहे हैं। (भविष्यकाल में बदलिए।) [1]

SECTION B (40 Marks)

*Questions from only **two** of the following textbooks are to be answered.*

*Attempt **four** questions from this Section.*

*You must answer at least **one** question from each of the **two** books, you have studied and any **two** other questions from the same books that you have chosen.*

साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ

(Sahitya Sagar–Short Stories)

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

एक दुखिया स्त्री तुमको अपनी सहायता के लिए बुला रही है। जाओ, उसकी सहायता करके लौट आओ। तुम्हारा सामान यहीं रहेगा। तुमको अभी यहीं रहना होगा। समझे! अभी तुमको मेरी संरक्षता की आवश्यकता है। उठो, नहा-धो लो। जो ट्रेन मिले, उससे पटना जाकार ब्रजकिशोर की चालाकियों से मनोरमा की रक्षा करो और फिर मेरे यहाँ चले आना। यह सब तुम्हारा भ्रम था। संदेह था।

['संदेह'—जयशंकर प्रसाद]

['Sandeh'—Jaishankar Prasad]

(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं ? उनका परिचय दीजिए। [2]

(ii) वक्ता ने यह कथन कब और क्यों कहा ? [2]

(iii) मनोरमा कौन थी ? उसे रक्षा की आवश्यकता क्यों थी ? उसने किसे सहायता के लिए बुलाया। [3]

(iv) 'संदेह' का क्या अर्थ है ? इस कहानी का नाम 'संदेह' क्यों रखा गया है ? समझाकर लिखिए। इस कहानी में कौन-कौन किस-किस पर कैसे संदेह करता हैं। [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

रमजान ने ठंडी साँस भरी। उसने रसीला को ठहरने का संकेत किया और आप कोठरी में चला गया। थोड़ी देर बाद उसने कुछ रूपये रसीला की हथेली पर रख दिए। रसीला के मुँह से एक शब्द भी न निकला। सोचने लगा ''बाबू साहब की मैंने इतनी सेवा की पर दुख में उन्होंने साथ न दिया। रमजान को देखो गरीब है, परंतु आदमी नहीं देवता है। ईश्वर उसका भला करें।''

['बात अठन्नी की'—सुदर्शन]

['Baat Atthanni Ki'—Sudarshan]

(i) रमजान कौन है ? उसका परिचय दीजिए। [2]

(ii) रसीला और रमजान किस-किस के यहाँ काम करते थे ? उन दोनों में क्या समानता थी ? [2]

(iii) रसीला ने रमजान को देवता क्यों कहा है ? समझाकर लिखिए। [3]

(iv) कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

उनका 'हृदय' परिवर्तन हो गया है। वे आज सात दिनों से घास खा रहे हैं। रात-दिन भगवान के भजन और परोपकार में लगे रहते हैं। उन्होंने अपना जीवन जीव-मात्र की सेवा में अर्पित कर दिया है। अब वे किसी का दिल नहीं दुखाते। किसी का रोम तक नहीं छूते।

['भेड़ें और भेड़िए'—हरिशंकर परसाई]

['Bheden Aur Bhediyen'—Harishankar Parsai]

(i) प्रस्तुत कथन किसने, किससे और क्यों कहा ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) वक्ता ने किसके 'हृदय परिवर्तन' की बात कही ? उसने उसके बारे में क्या-क्या कहा ? [2]

(iii) वक्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए। वह चुनावी सभा में किसे जिताना चाहता था और कैसे ? [3]

(iv) चुनाव का क्या परिणाम हुआ ? इस कहानी के माध्यम से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहते हैं ? चुनाव जीतने वाले ने सबसे पहला क्या नियम बनाया और इस नियम से किसका अधिक लाभ हुआ ? [3]

साहित्य सागर – पद्य भाग
(Sahitya Sagar–Poems)

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिए ताहि कोटि वैरी सम जदपि परम सनेही।।
तज्यो पिता प्रह्लाद, विभीषण वन्धु, भरत महतारी।
बलि गुरु तज्यो, कन्त ब्रज बनितन्हि, भए मुद मंगलकारी।।
नाते नेह राम के मनियत, सुहृद, सुसेव्य जहाँ लौं।
अंजन कहा आँख जेहि फूटै, बहू तक कहौं कहाँ लौं।।

['विनय के पद'—तुलसीदास]

['Vinay Ke Pad'—Tulsidas]

(i) 'तजिए ताहि कोटि वैरी सम' से कवि क्या कहना चाहता है ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) राम की भक्ति में किन-किन लोगों ने किनका त्याग किया है ? [2]

(iii) 'अंजन कहा आँख जेहि फूटै, बहु तक कहौं कहाँ लौं।' पंक्ति की व्याख्या कीजिए। [3]

(iv) कवि तुलसी के इष्टप्रभु का नाम बताइए। उनकी भाषा और भक्तिभावना का परिचय दीजिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

उसे भी आती होगी याद ?
उसे हाँ आती होगी याद।
नहीं तो रूठूँगी मैं आज
सुनाऊँगी उसको फरियाद।।

कलेजा माँ का, मैं संतान,
करेगी दोषों पर अभिमान।
मातृ वेदी पर हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान

[मातृ मंदिर की ओर—सुभद्राकुमारी चौहान]

[Matri Mandir Ki Or—Subhadra Kumari Chauhan]

(i) कवयित्री किससे और क्या फरियाद करना चाहती है ? [2]

(ii) 'माँ का कलेजा' किस प्रकार का होता है ? वह अपनी संतान के साथ किस प्रकार का व्यवहार करती है? [2]

(iii) 'मातृ-वेदी पर हुई पुकार' इस पंक्ति का आश्य स्पष्ट करते हुए लिखिए कि कवयित्री क्या कहना चाहती हैं ? [3]

(iv) 'मातृ मन्दिर की ओर' कविता से क्या प्रेरणा मिलती है ? अपने शब्दों में लिखिए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार।।
सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बनराय।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय।।

['साखी'— कबीरदास]

['Saakhi'—Kabirdas]

(i) कबीरदास जी ने पहाड़ पूजने की बात क्यों कही है ? इस दोहे के माध्यम से वे हमें क्या सन्देश देना चाहते हैं ? मूर्ति पूजा के बारे में उनके क्या विचार थे ? [2]

(ii) उन्होंने चक्की की तुलना किससे की है ? वे उसे अच्छा क्यों मानते हैं ? [2]

(iii) उन्होंने 'स्याही' और 'लेखनी' किसे बनाने की बात कही है ? वे किस पर हरि कथा लिखना चाहते हैं ? [3]

(iv) 'हरि गुन लिखा न जाए' — इस कथन से उनका क्या आशय है ? समझाकर लिखिए। संत कबीर की भक्ति भावना की विशेषताएं बताइए और वह कैसे भगवान की पूजा करना चाहते थे ? [3]

नया रास्ता–सुषमा अग्रवाल

(Naya Raasta–Sushma Agarwal)

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

मेहमानों का शानदार स्वागत किया गया। मीनू को देखने के लिए अमित, उसके पिता मायारामजी, माताजी व छोटी बहन मधु आये थे। उनके आतिथ्य में किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी गयी थी। परिवार के हर सदस्य के हृदय में नया जोश व उमंग था, मानो उनके घर कोई देवता आ गये हो।

(i) मेहमान कौन हैं ? वे कहाँ और क्यों आए हैं ? [2]

(ii) किसके, हृदय में जोश और उमंग था ? क्यों ? [2]

(iii) मेहमानों के स्वागत के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की गईं ? [3]

(iv) अमित और मीनू के बीच हुई बातचीत को संक्षेप में लिखिए। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

धनीमल जी व मायाराम जी ने आपस में कुछ बातें की और सब वहाँ से उठकर चल दिए। अमित व सरिता को एकांत में बात करने का अवसर दिया गया। अमित ने सरिता से कुछ प्रश्न किए।

(i) धनीमल जी और मायाराम जी का परिचय देते हुए बताइए कि उनमें किस विषय पर बातचीत हो रही थी ? [2]

(ii) सरिता को देखकर अमित के मन में क्या विचार आए थे ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) अमित के माता-पिता उसका रिश्ता सरिता के साथ क्यों करना चाहते थे ? इस सम्बन्ध में उन्होंने क्या तर्क दिए ? [3]

(iv) अमित के चरित्र पर प्रकाश डालिए। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

मीनू आज दुल्हन के रूप में कितनी सुन्दर लग रही थी, मीनू दुल्हन बनी, उसकी डोली सजी और अपने पिया संग ससुराल को चल दी।

(i) मीनू ने पहले शादी से क्यों मना कर दिया था ? [2]

(ii) मीनू अब शादी करने के लिए क्यों तैयार हो गई ? [2]

(iii) तब की मीनू और अब की मीनू में क्या अंतर है ? [3]

(iv) हमारे समाज में फैली 'दहेज की कुप्रथा' पर एक टिप्पणी लिखिए। [3]

एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मिसरानी कह रही थी" बहू कैसी भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया है, अकेली थी, पर किसी के आगे हाथ पसारने नहीं गई।

[संस्कार और भावना—विष्णु प्रभाकर]

[Sanskar Aur Bhavna—Vishnu Prabhakar]

(i) 'बहू अकेली थी' ऐसा क्यों कहा गया है ? [2]

(ii) 'बहू की किन विशेषताओं ने सास को कुछ सोचने पर विवश कर दिया ? [2]

(iii) माँ का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

(iv) समाज के लिए जातिवाद किस प्रकार अहितकर है ? [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

आत्मरक्षा का और कोई उपाय न देखकर महाबली सुयोधन द्वैत वन के सरोवर में घुस गए और उसके जल स्तंभ में छिपकर बैठे रहे। पर न जाने कैसे पांड़वों को इसकी सूचना मिल गई और वे तत्काल रथ पर चढ़कर वहाँ पहुँच गए।

['महाभारत की एक साँझ'—भारत भूषण अग्रवाल]

['Mahabharat Ki Ek Sanjh'—Bharat Bhushan Agarwal]

(i) वक्ता, श्रोता कौन-कौन हैं ? दोनों में ये बातें कहाँ और किस संदर्भ में हो रही है ? [2]

(ii) द्वैत वन कहाँ स्थित है ? पांड़व वहाँ क्यों पहुँचे ? [2]

(iii) सुयोधन किसे कहा गया है ? उसने आत्मरक्षा के लिए क्या उपाय किया ? क्या वह सफल हो पाया ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) महाभारत युद्ध किनके बीच हुआ था ? एकांकी के शीर्षक के औचित्य को समझाइए। [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

मैं ही क्या, सारे नगर-निवासी यह त्योहार मना रहे हैं, नहीं मना रही हो तो तुम! धाय माँ तुम! पहाड़ बनने से क्या होगा ? राजमहल पर बोझ बनकर जाओगी, बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे, पत्थर भी!

['दीपदान'—डॉ. रामकुमार वर्मा]

['Deepdan'—Dr. Ram Kumar Verma]

(i) वक्ता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) 'पहाड़' और 'नदी' से वक्ता का क्या तात्पर्य है ? वह श्रोता को क्या सुझाव देती है ? [2]

(iii) वक्ता के सुझाव पर श्रोता की क्या प्रतिक्रिया होती है ? समझाकर उत्तर लिखिए। [3]

(iv) श्रोता का चरित्र किस प्रकार प्रेरणादायक है ? एकांकी के आधार पर समझाइए। [3]

HINDI

(Second Language)

Maximum Marks : 80

Time Allowed : Three Hours

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

***Section A** is compulsory - **All** questions in **Section A** must be answered.*

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and **any two** questions from the same books you have studied.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION—A (40 Marks)

*Attempt **all** questions from this Section.*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) 'प्लास्टिक मुक्त भारत स्वच्छ भारत' इस अभियान को सफल बनाने हेतु सरकार के तथा अपने प्रयासों पर एक प्रस्ताव लिखिए।

(ii) समाज में फैली समस्याओं में मँहगाई तथा जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर समस्या है। इसके कारणों तथा दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए यह भी बताइए कि सरकार तथा जनता इससे मुक्त होने के लिए क्या-क्या प्रयास कर रही है ? अपने विचारों को प्रस्ताव के रूप में लिखिए।

(iii) भारत विविधताओं (Diversity) का देश है, यहाँ के प्रत्येक राज्य (State) की अपनी ही विशेषताएँ है' विषय को ध्यान में रखते हुए किसी एक राज्य की यात्रा का वर्णन करें तथा वहाँ के खान-पान, रहन-सहन तथा प्राकृतिक-सौन्दर्य को स्पष्ट करते हुए प्रस्ताव लिखिए।

(iv) 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' पंक्ति से आरम्भ करते हुए अपने जीवन से सम्बन्धित एक मौलिक कहानी लिखिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए :–

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिंदी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :—

(i) इस बार आपने आज़ादी का अमृत महोत्सव एक अनाथ-आश्रम में छोटे बच्चों के साथ मनाया उन बच्चों के साथ बिताए हुए पल तथा खुशियों का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

(ii) आपने 'एम.आई.' (MI) कम्पनी अथवा किसी अन्य कम्पनी का मोबाइल 'ऑनलाईन' खरीदा था। उसमें कुछ खराबी आ गई है वह अभी 'गारंटी टाईम' में भी है उसे बदलने का अनुरोध करते हुए उस कंपनी के प्रबन्ध को पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी में दीजिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

बसंत ऋतु का आगमन हो चुका था, परंतु कोयल और मोर उदास थे। जंगल के राजा ने एक जाँच आयोग का गठन करवाया जिसका प्रमुख कौवा बनाया गया। जाँच द्वारा पता चला कि कोयल और मोर एक ही घर की मुंडेर पर बैठे थे कि तभी उनकी नजर घर पर चल रहे टेलीविज़न पर पड़ी, जिस पर नृत्य का कार्यक्रम दिखाया जा रहा था। दोनों ही बड़े चाव से कार्यक्रम देखने लगे। नृत्यांगना मोर पंख पहनकर नाच रही थी, गायिका मधुर स्वर में गा रही थी। कार्यक्रम की समाप्ति पर दोनों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम देखकर दोनों उदास हो गए। वे सोचने लगे कि हम दिन रात मधुर वाणी और मनमोहक अदाओं से सबका मन बहलाते हैं, पर हमारी प्रशंसा में किसी ने कुछ नहीं कहा।

कौवे को जब इन बातों का पता चला तो उसने दोनों को समझाया कि पक्षियों में सबसे अधिक निरादर की भावना से मुझे देखा जाता है। मेरे सारे गुणों को ताक पर रख दिया जाता है। हम आसपास से गंदगी साफ कर देते हैं। हम अन्य पक्षियों की तरह झगड़ते नहीं है। हमारे जैसा भाईचारा तो मनुष्यों में भी नहीं होता। जब हमारा साथी मर जाता है तो हम सभी एकत्र होकर काँव-काँव कर अपना दुख प्रकट करते हैं। हम मित्रों और मेहमानों के आगमन की सूचना देते हैं। लोग हमारी कद्र नहीं करते। गीता के उपदेश की तरह हम अपने कार्य को करते हैं, फल की इच्छा नहीं करते। क्या तुम आज तक प्रशंसा और पुरस्कार के लिए गाते और नाचते रहे। इस पर्यावरण को खुश रखने में क्या तुम्हारी सबसे अहम भूमिका नहीं है ?

कौवे की बातें उन दोनों की समझ में आ गई। उसी समय जंगल में काले बादल छा गए। कोयल और मोर झूम-झूम कर नाचने और गाने लगे। सारे जंगल में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके साथ-साथ सभी पशु-पक्षी, पेड़-पौधे झूमने, गाने और चहचहाने लगे। मोर नाचता रहा, उसके आँसू बहते रहे। कौवे ने कहा, भगवान कृष्ण तुम्हारे पंख अपने सिर पर लगाते हैं। क्या इससे भी बढ़कर तुम्हारा पुरस्कार हो सकता है ? इसी भाव से कोयल को भी समझाया कि तुम ही तो बसंत के आगमन

की सूचना देती हो। आमों की बहार आने की खुशियाँ देती हो। यह सब सुन कर दोनों की आँखों में खुशी के आँसू थे।

(i) मोर और कोयल क्यों उदास थे ? [2]

(ii) जंगल के राजा ने उनकी उदासी का पता लगाने के लिए क्या किया ? [2]

(iii) कौवे ने अपना उदाहरण क्या कह कर दिया ? [2]

(iv) कौवे की बातों का दोनों पर क्या प्रभाव पड़ा ? [2]

(v) उन्हें अपने-अपने पुरस्कार किस रूप में प्राप्त हुए थे ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given below :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :— [8]

(i) 'आदि' का विलोम :

(a) आरम्भ

(b) इत्यादि

(c) अन्त ✓

(d) श्री गणेश

(ii) 'अग्नि' का पर्यायवाची :

(a) अनल - अनिल

(b) वासर - पावन

(c) पावक - अनल ✓

(d) पवन - पाहुना

(iii) 'मीठा' की भाववाचक संज्ञा :

(a) मिठाई

(b) चीनी

(c) मिश्रित

(d) मिठास ✓

(iv) 'श्रम' का विशेषण :

(a) श्रमिक

(b) आश्रमिक

(c) श्रममय

(d) श्रमण

(v) 'शोसण' का शुद्ध रूप :

(a) सोशण

(b) सोषण

(c) शोषण

(d) षोसण

(vi) 'पापड़ बेलना' मुहावरे का अर्थ :

(a) काम करना

(b) संघर्ष करना

(c) निश्चिन्त होना

(d) लज्जित होना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य :

निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर का कोई आकार नहीं है। (रेखांकित वाक्यांश हेतु एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(a) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर साकार हैं।

(b) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर निराकार हैं।

(c) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर ओंकार हैं।

(d) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर निर्विकार हैं।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य :

हमें तैरना नहीं आता (हमें के स्थान पर 'हम' का प्रयोग कीजिए)

(a) हम तैरना नहीं सकता।

(b) हम तैर नहीं सकता।

(c) हम तैरना नहीं जानते।

(d) हम तैर नहीं पाता।

SECTION—B (40 Marks)

*Questions from only **two** of the following textbooks are to be answered.*

*Attempt **four** questions from this Section.*

*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions from the same books that you have chosen.*

साहित्य सागर : संक्षिप्त कहानियाँ

SAHITYA SAGAR : SHORT STORIES

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :—

महत्त्व मूर्ति के रंग रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देशभक्ति भी आजकल मजाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है।

नेताजी का चश्मा : स्वयं प्रकाश

Netaji Ka Chashma : Swayam Prakash

(i) यहाँ किस मूर्ति की बात की जा रही है ? वह मूर्ति कहाँ स्थित थी ? [2]

(ii) पहली बार हालदार साहब ने मूर्ति पर कैसा चश्मा देखा था ? दूसरी बार उन्हें चश्मे में क्या परिवर्तन दिखाई दिया था ? [2]

(iii) 'कौतुक' का अर्थ लिखकर बताइए कि हालदार साहब का कौतुक क्यों बढ़ने लगा ? उन्होंने किस व्यक्ति से क्या प्रश्न किया और क्यों ? [3]

(iv) मूर्तिकार का नाम बताइए। हालदार साहब के अनुसार मूर्तिकार द्वारा मूर्ति पर पत्थर का चश्मा न बना पाने के क्या-क्या कारण हो सकते थे ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

"भारत के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में छोटा-मोटा व्यवसाय, नौकरी और पेट पालने की सुविधाओं को खोजता हुआ जब तुम्हारे घर आया, तो मुझे विश्वास हुआ कि मैंने घर पाया।''

संदेह : श्री जयशंकर प्रसाद

Sandeh : Shri Jayshankar Prasad

(i) 'मैं शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? यहाँ वक्ता किसके घर की बात कर रहा है ? [2]

(ii) वक्ता घर किसे समझता था और क्यों ? [2]

(iii) वक्ता अपने जीवन की सच्चाई बताते हुए क्या-क्या कहता है ? [3]

(iv) प्रस्तुत पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ों का उल्लास बढ़ता जाता।

ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ियों का दिल बैठता जाता।

भेड़ें और भेड़िए : श्री हरिशंकर परसाई

Bhedein or Bhediya : Shri Harishankar Parsai

(i) चुनाव कहाँ होने वाला था और क्यों ? [2]

(ii) भेड़ों के उल्लसित होने का क्या कारण था ? क्या उनका उल्लास चिर स्थायी रहा ? [2]

(iii) 'दिल बैठना' मुहावरे का अर्थ लिखिए। भेड़ियों का दिल बैठने का क्या कारण था ? क्या उन का दिल बैठना उचित था ? [3]

(iv) 'भेड़ें और भेड़िए' कहानी वर्तमान प्रजातांत्रिक चुनाव प्रणाली का सच्चा स्वरूप प्रस्तुत करती है - कैसे ? पाठ के उदाहरण से कथन को स्पष्ट कीजिए। [3]

साहित्य सागर : पद्य भाग
SAHITYA SAGAR : POEMS

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता।
श्री कृष्ण ने सुनाई, वंशी, पुनीत गीता।।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया।
जग को दया दिखाई, जग को दीया दिखाया।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।।

वह जन्मभूमि मेरी : श्री सोहनलाल द्विवेदी

Vah Janmbhoomi Meri : Shri Sohanlal Dwivedi

(i) रघुपति कौन थे ? उनका जन्म किस युग में हुआ था ? [2]

(ii) गीता में क्या उपदेश दिया गया है ? यह उपदेश किसने दिया था ? [2]

(iii) 'गौतम' का परिचय देते हुए बताइए कि उन्होंने संसार को क्या सन्देश दिया था तथा मातृभूमि के यश को किस प्रकार से बढ़ाया था ? [3]

(iv) प्रस्तुत कविता में कवि ने इस देश की धरती को पुण्य भूमि तथा धर्मभूमि की संज्ञा क्यों दी है, इसको स्पष्ट करते हुए कविता में निहित देश की मुख्य विशेषताएँ भी लिखिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

खीजत जात, माखन खात।
अरुण लोचन, भौंह टेड़ी, बार-बार जम्हात।।
कबहुँ रुनझुन चलत घुटुरन, धूर-धूसर गात।
कबहुँ झुक के अलक खेंचत, नैन जल भर लात।
कबहुँ तुतरे बोल बोलत, कबहुँ बोलत तात।
'सूर' हरि की निरखि सोभा, निमिख तजत न मात।।

सूर के पद : सूरदास

Sur Ke Pad: Surdas

(i) प्रस्तुत पद में सूरदासजी ने कृष्ण के किस रूप का चित्रण किया है तथा कृष्ण की झल्लाहट का क्या कारण है ? [2]

(ii) कृष्ण झल्लाहट में क्या-क्या कर रहे है ? [2]

(iii) सूर की भक्ति-भावना बताते हुए उनका संक्षिप्त परिचय लिखिए। [3]

(iv) पद के आधार पर निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :– [3]

लोचन, धूल-धूसर, गात, निरखि, तजत, घुटुरन।

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,

बाँए से वे मलते हुए पेट को चलते

और दाहिना दया दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।

भूख से सूख ओंठ जब जाते,

दाता-भाग्य, विधाता से क्या पाते ?

घूँट आँसुओं के पी कर रह जाते।

भिक्षुक : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Bhikshuk : Suryakant Tripathi Nirala

(i) भिक्षुक के साथ कौन-कौन हैं और उन की हालत कैसी है ? [2]

(ii) 'दया दृष्टि' का क्या अर्थ है ? उन्हें इस की आवश्यकता क्यों हैं ? [2]

(iii) भिक्षुक को देखकर कवि को महाभारत का कौनसा पात्र याद आता है और क्यों ? [3]

(iv) 'घूँट आँसुओं के पी कर रह जातें - इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लाचार और जरूरतमंदों के लिए मन में प्रेम और संवेदना होना क्यों आवश्यक है ? [3]

नया रास्ता : सुषमा अग्रवाल

NAYA RASTA : SUSHMA AGARWAL

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :—

उसके हृदय में तूफान उठता कि वह एक लड़की जरूर है, परन्तु उसके अन्दर हिम्मत तथा साहस है। मीनू अभी अपनी पढ़ाई में तल्लीन थी कि अचानक उसे ख्याल आया कि परसों उसे नीलिमा की शादी में जाना है।

(i) मीनू बचपन से पढ़ाई में कैसी थी ? अभी वह कौन-सी पढ़ाई कर रही थी ? [2]

(ii) मीनू ने नीलिमा की शादी में कितने दिन पहले जाने का निश्चय किया ? तथा विवाहोपलक्ष्य में उसे भेंट देने के लिए मीनू ने क्या खरीदा ? [2]

(iii) नीलिमा कौन थी ? उसकी शादी कहाँ हो रही थी ? मीनू के पूछने पर उसने अपने होने वाले पति के बारे में क्या-क्या बताया ? [3]

(iv) नीलिमा के विवाह में मीनू द्वारा गाए गए मधुर गीत की प्रशंसा करने वाला नवयुवक कौन था ? उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनकर मीनू प्रसन्न क्यों नहीं हुई ? [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :—

वैसे हमारे यहाँ शादी के बाद तो दावत होती नहीं हैं पहले ही मढ़े पर सब बिरादरी वालों और जान-पहचान वालों को खाना खिला देते है।

(i) वक्ता कौन है ? उनके यहाँ किसकी शादी की क्या-क्या तैयारियाँ चल रही हैं ? [2]

(ii) उपन्यास में 'बड़े घर की बेटी कहकर किसे संबोधित किया गया है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(iii) धनीमल ने अपनी बेटी के विवाह में दहेज देने के लिए मायाराम जी के समक्ष क्या प्रस्ताव रखा ? मायाराम जी को उनकी किस बात पर क्रोध आ गया और क्यों ? [3]

(iv) 'नया रास्ता' उपन्यास में लेखिका ने किस सामाजिक कुप्रथा पर प्रकाश डाला है ? आपके अनुसार इसे रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका किसकी हो सकती है ? उदाहरण सहित बताइए। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

"एक घण्टे का समय कहाँ व्यतीत करे, उसकी कुछ समझ में नहीं आ रहा था। तभी उसने एक पत्रिका खरीदी और पास में पड़ी एक बेंच पर बैठकर पढ़ने लगी। हर दस मिनट के बाद उसकी नजर घड़ी पर चली जाती। एक-एक पल काटना कठिन हो रहा था।"

(i) यहाँ कौन कहाँ इंतज़ार कर रहा है ? [2]

(ii) उसे यह समय बहुत लम्बा क्यों लग रहा है ? [2]

(iii) इस इंतज़ार का वास्तविक उद्देश्य क्या है ? स्पष्ट करें। [3]

(iv) "प्रस्तुत उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करें।" [3]

एकांकी संचय
EKANKI SANCHAY

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

"मेरी बेटी पहला सावन यहाँ बितायेगी, तुम्हारी बहन के सपने कभी पूरे नहीं होंगे और उसके सपनों के खून का दाग तुम्हारे हाथों और तुम्हारी माँ के आँचल पर होगा।"

बहू की विदा : विनोद रस्तोगी

Bahu Ki Vida : Vinod Rastogi

(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं ? वक्ता की मानसिकता बताइए। [2]

(ii) यहाँ बहन के किस सपने की बात हो रही है ? क्या वह वास्तव में सपना होता है ? [2]

(iii) वक्ता ने बहन के सपने पूरे न हो पाने का जिम्मेदार किन्हें ठहराया और क्यों क्या वही इसके जिम्मेदार है ? आपके दृष्टिकोण से क्या वक्ता का व्यवहार उचित था ? तर्क सहित उत्तर दीजिए। [3]

(iv) इस एकांकी में समाज की किस ज्वलन्त समस्या की ओर ईशारा किया गया है ? इस समस्या से समाज में क्या स्थिति उत्पन्न हो रही है ? एकांकी का उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

"तुम कुछ गा रही थी ? तुम संपूर्ण राजस्थान को एकता की श्रृंखला में बाँधकर देश की स्वाधीनता के लिए कुछ करने का आदेश दे रही थी। किंतु मैं तो इस श्रृंखला को तोड़ने जा रहा हूँ। दोनों जातियों में जानी-दुश्मनी पैदा करने जा रहा हूँ।"

मातृभूमि का मान : हरिकृष्ण 'प्रेमी'

Maatr Bhumi Ka Maan : Hari Krishan 'Premi'

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन हैं ? श्रोता वक्ता को अपने गीत के माध्यम से क्या कहना चाह रही है ? [2]

(ii) वक्ता उस श्रृंखला को तोड़ने के लिए इच्छुक क्यों है ? [2]

(iii) यहाँ किन दो जातियों का उल्लेख किया गया है ? उनकी विशेषताएँ लिखिए। [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी के किस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया ? नाम लिखते हुए एकांकी का उद्देश्य लिखिए। [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :—

"रूठ गए कुँवर ! रूठने से राजवंश नहीं चलते। जाओ विश्राम करो। देखो, तुम्हारे कपड़ों पर धूल छा रही है। दिनभर तलवार से खेलते रहे, थक गए होगे। जाओ, शैया पर सो जाओ। मैं तुम्हारी तलवार अलग रख दूँगी।"

दीपदान : डॉ. रामकुमार वर्मा

Deepdaan : Dr. Ramkumar Verma

(i) 'कुँवर का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उनके रूठने का कारण बताइए। [2]

(ii) उदय सिंह का ध्यान उत्सव से हटाने के लिए वक्ता ने उसे मनाते हुए, बहलाते हुए क्या कहा ? [2]

(iii) वक्ता का परिचय देते हुए उसकी दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। [3]

(iv) वक्ता कुँवर को दीपदान का उत्सव देखने से क्यों रोकना चाहती थी ? एकांकी के अन्त में उसने देशभक्ति तथा राजभक्ति किस प्रकार से दिखाई थी ? [3]